{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 27 जुलाई 2026
आषाढ़ शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 303
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आज संसद में गरमाएगा राजनीतिक माहौल

आज गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफा मांगेगा विपक्ष!

नई दिल्ली। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद देश की राजनीति का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। अब विपक्ष अपने आप को बेहतर स्थिति में पा रहा है। ऐसे में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर पर जिस तरह प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की बर्बरता हुई है, उसको लेकर सोमवार को संसद का माहौल गरमाएगा। क्योंकि लोकसभा में नता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसके लिए गृह मंत्री अमित शाह को दोषी बताया है और उनके इस्तीफे की मांग करेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी छात्रों से माफी करने की मांग की जाएगी।

दरअसल, प्रधान के इस्तीफे के बाद से ही शनिवार और रविवार को सत्तारूढ़ और विपक्ष अपनी नई रणनीतिक तैयारी में जुटे रहे। किस तरह सरकार को घेरना है और किस तरह जवाब देना है, इसके लिए विपक्ष ने जमकर तैयारी की है। विपक्ष इस घटनाक्रम को सरकार की जवाबदेही का मुद्दा बनाते हुए पेपर लीक प्रकरण और जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

पेपर लीक के खिलाफ पेश होगा नया बिल

केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

सरकार से जवाब-तलब करेगा विपक्ष

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के सांसद गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही तय करने की मांग उठाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के साथ पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। इसी मुद्दे को आधार बनाकर गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग किए जाने की संभावना है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग भी उठाई जा सकती है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार और रविवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अलग-अलग बैठकों में अपनी संसदीय रणनीति तैयार की। विपक्ष का प्रयास है कि पेपर लीक, बेरोजगारी और छात्रों के आंदोलन के मुद्दे को एक साथ जोड़कर सरकार पर दबाव बनाया जाए, जबकि सरकार इन आरोपों का जवाब देने और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने की रणनीति के साथ मैदान में उतर रही है। संसद के मानसून सत्र में सोमवार का दिन राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। दोनों पक्षों के तेवर देखते हुए, सदन में तीखी नोकझोंक, हंगामे और कार्यवाही बाधित होने की संभावना जताई जा रही है।

पीएम मोदी ने पिछले 4 दिन में इंस्टाग्राम पर तीसरा वीडियो मैसेज पोस्ट कर बोले...

पेपरलीक रोकने के लिए आज कठोर कानून लाएंगे

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार शाम इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। मोदी ने कहा- फ्रेंड्स स्टूडेंट के भविष्य के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। जिन लोगों ने स्टूडेंट के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। वे जेलों में सड़ रहे हैं। हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। हम कल संसद में कठोर सजा के साथ प्रावधान ला रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के बारे में भी सोचना है। हमारी परीक्षा सिस्टम विश्वस्त हो, इसमें सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो। नंदन नीलेकणी जी के नेतृत्व में एक हाईपावर टास्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। जो एग्जेमिनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा।

परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स बनाई

पीएम मोदी ने कहा कि हालांकि हमें भविष्य की ओर भी देखना होगा। हमारे एग्जामिनेशन सिस्टम को भरोसेमंद और ट्रांसपेरेंट होना चाहिए, और इसमें टेक्नोलॉजी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होना चाहिए। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए हमने दुनिया के जाने-माने टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट नंदन नीलेकणी की लीडरशिप में एक हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह टास्क फोर्स एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स पर फोकस करेगी, और इसकी रिपोर्ट के आधार पर आने वाले एग्जाम्स की क्रेडिबिलिटी को जल्द से जल्द पक्का करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

खास खबर

नाराज अर्जुन राय ने छोड़ा राजद

मुजफ्फरपुर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सीतामढ़ी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने साफ कर दिया कि वह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। उनके इस फैसले ने बिहार की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। रविवार को मुजफ्फरपुर के चांदनी चौक स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में अर्जुन राय ने अपने राजनीतिक भविष्य का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक राजद में रहने के बाद अब उन्हें महसूस हुआ कि पार्टी अपनी मूल विचारधारा और उन सिद्धांतों से दूर हो चुकी है, जिनके आधार पर लालू प्रसाद यादव ने इसे खड़ा किया था।

लता महिला आयोग की अध्यक्ष बनीं

नई दिल्ली। लता गुप्ता दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष बन गई हैं। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग की नई अध्यक्ष नियुक्त किया है। लता गुप्ता भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व निगम पार्षद रह चुकीं हैं। लता गुप्ता ने महिला सशक्तिकरण और जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जबकि श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरिका शर्मा झा और रेनू भल्ला को सदस्य नियुक्त किया गया है। बता दें कि दिल्ली महिला आयोग अध्यक्ष का पद जनवरी 2024 के बाद से खाली था। जनवरी 2024 में तत्काल दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल के राज्यसभा सांसद बनीं थी। उसके बाद से ही यह पद खाली था। करीब ढाई साल बाद दिल्ली महिला आयोग को नया अध्यक्ष मिला है।

अगस्त में 14 दिन बैंकों में काम नहीं

नई दिल्ली। अगले महीने यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। 8 अगस्त को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देशभर के बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त को महीने का चौथा शनिवार है, इस दिन भी देश के सभी बैंकों की छुट्टी रहेगी। आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

तेज प्रताप यादव 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में

पटना। बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को पटना की एक अदालत ने रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तेज प्रताप को नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक के विरोध में आयोजित बिहार बंद के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

तेज प्रताप यादव को नौबतपुर पुलिस स्टेशन से मजिस्ट्रेट की अदालत में लाया गया और आधी रात के कुछ समय बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। रिमांड आदेश के बाद उन्हें ब्युर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। उनके वकील जगन्नाथ सिंह ने कहा कि बचाव पक्ष को गिरफ्तारी ज्ञापन मिल चुका है और सोमवार को नियमित जमानत याचिका दायर की जाएगी। यह मामला शनिवार को बिहार बंद के दौरान गांधी मैदान क्षेत्र में हुई हिंसा से जुड़ा है। जहां विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और पुलिस के साथ झड़प में तब्दील हो गया।

राहुल गांधी का शाह से तीखा सवाल-

प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग का आदेश किसने दिया?

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन के दौरान कथित लाठीचार्ज और बल प्रयोग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने की मांग करते हुए पूछा है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र केवल निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा, कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का मूल अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उनकी शिकायतों का संवाद के माध्यम से समाधान करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान छात्रों पर अंधाधुंध लाठीचार्ज किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए। साथ ही उन्होंने दावा किया कि महिला प्रदर्शनकारियों के साथ भी दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आईं।

पत्र में राहुल गांधी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों का हवाला देते हुए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पेलेट गन के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने हरियाणा के 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब का उल्लेख करते हुए दावा किया कि वह पेलेट गन से घायल हुआ है और उसकी एक आंख की रोशनी प्रभावित होने का खतरा है। राहुल गांधी ने गृह मंत्री से पूछा कि क्या छात्रों के खिलाफ पेलेट गन समेत घातक बल प्रयोग की अनुमति केंद्र सरकार की ओर से दी गई थी? यदि नहीं, तो ऐसे आदेश किस स्तर पर जारी किए गए?

कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हुए पूछा कि प्रदर्शन के दौरान सादे कपड़ों में छात्रों पर लाठियां चलाते दिखाई देने वाले लोग कौन थे? उन्होंने जानना चाहा कि क्या वे पुलिसकर्मी थे या किसी अन्य एजेंसी अथवा स्वयंसेवक के सदस्य, और उनकी तैनाती किसके निर्देश पर की गई थी?

'लापरवाही बर्दाश्त नहीं', ओंकारेश्वर में मासूम की मौत पर सीएम मोहन का कड़ा रुख; विभागीय जांच के दिए आदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर में हुई सेप्टिक टैंक दुर्घटना पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना की जवाबदेही तय कर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संपूर्ण प्रकरण की विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में लापरवाही करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित किया जाये। विभागीय जाँच में दोषी पाये जाने वालों को बर्खास्त किया जायेगा। राज्य सरकार के लिये आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण नोडल अधिकारी, उपयंत्री श्री सुरेश चंद्र पाटीदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जिला प्रशासन और नगरपरिषद सभी आवश्यक सावधानियां बरतें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों पर गंदगी और सीवेज नहीं गिरे, इसके लिए हर संभव व्यवस्था करने के निर्देश जिला प्रशासन और नगरपरिषद को दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घाटों और खतरनाक स्थलों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और पुलिस/होमगार्ड की तैनाती आवश्यक रूप से की जाए। सभी सीवर चैंबर का सर्वे कर टूटे-फूटे ढक्कन तुरंत बदले जाएं और सभी तरह के मरम्मत कार्य तत्काल किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में सभी सावधानियां अपनाई जाएं। यह जिला प्रशासन का दायित्व है कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब मैदान में ई20 जनता पार्टी

कारों पर एक्सपेरिमेंट नहीं 100 प्रतिशत पेट्रोल चाहिए

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब सोशल मीडिया पर ई20 जनता पार्टी नाम से एक नया डिजिटल अभियान तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस अभियान की मुख्य मांग है कि देशभर के पेट्रोल पंपों पर ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के साथ-साथ 100 प्रतिशत शुद्ध पेट्रोल का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि उपभोक्ता अपनी जरूरत और वाहन की अनुकूलता के अनुसार ईंधन चुन सकें।

ई20 जनता पार्टी कोई राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर चल रहा एक कंज्यूमर राइट्स (उपभोक्ता अधिकार) अभियान है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म x पर बने इसके हैंडल के जरिए ईंधन नीति में पारदर्शिता, सही जानकारी और उपभोक्ताओं को विकल्प देने की मांग उठाई जा रही है। अभियान का कहना है कि जैसे अन्य उत्पादों में ग्राहकों को कई विकल्प मिलते हैं, वैसे ही पेट्रोल खरीदते समय भी उन्हें अपनी पसंद का ईंधन चुनने का अधिकार होना चाहिए।

ई20 जनता पार्टी की मुख्य मांगें हैं-देश के हर पेट्रोल पंप पर ई20 के साथ 100 प्रतिशत शुद्ध पेट्रोल भी उपलब्ध कराया जाए। सरकार ई20 पेट्रोल को बंद न करे, बल्कि उपभोक्ताओं को दोनों विकल्प दे। अलग-अलग ईंधनों की स्पष्ट लेबलिंग की जाए। माइलेज, इंजन पर असर, प्रदूषण और रखरखाव लागत से जुड़े स्वतंत्र शोध सार्वजनिक किए जाएं। ईंधन नीति और एथेनॉल मिश्रण से जुड़े सभी आंकड़े पारदर्शी तरीके से जारी किए जाएं।

अभियान की दलील

अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि कई वाहन मालिकों ने ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन और रखरखाव लागत को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि उपभोक्ताओं को पूरी जानकारी देकर फैसला लेने का अधिकार मिलना चाहिए, न कि केवल एक ही विकल्प दिया जाए।

कॉकरोच जनता पार्टी से समानता

ई20 जनता पार्टी की कार्यशैली काफी हद तक कॉकरोच जनता पार्टी जैसी दिखाई दे रही है। दोनों ही सोशल मीडिया, मीम्स और व्यंग्य के जरिए लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

-पंजाब में हमले की थी प्लानिंग, पुलिस ने की साजिश नाकाम

जालंधर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जालंधर से इस आतंकी को पकड़ा है, जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल विदेशों में बैठे अपने हैंडलर्स के इशारों पर काम कर रहा था। आरोपी के पास से 1.3 किलोग्राम हाई एक्सप्लोसिव से भरा एक आईईडी मिला है। आतंकी की अभी पहचान उजागर नहीं की गई है। पंजाब के डीजीपी के मुताबिक इस आईईडी में लोहे के छर्रे और बॉल बेयरिंग भी फिक्स किए गए थे। विस्फोटक की बनावट और मात्रा से यह साफ जाहिर होता है कि आतंकी पंजाब में हमले की साजिश रच रहे थे। समय रहते की गई कार्रवाई से राज्य की शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई है और दर्जनों निर्दोष लोगों की जानें बच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जालंधर देहात के थाना पतारा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और असलहा कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीजीपी ने कहा कि जांच का मुख्य उद्देश्य इस पूरे आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करना है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विदेशों में बैठे कौन से हैंडलर्स इस साजिश के पीछे थे?

कुछ ना कहना

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच होगी नए सिरे से

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद बनी नई एसआईटी, किरण एस को कमान, अयोध्या डीआईजी भी शामिल

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी और गबन की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का पुनर्गठन किया है। नई एसआईटी में तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। नई एसआईटी का नेतृत्व आईजी किरण एस। करेंगी। उनके साथ अयोध्या के डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को सदस्य बनाया गया है। इससे पहले गठित एसआईटी में लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत और स्पेशल सेक्रेटरी (वित्त) नील रतन कुमार समेत अन्य अधिकारी शामिल थे।

आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह आदेश दिया था। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी। मोहन भी शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

एसआईटी का पुनर्गठन सुप्रीम कोर्ट के 13 जुलाई के आदेश के बाद किया गया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को वरिष्ठ

राज्य सरकार ने एसआईटी का पुनर्गठन किया

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 27 जुलाई को मामले की जांच से जुड़ी स्थिति रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने एसआईटी का पुनर्गठन किया। सूत्रों के मुताबिक नई टीम ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

पिछली एसआईटी ने की गहन जांच

यह मामला श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन से संबंधित है। इस मामले में जांच कर रही पिछली एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, दान रजिस्टर, कैश संभालने की प्रक्रियाओं और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच की। इस दौरान एसआईटी ने मंदिर के कई कर्मचारियों से पूछताछ की और एक प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी जिसमें मंदिर के चढ़ावे की गिनती और जमा करने में गड़बड़ियों की ओर इशारा किया गया था।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का पहला स्वर्ण पदक

ग्लसगो। मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48 किलो वेटलिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में 190 किलो (85 किलो स्नैच + 105 किलो क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया।

भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 किलो में 264 किलो (121+143) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था। भारत अब मेडल टैली तालिका में संयुक्त रूप से ... पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है। नीट पेपर लीक मामले में छात्रों का प्रदर्शन खत्म होने के एक दिन बाद पीएम मोदी ने परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स का गठन किया। टीम में छह मेंबर्स हैं। इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी इसके अध्यक्ष होंगे।

सिद्धारमैया नहीं लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के केआर पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है। सिद्धारमैया ने कहा कि मैं अब 79 साल का हो चुका हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी। मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही। अब पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है। सिद्धारमैया का यह बयान उनके सीएम पद छोड़ने के दो महीने बाद आया है।

दतिया उपचुनाव-भाजपा-कांग्रेस के दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

संगठन और बूथ मैनेजमेंट की होगी असली परीक्षा

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव 2026 अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका है। 30 जुलाई को होने वाले मतदान में दोनों दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा ने बूथ से लेकर शक्ति केंद्र तक मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की तैनाती की है, वहीं कांग्रेस भी संगठन और जातीय समीकरणों के सहारे सीट बचाने की रणनीति पर काम कर रही है। यह उपचुनाव कई बड़े नेताओं की राजनीतिक साख की भी परीक्षा माना जा रहा है। उपचुनावों में अक्सर स्थानीय संगठन और बूथ प्रबंधन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भाजपा ने चुनाव कार्यालय, मीडिया सेंटर और बूथ स्तर तक व्यापक तैयारी की है। दूसरी ओर कांग्रेस भी स्थानीय नेटवर्क और वरिष्ठ नेताओं के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचने में जुटी हुई है। मतदान वाले दिन किस दल का संगठन अधिक प्रभावी साबित होता है, यह परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह तथा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित कई मंत्री, सांसद और संगठन पदाधिकारी दतिया में सक्रिय हैं। पार्टी ने बूथ और शक्ति केंद्र स्तर तक जिम्मेदारियां तय कर दी हैं। विभिन्न समाजों के नेताओं को जातीय समीकरण साधने और प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

नरोत्तम मिश्रा और हेमंत खंडेलवाल की अग्निपरीक्षा

भाजपा ने इस बार दतिया से लंबे समय तक प्रतिनिधित्व करने वाले नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं दिया। इसके बावजूद वे पूरी सक्रियता के साथ आशुतोष तिवारी के लिए प्रचार कर रहे हैं। यदि भाजपा जीतती है तो इसे नरोत्तम मिश्रा की संगठनात्मक पकड़ और प्रभाव का प्रमाण माना जाएगा, जबकि हार की स्थिति में टिकट परिवर्तन के फैसले पर सवाल उठ सकते हैं। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल के सामने यह पहला उपचुनाव है। बूथ प्रबंधन, संगठन की सक्रियता और चुनावी रणनीति की सफलता या विफलता का सीधा असर उनके नेतृत्व की छवि पर भी पड़ेगा।

कांग्रेस के सामने सीट बचाने की चुनौती

यह उपचुनाव कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त होने के बाद हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस सीट को अपने कब्जे में बनाए रखने की है। पार्टी ने पूरे संगठन को मैदान में उतार दिया है और जातीय समीकरणों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। यदि कांग्रेस सीट बचाने में सफल रहती है तो इसे भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जाएगा। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व पर उठ रहे सवालों को भी विराम मिल सकता है।

स्थानीय मुद्दे बनाम राजनीतिक प्रतिष्ठा

दतिया में सडक़, पेयजल, रोजगार, किसानों की समस्याएं और स्थानीय विकास जैसे मुद्दे मौजूद हैं, लेकिन चुनाव प्रचार में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने इसे प्रतिष्ठा की लड़ाई बना दिया है। अब देखना होगा कि मतदाता स्थानीय विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं या फिर राजनीतिक संदेश देने के उद्देश्य से मतदान करते हैं। भाजपा प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी का कहना है कि दतिया की जनता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हुए विकास और सुशासन पर भरोसा जताएगी। उनके अनुसार जनता को विकास करने वाली सरकार और जनप्रतिनिधि चाहिए। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया का कहना है कि दतिया की जनता अहंकार और दमनकारी राजनीति का जवाब देगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की नीतियों से उसके अपने कार्यकर्ता भी नाराज हैं और कांग्रेस स्थानीय मुद्दों तथा जनता के विश्वास के आधार पर सीट बरकरार रखेगी।

बगावत और वोटों का समीकरण

भाजपा में टिकट वितरण के बाद असंतोष खुलकर सामने आया था, जबकि कांग्रेस भी स्थानीय समीकरण साधने में जुटी रही। इसके अलावा निर्दलीय और अन्य उम्मीदवार भी कुछ क्षेत्रों में वोटों का गणित प्रभावित कर सकते हैं। यदि मुकाबला कांटे का हुआ तो कुछ हजार वोट भी परिणाम बदल सकते हैं। पिछले चार विधानसभा चुनावों के नतीजे बताते हैं कि दतिया में जीत का अंतर लगातार बदलता रहा है। कभी 12 हजार से अधिक वोटों का अंतर रहा तो कभी मुकाबला ढाई हजार वोट तक सिमट गया। 2023 में कांग्रेस की जीत का अंतर भी 7,792 वोट रहा। इसी वजह से राजनीतिक दलों का मानना है कि यदि लगभग 10 हजार मतदाताओं का रुझान बदलता है तो पूरा चुनावी परिणाम पलट सकता है। यही कारण है कि दोनों दल बूथ स्तर तक मतदाताओं को साधने में जुटे हैं।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत टिंगीपुर में हुआ वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री के आह्वान पर संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड बिरसा के सेक्टर-04 द्वारा स्वैच्छिकता पर्व के अवसर पर ग्राम टिंगीपुर स्थित छोटा डोंगरगढ़ मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम

आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीणों, श्रद्धालुओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान गुलमोहर, जामुन एवं करंज के पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लेते हुए माँ के नाम एक पेड़ लगाने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पर्यावरण देने की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में जिला समन्वयक महेश पटले, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती स्वर्णलता चोपड़ा, ग्राम सरपंच प्रेमसिंह मरकाम, नवांकुर प्रमुख समर मराठे, विवेकानंद मराठे, श्याम सिंह मेरावी, दीपक पंद्रे, हिरन पंद्रे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों के उत्साहपूर्ण सहयोग से आयोजित यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बना।

बीयू के कोर्स से विद्यार्थियों का मन उचटा, 41 कोर्स और एक भी छात्र का आवेदन नहीं

14 पाठ्यक्रमों में केवल एक से दो विद्यार्थियों ने लिया दाखिला

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) में इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया छात्रों की कम रुचि के कारण फीकी नजर आ रही है। पहली बार उच्च शिक्षा विभाग के केंद्रीकृत ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से 1,640 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया संचालित की गई, लेकिन अब तक 41 पाठ्यक्रम ऐसे हैं जिनमें एक भी छात्र ने दाखिला नहीं लिया है। वहीं 14 कोर्सों में केवल एक या दो विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया है। सामान्य स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है।

प्रापत जानकारी अनुसार इस वर्ष पहली बार बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा विभाग की केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली से जोड़ा गया है। इसके तहत 60 प्रतिशत सीटों पर मेरिट के आधार पर तथा 40 प्रतिशत सीटों पर कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) के माध्यम से प्रवेश दिए जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुए लगभग दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन यूटीडी के स्नातक पाठ्यक्रमों में अब तक केवल 296 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में महज 43 विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया है।

सबसे अधिक चिंता उन 41 पाठ्यक्रमों को लेकर है, जहां अब तक एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया। इनमें एमएससी डेयरी टेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी फिजिक्स, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमएससी जियोग्राफी, एमएसडब्ल्यू (सोशल वर्क), एमए योग, एमए हिन्दी तथा बीए पॉलिटिकल साइंस जैसे कई प्रमुख पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा 14 पाठ्यक्रम ऐसे हैं, जहां केवल एक या दो छात्रों ने ही दाखिला लिया है। इनमें एमए अंग्रेजी, एमएससी बॉटनी, एमएससी केमिस्ट्री, बीए एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी बायोसाइंस और अन्य विषय शामिल हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि प्रवेश की अंतिम तिथि तक छात्रों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। सीएलसी के आगामी चरणों में भी सीटें भरने का प्रयास किया जाएगा। इधर, उच्च शिक्षा विभाग ने बीएड सहित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से संबद्ध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को अंतिम अवसर दिया है। विभाग के अनुसार 24 से 27 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन, 28 जुलाई तक दस्तावेज सत्यापन, 31 जुलाई को सीट आवंटन तथा 3 अगस्त तक शुल्क जमा कर प्रवेश लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में अब तक एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 46,652 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पारंपरिक विषयों में घटती रुचि, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की बढ़ती मांग और निजी संस्थानों की ओर छात्रों का रुझान बीयू के कई पाठ्यक्रमों में कम प्रवेश का प्रमुख कारण हो सकता है।

100 एकड़ जमीन लाओ और भू-उपयोग बदलवाओ

भोपाल-इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया पर अमल के लिए महानगर क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम लागू

भोपाल। शासन ने मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025 को लागू कर दिया है। नगरीय विकास और आवास विभाग ने इस आशय का गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। अभी जो भोपाल-इंदौर मेट्रो पॉलिटन एरिया घोषित किया गया उसके चलते यह अधिनियम महत्वपूर्ण है और इसी के तहत मेट्रोपॉलिटन एरिया में काम होगा। 15 पदेन सदस्य इस समिति में रहेंगे, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री द्वारा की जाएगी और इसके अलावा 30 सदस्य नगरीय पालिकाओं के निर्वाचित और पंचायतों के अध्यक्षों में से जनसंख्या के अनुपात में निर्वाचित किए जाएंगे। इस अधिनियम के तहत भू-उपयोग परिवर्तन के साथ टीपीएस योजनाएं घोषित करने के भी अधिकार इस समिति के पास रहेंगे और 100 एकड़ जमीन अगर एकमुश्त है तो उसके आधार पर भू-उपयोग परिवर्तन मास्टर प्लान में करवाया जा सकेगा। वर्तमान में इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया में आधा दर्जन जिलों की 16 हजार वर्ग किलोमीटर जमीन शामिल की गई है। हालांकि इन शहरों का मास्टर प्लान अलग से नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा बनाया जाएगा और तय किए गए निवेश क्षेत्र के बाहर यह अथॉरिटी काम करेगी।

बीते कई समय से मेट्रो पॉलिटन एरिया पर कवायद चल रही है। भोपाल के साथ इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन को सबसे पहले अमल में लाया जा रहा है। इसके लिए शासन ने मध्यप्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम भी गजट नोटिफिकेशन के जरिए लागू कर दिया है। इसमें मुख्यमंत्री अध्यक्ष और विभागीय मंत्री के साथ पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री भी बतौर उपाध्यक्ष रहेंगे। राजस्व विभाग के मंत्री भी इसमें उपाध्यक्ष के रूप में होंगे। मुख्य सचिव के अलावा भार साधक सचिव भी कई विभागों के रहेंगे, जिसमें पर्यटन, पर्यावरण, परिवहन, लोक निर्माण के साथ नगरीय विकास, पंचायत और ग्रामीण, लोक स्वास्थ्य, औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन के अलावा महानगर आयुक्त के सदस्य सचिव होंगे। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सचिव स्तर के रहेंगे।

निवेश क्षेत्र के बाहर योजनाएं घोषित की जा सकेगी

प्राधिकरण की तर्ज पर मेट्रो पॉलिटन रीजन द्वारा भी निवेश क्षेत्र के बाहर योजनाएं घोषित की जा सकेगी। उदाहरण के लिए भोपाल के आगामी मास्टर प्लान में जो गांव शामिल किए गए हैं, उनको छोडक़र यह अथॉरिटी प्लानिंग कर सकेगी। महानगर नियोजन समिति में जो 30 सदस्य शामिल रहेंगे उसका बकायदा निर्वाचन होगा और उसकी भी पूरी प्रक्रियाइस गजट नोटिफिकेशन के साथ तय की गई है। इसके साथ ही अधिनियम की धारा 16 के तहत भी जो समिति गठित होगी उसमें नगर तथा ग्राम निवेश के प्रतिनिधि के अलावा पर्यावरण, वित्त योजना व अन्य सदस्य शामिल रहेंगे। इसके साथ ही एक एकीकृत महानगर परिवहन प्राधिकरण का भी गठन होगा, जो कि यातायात और लोक परिवहन से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार करेगी। इसमें अध्यक्ष मुख्य सचिव रहेंगे और नगरीय विकास, परिवहन और लोक निर्माण विभाग के भार साधक सचिव बतौर सदस्य तथा आयुक्त निगम के अलावा संचालक नगर तथा ग्राम निवेश सहित पुलिस आयुक्त महाप्रबंधक रेलवे झोन और नगरीय परिवहन के दो विशेषज्ञ प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सडक़ परिवहन निगम भी मौजूद होंगे।

महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा विकास योजनाएं भी तैयार की जा सकेगी और इनमें जो उपलब्ध सम्पत्तियां रहेंगी उसके निपटान के लिए भी दो तरह की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। इसमें सीलबंद लिफाफे में ऑनलाइन बोली आमंत्रित करने या पूर्व निर्धारित मूल्य पर लॉटरी के जरिए सम्पत्तियों का निपटान होगा। महानगर आयुक्त द्वारा वार्षिक बजट बनाने के साथ समय-समय पर बैठक भी बुलाई जाएगी और वित्त वर्ष की समाप्ति से दो महीने के भीतर शासन को वार्षिक प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करना पड़ेगा, जिसमें निष्पादन के अधीन योजनाएं, अर्जित सम्पत्तियों का ब्योरा, भूमि के विकास से संबंधित प्रोजेक्ट, यातायात परिवहन, नवीन योजनाएं बनाने के लिए वित्तीय व्यवस्था से जुड़े लिए गए निर्णय सहित अन्य जानकारी रखना होगी। मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी को कई तरह की शक्तियां भी दी गई है, जिसमें भू-उपयोग परिवहन भी करवाया जा सकेगा, लेकिन इसके लिए न्यूनतम 40 हेक्टेयर यानी लगभग 100 एकड़ जमीन होना अनिवार्य रहेगा। भू-उपयोग बदलवाने से जुड़ी सूचना पर दावे-आपत्तियां आमंत्रित किए जाएंगे और शहरी विकास योजना यानी टीपीएस को लागू करने की शक्ति भी मिलेगी। कुल मिलाकर 45 सदस्यीय समिति मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी के अधीन काम करेगी और इस गजट नोटिफिकेशन के बाद अब शासन इस समिति के गठन सहित अन्य प्रक्रियाशुरू करेगा। इसके सदस्यों को हटाए जाने या उनके खिलाफ कार्रवाई से जुड़ी प्रक्रिया भी तय कर दी गई है।

बारिश की कमी होगी दूर, एमपी में सक्रिय हुए दो मौसमी तंत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में अतिभारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में चार इंच या उससे अधिक वर्षा हो सकती है। वहीं राजधानी भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर समेत अधिकांश जिलों में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश का दौर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले चार दिन तक कई जिलों में तेज बारिश की स्थिति बनी रहेगी। इसकी वजह मानसून द्रोणिका, सक्रिय पवन कतरन क्षेत्र और प्रदेश के पूर्वी व पश्चिमी हिस्सों में बने निम्न दाब क्षेत्रों का प्रभाव है। इन्हीं मौसमी प्रणालियों के चलते प्रदेश में लगातार वर्षा की गतिविधियां बनी हुई हैं। पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश से प्रदेश में वर्षा की कमी पहले के मुकाबले कुछ कम हुई है। 20 जुलाई तक जहां प्रदेश में सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी, वहीं बाद के दिनों में यह अंतर घटकर करीब 11 प्रतिशत रह गया है। हालांकि अभी भी प्रदेश औसत वर्षा से पीछे चल रहा है। अब तक प्रदेश में करीब 13 इंच (330.4 मिलीमीटर) बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस समय तक 14.6 इंच (370.9 मिलीमीटर) वर्षा हो जानी चाहिए थी। पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से 15 प्रतिशत और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 8 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि जून में कमजोर मानसून के बाद जुलाई की शुरुआत में अच्छी बारिश हुई थी, लेकिन बीच में कई दिनों तक तेज वर्षा नहीं होने से बारिश का कुल आंकड़ा फिर सामान्य से नीचे चला गया। प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 37.3 इंच मानी जाती है, जिसमें जुलाई का योगदान सबसे अधिक रहता है। ऐसे में आने वाले कुछ दिन मानसून के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे हैं।

दतिया उपचुनाव- वोटिंग में किसी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने की कवायद

भोपाल। मध्य प्रदेश के दतिया में आगामी उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने कमर कस ली है। पार्टी ने फैसला किया है कि मतदान के दिन दिग्गज नेता दतिया बॉर्डर पर तैनात रहेंगे। वोटिंग में किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका के चलते कांग्रेस ने यह फैसला किया है।

कांग्रेस के नेता दतिया विधानसभा के चारों तरफ तैनात रहेंगे। नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। दतिया से सटे डबरा वाले इलाके में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री लाखन सिंह, जसवीर गुर्जर तैनात रहेंगे। वहीं भंडार वाले इलाके में भांडे दतिया से सटे भंडार में पूर्ण नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, विधायक फूल सिंह बरैया को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यूपी के नेता भी रहेंगे तैनात

सेवढ़ा के दतिया वाले बॉर्डर पर, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे,भिंड जिला अध्यक्ष, राहुल भदौरिया जिम्मेदारी संभालेंगे। दतिया के सटे दिनारा में जयवर्धन सिंह, केपी सिंह तैनात रहेंगे। दतिया के झांसी बॉर्डर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस और समाजवादी के नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

न्यायालय तहसीलदार लाँजी, जिला बालाघाट (म0प्र0)

ईस्तहार

रा0प्र0क0 / /अ-20(3)/वर्ष 20

मौजा- लॉजी प0ह0 नं. 19/60 रा0नि0म0 लॉजी तहसील-लांजी जिला बालाघाट (म0प्र0)

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं, कि समस्त सेन (नाई) समाज ब्लाक लॉजी द्वारा ग्राम लॉजी स्थित भूमि ख.न. 619/1 रकबा 0.846 हेक्ट. भूमि में से 30म30 वर्गमीटर. भूमि पर संत सेन समाज मंदिर निर्माण किये जाने हेतु भूमि आबंटन किये जाने के तहत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है ।

अतः उपरोक्त आवेदन पत्र के सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हैं तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक - 20/7/2026

तहसीलदार
लांजी बालाघाट (म. प्र.)

एमपी में वेस्ट टू एनर्जी की दिशा में कृषि विवि की पहल

भोपाल। घरों से निकलने वाला कचरा अब सिर्फ डस्टबिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यही कचरा स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा स्रोत बनेगा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ने जैविक कचरे के वैज्ञानिक उपयोग की दिशा में पहल करते हुए वेस्ट टू एनर्जी मॉडल विकसित करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के तहत किचन वेस्ट और गोबर से बायोगैस तैयार की जाएगी, जिसका उपयोग रसोई गैस के रूप में किया जाएगा।

विश्वविद्यालय यह परियोजना सावित्री रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से शुरू कर रहा है। इसकी शुरुआत इंदौर स्थित कृषि महाविद्यालय परिसर में प्लांट स्थापना के साथ हो चुकी है। यहां उत्पादित गैस को सीधे छात्रावास की रसोई तक पहुंचाया जाएगा। इंदौर में सफलता मिलने के बाद ग्वालियर स्थित कृषि विश्वविद्यालय परिसर में भी इसी प्रकार का प्लांट स्थापित किया जाएगा।

रसोई का गीला कचरा बनेगा ऊर्जा का स्रोत

इस प्लांट में घरों से निकलने वाले जैविक कचरे का उपयोग किया जाएगा। भोजन के अवशेष, सब्जियों और फलों के छिलके सहित अन्य गीले कचरे को वैज्ञानिक प्रक्रिया से बायोगैस में बदला जाएगा। गैस उत्पादन में गोबर का भी उपयोग होगा, जिससे ऊर्जा के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद भी तैयार होगी। इससे कचरे के निस्तारण की समस्या कम होगी और जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

सफल रहा मॉडल तो शहरों में भी होगा विस्तार

विश्वविद्यालय का मानना है कि यह मॉडल केवल परिसर तक सीमित नहीं रहेगा। यदि परियोजना सफल रहती है तो बड़े आवासीय परिसरों, होटल, छात्रावास, कैंटीन और अन्य संस्थानों में भी किचन वेस्ट से गैस उत्पादन की व्यवस्था विकसित की जा सकेगी। इससे नगर निकायों पर कचरा प्रबंधन का बोझ कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के नए विकल्प भी तैयार होंगे।

शोध और पर्यावरण संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

इस परियोजना से छात्रों और शोधार्थियों को वेस्ट मैनेजमेंट एवं अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में व्यावहारिक अध्ययन का अवसर मिलेगा। साथ ही जैविक कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन होने से प्रदूषण में कमी आएगी और कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा।

आवश्यकता है

श्री फाइनेंस में कर्मचारियों की कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है, वेतनमान योग्यतानुसार, वारासिवनी के आसपास वाले ही संपर्क करें

-संपर्क सूत्र-
श्री फाइनेंस वारासिवनी
मो.नं. 9329595770

आवश्यकता है

ऐश्वर्य कम्पयुटर में
कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
टैली टीचर्स - 02 पद
स्टेनो टीचर्स - 02 पद
ऑफिस कार्य - 02 पद
इच्छुक युवक-युवती सम्पूर्ण बॉयोडाटा इंस्टीट्यूट में जमा कर सकते हैं।
वेतन-योग्यतानुसार
पता-ऐश्वर्य कम्प्युटर
पानी टंकी के पास, पुराना रोजगार कार्यालय के सामने, बूढ़ी, बालाघाट (म.प्र.)
7691909255, 9424663575

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अंधविश्वास से बढ़ा बैगा अंचल पर बीमारी का साया..!

3 मासूमों की मौत के बाद हड़कंप, हर घर में बुखार के मरीज, सरकारी दवाई से ज्यादा झाड़फूंक में विश्वास कर रहे ग्रामीण, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट,प्रभावित उपचार कराने में कर रहे आनाकानी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बैहर विकासखंड की अडोरी पंचायत के बैगा आदिवासी गांव बोनदारी, कोहनीमोर और कुंडेकसा इन दिनों संक्रमणजनित बीमारियों की चपेट में हैं। घने जंगलों के बीच बसे इन गांवों में बीमारी ने ऐसा कहर बरपाया है कि हर घर में कोई न कोई बुखार से पीड़ित मिल रहा है। सबसे दर्दनाक बात यह है कि कोहनीमोर गांव में दो सगे भाई-बहन और कुंडेकसा में एक मासूम बच्ची की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में भय और शोक का माहौल है। इन मासूमों की मौत ने ग्रामीणों के साथ-साथ प्रशासन को भी झकझोर दिया है। बारिश के मौसम में फैली इस बीमारी ने सबसे अधिक छोटे बच्चों को अपनी गिरफ्त में लिया है। गांवों में कई बच्चे तेज बुखार, सर्दी, खांसी और कमजोरी से जूझ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में कई मरीजों में मलेरिया जैसे लक्षण भी पाए गए हैं। लगातार बढ़ते मरीजों की संख्या ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार प्रभावित गांवों में पहुंचकर मरीजों की जांच, दवा वितरण और घर-घर सर्वे का कार्य कर रही हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीणों का स्वास्थ्य सेवाओं पर घटता भरोसा बन गया है।

जागरूकता की कमी, झाड़ फूक पर ज्यादा भरोसा

बैगा समुदाय के अनेक परिवार आज भी बीमारी का इलाज अस्पताल के बजाय पारंपरिक झाड़-फूंक और स्थानीय बैगा वैद्यों से कराने में विश्वास रखते हैं। उनका मानना है कि यही तरीका उन्हें जल्दी राहत देता है। इसी कारण कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है।

स्वास्थ विभाग ने संभाला मोर्चा

इधर, स्वास्थ्य विभाग लगातार ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहा है कि बुखार, मलेरिया और अन्य संक्रमणजनित बीमारियों का समय पर चिकित्सकीय उपचार ही जीवन बचा सकता है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य टीम से संपर्क करें और झाड़-फूंक के भरोसे इलाज में देरी न करें।

पंचायत ने शुरू किया विशेष अभियान

उधर, हालात की गंभीरता को देखते हुए अडोरी पंचायत ने भी मोर्चा संभाल लिया है। गांवों में विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। नालियों की सफाई, जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर उन्हें साफ कराया जा रहा है, ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने भी पेयजल स्त्रोतों को सुरक्षित बनाने के लिए सभी हैंडपंपों में क्लोरीनीकरण का कार्य तेज कर दिया है, जिससे दूषित पानी से फैलने वाली बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके।

डॉ के पास जाएंगे तो मर जाएंगे, पंडा पुजारी करते है उपचार-ग्रामीण

ग्रामीण संतराम मरकाम और महिला सतिया बाई ने बताया कि बच्चे बीमार होने पर पंडा पुजारी जल्दी से ठीक कर देते हैं,हमारे घर में बीमार बच्चे हैं यदि बीमार होने पर पंडा पुजारी के पास जाओ तो जल्दी आराम लग जाता है, गांव में बच्चों की मौत हो गई है डॉक्टर के पास जाओ तो मौत हो सकती है इसीलिए हम डॉक्टर के पास न जाते हुए पंडा पुजारी से इलाज कर लेते हैं।

डायरिया, टाइफाइड व मलेरिया के आ रहे मरीज- डॉ अजय

स्थानीय चिकित्सक डॉ अजय ने बताया कि इन गांवो में फिलहाल डायरिया टायफाइड और मलेरिया से संबंधित मरीज आ रहे हैं, तीन बच्चों की मौत जो हुई थी वह ग्रामीणों की अज्ञानता और अंधविश्वास के कारण हुई थी, ग्रामीणों ने झा ?फूंक के चक्कर में उनका इलाज नहीं कराया, यदि समय पर सही उपचार मिल जाता तो आज बच्चे स्वस्थ रहते, हम और हमारी पूरी टीम बीमारी की रोकथाम में लगी हुई है।

ग्रामीण पंडा पुजारी पर कर रहे विश्वास- परेश उपलप

वहीं मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला चिकित्सा एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि जिन बच्चों की मौत हुई है वह ग्रामीणों की अज्ञानता के कारण हुई है, बच्चे बीमार हुए तो उन्होंने इसकी सूचना चिकित्सकों को नहीं दी यदि समय पर उपचार मिल जाता तो उन बच्चों की जान बच जाती, जनजागृति के लिए हमारी मलेरिया टीम काम कर रही है, एएनएम व आशा को घर-घर भेज कर लोगों से बीमारी की जानकारी एकत्रित की जा रही है। उन्होंने बताया कि स्थानीय गांव के लोग अस्पताल जाने को तैयार नहीं है वे लोग पंडा पुजारी में ज्यादा विश्वास कर रहे हैं, जिन्हें जागरूक कर उनके स्वास्थ्य की जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय पंवार क्षत्रीय महासभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक संपन्न

बैठक से पूर्व जिला पंवार समाज ने किए विविध कार्यक्रम, समाज के विकास और संगठन विस्तार पर हुई विस्तृत चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय पंवार क्षत्रीय महासभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक रविवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न जगहों से आए पदाधिकारियों एवं समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता तथा समाज के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।बैठक के पूर्व जिला पंवार समाज द्वारा अतिथियों के स्वागत में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया गया तथा समाज की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले आयोजन भी हुए। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में शिक्षा, युवाओं को रोजगार से जोड़ने, समाज के आर्थिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता तथा संगठन के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और नई पीढ़ी को समाज की गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष बल दिया।बैठक के अंत में समाजहित में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति बनी तथा सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने समाज के विकास एवं संगठन को अधिक मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

बैठक के पूर्व विविध सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।स्थानीय सर्किट हाउस में जिला संगठन पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद पदाधिकारियों ने मोती तालाब परिसर स्थित चक्रवर्ती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा का पूजन एवं माल्यार्पण किया। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष,जिला अध्यक्ष, जिला महिला अध्यक्ष एवं जिला युवा अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान दानवीर रामा बापू लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जयघोष के साथ नमन किया गया। साथ ही भगवान सहस्त्रबाहु जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया।बैठक स्थल के समीप राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष ने नर्मदा नगर स्थित चमत्कारी शिव मंदिर में भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना कर समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।स्थानीय वार्ड 32 मांदी समिति द्वारा मंगल भवन पहुंचने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल चौधरी, जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन एवं समाजजनों का भव्य स्वागत-अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर जिला संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

समाज विकास के मुद्दे पर हुई अहम चर्चा

बैठक प्रातः 11 बजे से शुरू हुई जो देर शाम तक चलती रही। बैठक में पंवार समाज के पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियो के साथ ही देश भर से आए राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। समाज के विकास को लेकर विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए, जिसमें मुख्यत राष्ट्रीय स्तर के कार्यालय के निर्माण, शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा क्षेत्र में जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहयोग, चिकित्सा और इलाज हेतु जरूरतमंद सामाजिक बंधुओं को सहयोग एवं अन्य प्रस्ताव पारित किए गए।

बे-लगाम सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी

दुर्घटनाओं के दे रहे न्योता, आए दिनों हो रहे सड़क हादसे, नजर ही नही आ रही नपा की हाका गैंग, अधिकारी बोले कल से शुरू करेंगे कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर में इन दिनों आवारा पशुओं की संख्या में भारी इजाफा देखा जा रहा है बीच सड़क पर खड़े होकर सब का रास्ता रोक देना पशुओं के लिए आज आम बात हो गई है,चाहे दिन हो या रात यह आवारा मवेशी अक्सर सड़कों पर खड़े ही नजर आते हैं। आप चाहे शहर के किसी भी मार्ग पर चले जाइए आपको आवारा पशुओं का झुंड सड़कों के बीचो बीच बैठा नजर आ ही जाएंगा। शहर में बेखौफ होकर घूम रहे आवारा मवेशी जहां एक ओर यातायात व्यवस्था पर खासा असर डाल रहे हैं तो वहीं यमदूत बनकर दुर्घटनाओं को न्यौता देते भी नजर आ रहे हैं।आप शहर के विभिन्न मार्गो में आवारा पशुओं के झुंड को धमाचौकड़ी कर तांडव मचाते देख सकते हैं।यह आवारा पशु आवागमन करने वाले राहगीरों के लिए मुसीबत बन गए हैं। शहर में पिछले कई वर्षो से काँजीहौस नहीं है वहीं नगर पालिका की हाका गैंग भी नजर नहीं आ रही है, किसी की रोक टोक न होने और कोई भी कार्यवाही ना होने के चलते पशु मालिक इस बात का फायदा उठाकर अपने मवेशियों को आवारा सड़को पर छोड़ रहे हैं। वही पशु मालिकों पर कार्रवाई ना होने का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

मानव के साथ साथ स्वयं भी हो रहे दुर्घटना के शिकार

नगरीय क्षेत्र की सड़कों पर विचरण करते आवारा मवेशी न सिर्फ स्वयं की जान के दुश्मन बने हुए बल्कि इनसे मानव जीवन पर भी प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि नगर पालिका प्रबंधन इन आवारा मवेशियों पर नकेल कसने की बात लगातार कहता नजर आता है, लेकिन नपा की ये कोशिश नाकाफी ही साबित हो रही है और सड़कों पर झुंड में बैठे या फिर विचरण कर रहे ये मवेशी सड़क दुर्घटनाओं को आमत्रंण दे रहे है।

इन मार्गों को मवेशियों ने बनाया अपना अड्डा

वैसे तो शहर के सभी मार्गो में आप इन आवारा मवेशियों को आराम फरमाते देख सकते हैं लेकिन शहर के बाईपास, शहर के बस स्टैंड, काली पुतली चौक, मेन रोड ,गुजरी बाजार,जय स्तंभ चौक, अंबेडकर चौक अस्पताल रोड, भटेरा चौकी, बूढ़ी मार्ग, वारासिवनी रोड, हनुमान चौक ,सब्जी मंडी ,सरेखा बाई पास, व गोंदिया रोड सहित अन्य चौक चौराहों व मार्गों पर इन दिनों आवारा मवेशियों का झुंड यातायात व्यवस्था को बाधित करता नजर अक्सर नजर आ जाता है।जिससे राहगीर काफी परेशान हैं।

यातायात व्यवस्था पर पढड़ रहा व्यापक असर

आवारा पशुओं के जमघट के कारण शहर के विभिन्न चौक चौराहों व अन्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है यह आवारा मवेशी जहां ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की फसल को बर्बाद कर रहे हैं तो वहीं बीच सड़क में आराम फरमाने के कारण यातायात पर बुरा असर पड़ रहा है राहगीरों द्वारा भगाने पर भी मवेशी अपनी जगह से टस से मस नहीं होते।

दुर्घटनाओं की बढ़ी आशंका

यू तो इन आवारा पशुओं ने सड़को को ही अपना ठिकाना बना रखा है लेकिन पशुओं के इन ठिकानो में वाहन चालकों की मुसीबत काफी बढ़ा दी है कई जगह आवारा पशु वाहन के एकाएक सामने आ जाते हैं इस कारण वाहन चालकों अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है।

धमाचौकड़ी कर मचा रहे तांडव

बेखौफ आवारा मवेशी सड़कों पर झूड बना कर घूम रहे हैं जो बीच सड़क में कभी भी लड़ाई कर तांडव मचाते नजर आ रहे हैं जिसके चलते आम नागरिकों को वाहन चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दुर्घटना होने की आशंका भी काफी बढ़ गई है।

कहां गई हाका गैंग

आपको बताए कि नगर में कांजी हाउस की व्यवस्था नहीं है चाह कर भी लोग इन आवारा मवेशियों से छुटकारा नहीं पा रहे हैं वहीं नगर पालिका द्वारा आवारा मवेशियों को खदेडने के लिए हाका गैंग बनाई गई थी जो आवारा मवेशियों को सड़कों से खदेड़ने और उन्हें गौशाला तक पहुंचाने का कार्य करती थी। लेकिन नगरपालिका की हाका गैंग भी अब नजर नहीं आ रही है। जिसका खामियाजा राह चलने वाले राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

कल से शुरू करेंगे कार्यवाही- सूर्य प्रकाश उइके

इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उईके ने बताया कि नगर पालिका की हांका गैंग को तैयार कर लिया गया है। कल से नगर में गैंग के सदस्य स ?क पर उतरकर आवारा मवेशियों को पकड़ने की काम करेंगे।नगर में काँजीहौस नही है इसलिए आवारा मवेशियों को पकड़कर वारासिवनी की गौशाला पहुंचाया जाएगा। यह कार्यवाही सोमवार सुबह से ही शुरू कर दी जाएगी।

कड़ी मेहनत रंग लाई- शासकीय आईटीआई बालाघाट के चार प्रशिक्षणार्थी बने प्रशिक्षण अधिकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बालाघाट के लिए गर्व का विषय है कि संस्थान के चार प्रशिक्षणार्थियों का चयन मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण अधिकारी (Training Officer) भर्ती परीक्षा के माध्यम से हुआ है। साधारण परिवारों के इन अभ्यर्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रशिक्षण अधिकारियों के मार्गदर्शन से यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। चयनित अभ्यर्थियों में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड की अंजली डहारे (ग्राम कनकी) ने 98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें प्रशिक्षण अधिकारी दशरथ बिसेन का मार्गदर्शन मिला।इसी प्रकार स्विंग टेक्नोलॉजी ट्रेड की भूमेश्वरी नारनौरे (कालीमाटी, लांजी) ने 98 पर्सेंटाइल तथा सिद्धि भाषांत (ग्राम छपला, बिरसा) ने 99 पर्सेंटाइल प्राप्त कर सफलता हासिल की। दोनों को प्रशिक्षण अधिकारी सुश्री राखी मोटवानी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं बेसिक कॉस्मेटोलॉजी ट्रेड की रश्मि विश्वास (बालाघाट) ने प्रशिक्षण अधिकारी ज्योति ठाकरे के मार्गदर्शन में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर चयनित होकर महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। चारों चयनित प्रशिक्षणार्थी सामान्य एवं आर्थिक रूप से साधारण परिवारों से हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और संस्थान के प्रशिक्षण अधिकारियों को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। शासकीय आईटीआई बालाघाट की प्राचार्या श्रीमती सपना राहंगडाले ने सभी चयनित प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता संस्थान के लिए गौरव की बात है और इससे अन्य प्रशिक्षणार्थियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

आस-पास खबरें

सुबह से खिली धूप, दोपहर बाद मंडराये बादल, मौसम की बेरूखी से किसान चिंतित

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों

बारिश की कमी साफ तौर पर महसूस की जा रही है। मौसम के इस बदलते मिजाज और बेरूखी से क्षेत्र के किसान बेहद चिंतित नज़र आ रहे हैं। रविवार को खमरिया क्षेत्र में सुबह से तेज धुप का एहसास हुआ उसके बाद दोपहर में आसमान पर बादल मंडराये लेकिन दिनभर उमस भरी गर्मी रहने से किसानों के साथ ही आमजनों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही खमरिया क्षेत्र में गत दिवस से बारिश न होने के कारण ऊपरी भाग (ऊंचे इलाकों) के खेतों में पानी पूरी तरह से खत्म हो गया है, जिससे फसलों पर संकट मंडराने लगा है। वहीं दूसरी ओर निचले भागों वाले खेतों में जैसे-तैसे रोपा (परहा) लगाने का कार्य जारी है। लेकिन बारिश नही होने से खेतों में पानी नही होने के कारण रोपाई कार्य भी प्रभावित हो रहा है। इस तरह से मौसम के इस अनिश्चित रवैये के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। जहां पानी की उपलब्धता है वहां किसान किसी तरह परहा कार्य पूरा करने में लगे हैं, वहीं कई स्थानों पर पानी के अभाव में यह काम रूक गया है। किसान अब एक बार फिर अच्छी बारिश की उम्मीद में आसमान की ओर टकटकी लगाये बैठे है।

कंजई में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत किया गया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 11 किमी दूर ग्राम पंचायत कंजई के शिवधाम वाटिका में 26 जुलाई को जिला समन्वयक महेश पटले एवं ब्लॉक समन्वयक अनिल चौरे के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना पखवाड़ा के अंतर्गत स्वैंछिकता पर्व मनाया गया। इस पर्व के अंतर्गत स्वैंछिकता संगोष्ठी, नशामुक्ति जन जागरूकता अभियान 2.0 पर जानकारी एवं शपथ, एक पेड़ मां के नाम के तहत 20 फलदार पेड़ों (आम, जामुन कटहल) का वृक्षारोपण किया गया और पौधों की सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर चैनलाल चौधरी, सेवकराम तुरकर, राजेंद्र कोकोटे, राजेंद्र वटटी, गिरीश ठाकरे, मुकेश राऊत, हाशिक खान, सेवकराम मर्सकोले, परामर्शदाता सुश्री प्रेमबती उईके, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं विनीता इनवाती, रेणु कैथवास, फरीना खान, निशिका सहित अन्य छात्र एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सर्राटी नदी पुल के आगे बना गड्ढा, दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण, प्रशासन मौन

गड्ढों का मरम्मत एवं पानी निकासी की व्यवस्था करने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के पास से गुजरी सर्राटी नदी पुल के समीप हाईवे मार्ग पर जल निकासी न होने और जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण स्थिति अत्यंत विकट हो गई है। आलम यह है कि बारिश का पानी सड़कों पर बने गड्ढों में जमा रहता है। साथ ही बड़े-बड़े गड्ढे बने होने के कारण वाहन चालकों एवं राहगीरों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क के बीच में बने जानलेवा गड्ढों के कारण आये दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है और जिस दिन बारिश होती है उक्त स्थान पर छोटा तालाब बन जाता है। ऐसी स्थिति में गड्ढे दिखाई नही देते है। गत दिवस गड्ढों में वाहन जाने से कुछ लोग चोटिल हो गये थे और रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं घटित हो रही है। जबकि लंबे समय से सर्राटी नदी पुल के आगे सड़क के बीच में बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य एवं पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की जा रही है लेकिन प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिस कारण से बारिश होने के कारण उक्त स्थान पर पानी जमाव की स्थिति निर्मित हो जाती है और गड्ढों में पानी जमा रहने से आने-जाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों के द्वारा सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत एवं पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग प्रशासन से की है।

गड्ढे में गिरकर लोग हो रहे चोटिल - मोहित

मोहित चंद्रबेल ने बताया कि सर्राटी नदी पुल के आगे सड़क के बीच में बारिश के पानी की निकासी नही होने पर तेज बारिश होने से सड़क के बीच में पानी जमा हो जाता है। जिसके कारण सड़क खराब हो चुकी है एवं गड्ढे बन जाने के कारण आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। श्री चंद्रबेल ने बताया कि आंधे घंटे की बारिश में सड़क के ऊपर घुटनों भर पानी बहता है और गड्ढे दिखाई नही देने से गत दिवस मोटरसाइकिल चालक अनियंत्रित होकर गिर गये थे एवं लोग गड्ढों में गिरकर चोटिल भी हो रहे है। लेकिन प्रशासन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

अवरूध्द हुई पाइपलाइन बनी जी का जंजाल - पिपलोद

युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि मानपुर पंचायत भवन के समीप सर्राटी नदी पुल के आगे करीब 5 वर्ष पूर्व जल निकासी के लिए पाइपलाइन डाली गई थीं। जिसके बाद शुरूआती दो वर्ष तक पानी निकासी सुचारू रूप से हुई, लेकिन उचित रख-रखाव न होने के कारण पाइपलाइन पूरी तरह से चोक हो चुकी है। जिसके कारण पानी निकासी नही होने से हाईवे मार्ग के बीच में बारिश होने पर पानी जमा हो जाने से आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री पिपलोद ने बताया कि इस समस्या से कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, इस तरह से अवरूध्द हुई पाइपलाइन जी का जंजाल बन चुकी है। प्रशासन से मांग है कि सर्राटी नदी पुल के आगे सड़क के बीच में जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य एवं बारिश के पानी की निकासी की व्यवस्था की जाये, उक्त मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने बाध्य होगें।

पाथरी में अरहर फसल का निरीक्षण, किसानों को टॉपिंग की दी गई सलाह

नवीन तकनीक से की गई खेती की अधिकारियों ने की सराहना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कृषि विभाग के द्वारा गत दिवस विकासखंड लालबर्रा की ग्राम पंचायत पाथरी में कृषक यशवंत पटले के खेत का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अरहर की फसल की स्थिति का अवलोकन किया तथा फसल प्रबंधन संबंधी आवश्यक तकनीकी सलाह प्रदान की। निरीक्षण में पाया गया कि कृषक द्वारा लगभग 0.202 हेक्टेयर क्षेत्र में नवीन कृषि तकनीकों का उपयोग करते हुए अरहर की खेती की गई है। वर्तमान में फसल लगभग एक माह की हो चुकी है तथा उसकी वृध्दि एवं विकास संतोषजनक पाया गया। अधिकारियों ने फसल की अ'छी स्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे किसानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया। कृषि अधिकारियों ने कृषक यशवंत पटले को अरहर की फसल में समय पर टॉपिंग (शीर्ष छंटाई) करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि टॉपिंग करने से पौधों में अधिक शाखाएं विकसित होती हैं, जिससे फलियों की संख्या बढ़ने के साथ उत्पादन में भी वृध्दि होती है। इस अवसर पर किसानों को वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने, समय-समय पर फसल का निरीक्षण करने तथा कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन के अनुरूप फसल प्रबंधन करने की सलाह दी गई, ताकि बेहतर उत्पादन एवं अधिक आय प्राप्त की जा सके।

शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा का 9 अगस्त को होगा अनावरण

बैठक में विश्व आदिवासी दिवस मनाने एवं प्रतिमा अनावरण की रूपरेखा पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश आदिवासी परिषद लालबर्रा के तत्वाधान में आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर लालबर्रा मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग पर शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों एवं रूपरेखा को अंतिम रूप देने हेतु रविवार को परिषद के पदाधिकारियों की उपस्थिति में एक आवश्यक बैठक प्रतिमा स्थल के समीप संपन्न हुई। आयोजित बैठक में आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के पावन अवसर पर हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी के समीप शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। साथ ही विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए रणनीति तैयार की। साथ ही सामाजिक बंधुओं को एकजुट करने, अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने तथा शहीद बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी विचारों व संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के सचिव अनिल उइके ने बताया कि आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। इसी दिन हाई स्कूल मार्ग राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी के समीप शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण भी किया जायेगा, जिसकी रूपरेखा तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें और शहीद बिरसा मुंडा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

थाने में व्यापारी संगठन की बैठक संपन्न

नशा मुक्ति अभियान और यातायात व्यवस्था पर हुआ मंथन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे रा'यव्यापी नशा मुक्ति अभियान के तहत नगर मुख्यालय स्थित लालबर्रा थाने में रविवार को व्यापारी संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी राजमल दायमा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में स्थानीय व्यापारी संगठन के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2029 तक देश को पूर्णत: नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करना तथा नगर में नशा व यातायात से जुड़ी समस्याओं का निराकरण खोजना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी राजमल दायमा ने कहा कि वर्ष 2029 तक देश को नशा मुक्त बनाने का राष्ट्रीय लक्ष्य तय किया गया है। इसे सफल बनाने के लिए समाज के हर वर्ग, विशेषकर व्यापारी वर्ग की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित व्यापारियों को नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया और अपील की कि वे अपने आसपास किसी भी प्रकार के अवैध नशे के कारोबार की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

व्यापारियों ने उठाये गंभीर सवाल: प्रतिबंध के बाद भी बिक रहा गांजा व शराब

बैठक के दौरान पूर्व जनपद सदस्य शैलेश

केकती ने नगर की जमीनी हकीकत को उजागर करते हुए पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा प्रशासनिक प्रतिबंधों और दावों के बावजूद शहर में धड़ल्ले से गांजा बिक रहा है। गैर-लाइसेंसी लोग जगह-जगह अवैध रूप से शराब बेच रहे हैं, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्यवाही दिखाई नहीं देती। जब तक ऐसे अवैध कारोबारियों पर कड़ा शिकंजा नहीं कसा जायेगा, तब तक शहर को नशा मुक्त बनाना असंभव है।

सड़कों पर खड़े वाहनों से आवागमन बाधित

नशे के मुद्दे के अलावा बैठक में नगर की बदहाल यातायात व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन को ध्यान दिलवाया कि मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्रों में बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होती है, जिससे राहगीरों और ग्राहकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों की शिकायतें और सुझाव सुनने के बाद थाना प्रभारी राजमल दायमा ने स्पष्ट किया कि पुलिस अवैध मादक पदार्थों की बिक्री को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि गांजा और अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ जल्द ही कार्यवाही की जायेगी। साथ ही सड़कों पर बेतरतीब वाहन खड़े करने वालों पर कार्यवही की जायेगी और बाजार क्षेत्र में यातायात को दुरूस्त करने का प्रयास किया जायेगा। साथ ही थाना प्रभारी ने व्यापारियों से भी आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के सामने बेतरतीब वाहन न खड़े होने दें और यातायात को सुचारू बनाने में सहयोग करें। बैठक के अंत में उपस्थित सभी व्यापारियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी, व्यापारी संघ के सदस्य एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बकेरा पहुंच मार्ग बदहाल, कीचड़ गड्ढों और धूल से ग्रामीण परेशान

मार्ग की मरम्मत या पक्की सड़क निर्माण की उठ रही मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बकेरा का मुख्य पहुंच मार्ग इन दिनों खस्ताहाल पडा है। बांसी मार्ग से ग्राम बकेरा को जोड़ने वाला यह लगभग १२०० मीटर लंबा कच्चा मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। वर्तमान में हो रही बारिश के कारण सड़को पर जगह जगह कीचड़, दलदल और गहरे गड्ढे बन गए हैं जिससे ग्रामीणों और राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है।

दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे गिट्टी पत्थर कीचड़

मार्ग की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि सड़क की गिट्टियां और छोटे बड़े पत्थर बाहर निकल आए हैं। सूखे मौसम में भारी वाहनों की आवाजाही से धूल के गुबार उठते हैं अभी बारिश में कीचड़ की स्थिति हो रही है जिससे दुपहिया वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। पूर्व में भी इस मार्ग पर कई राहगीर फिसलकर घायल हो चुके हैं। इस मार्ग पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। यह मार्ग सिर्फ बकेरा ही नहीं बल्कि आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों के लोगों के लिए वारासिवनी मुख्यालय पहुंचने का एक प्रमुख बाईपास मार्ग है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली छात्र छात्राओं को उठानी पड़ रही है। बकेरा स्थित स्कूल और वारासिवनी मुख्यालय पढ़ने जाने वाले बच्चे प्रतिदिन इसी खस्ताहाल रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। बारिश के दिनों में जब स्थिति अत्यधिक विकट हो जाती है तो लोगों को फिसलन और दलदल से बचने के लिए ३ किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर दूसरे लंबे रास्ते से जाना पड़ता है। हालांकि गांव के भीतर सीसी सड़क का निर्माण हो चुका है लेकिन मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली यह १२०० मीटर की मुख्य कड़ी अब भी उपेक्षित है। बीते कई वर्षों से इस मार्ग का ना तो नवीनीकरण किया गया है और ना ही मुरुमीकरण प्रशासन की अनदेखी के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है। हर वर्ग के लोग चाहे वे किसान हों, मजदूर हों, व्यापारी हों या विद्यार्थी इस बदहाल रास्ते से त्रस्त आ चुके हैं। ग्रामीणों और राहगीरों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए इस कच्चे मार्ग पर जल्द से जल्द पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए ताकि भविष्य में होने वाली किसी बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके।

१ किलोमीटर की दूरी का कच्चा मार्ग है जो आज तक किसी ने सुध नही लिया-देवरस डहरवाल

ग्रामीण देवरस डहरवाल ने बताया कि यह बकेरा बस्ती जाने का प्रमुख मार्ग है बांसी मुख्य मार्ग से यह जुड़ा हुआ है और करीब १ किलोमीटर की दूरी का मार्ग है जो पूरी तरह कच्चा है। अभी बारिश के कारण यहां पर आना जाना बहुत दिक्कत भरा हो गया है लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अभी निरंतर बारिश का दौर थमने से रोड थोड़ा ठीक दिख रहा है परंतु पंचायत और स्कूल के सामने अभी भी दलदल वाली स्थिति है। इस मार्ग का पक्का निर्माण होना चाहिए।

मार्ग की जर्जर हालत से सभी परेशान है- टेकचंद बोपचे

ग्रामीण टेकचंद बोपचे ने बताया कि यह मार्ग खराब होने से सबसे ज्यादा समस्या अन्य ग्रामो व विद्यार्थियों को हो रही है जो बकेरा होते हुए और बकेरा के लोग इस मार्ग से सीधे बांसी रोड पर आते थे। अब इन लोगों को बांसी जाकर वापस आना पड़ रहा है। कुछ लोग दुर्घटना का जोखिम उठाकर यहीं से आना जाना कर रहे हैं काफी दिक्कत है और कई वर्षों की दिक्कत है। पिछले सरपंच के द्वारा मार्ग की मरम्मत की गई थी उसके बाद आज तक कुछ नहीं हुआ यदि ऐसा ही आगे रहा तो और दिक्कतें ग्राम के लोगों को उठानी पड़ेगी।

लगातार बारिश से इस मार्ग से

स्कूल वैन तो दूर एंबुलेंस भी अंदर नहीं जाती-अक्षय सहारे

ग्रामीण अक्षय सहारे ने बताया कि यह मार्ग बहुत महत्वपूर्ण और पास का है सामने बासी मार्ग है जो सीधा कटंगी के लिए निकलता है। इस क्षेत्र के लोग रामपायली के लिए इस मार्ग से बकेरा होते हुए निकलते है, परंतु अभी इतना खराब मार्ग हो गया है कि बारिश लगातार यदि होगी तो इस मार्ग से स्कूल वैन तो दूर एंबुलेंस भी अंदर नहीं जा पाएगी। भयंकर गड्ढे हो गए हैं गिट्टी बाहर निकली है कई जगह अत्यधिक कीचड़ हो जाता है और सुखे समय में धूल के गुब्बार परेशान करते हैं मार्ग का पक्का निर्माण होना चाहिए।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में हुआ वृक्षारोपण

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाए गए ३५ पौधे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शाला परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाला प्रमुख सविता रिनायत,शिक्षक रूपसिंह उइके, धन्नालाल बिसेन तथा विद्यालय के छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय परिसर में जुलाई माह के दौरान अब तक ३५ पौधे लगाए जा चुके हैं। साथ ही छात्र छात्राओं को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत अपनी माताओं के साथ पौधारोपण कर उसकी सेल्फी समूह में साझा करने के लिए प्रेरित किया गया। इस

प्रेरणा से अनेक विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों की नियमित देखभाल के बारे में भी जानकारी दी गई। शिक्षकों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी सुरक्षा का संकल्प दिलाया। विद्यालय स्तर पर की गई इस सकारात्मक पहल से शाला परिसर में हरियाली बढ़ रही है,तथा विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो रही हैं।

वारासिवनी में मुनि विराट सागर जी ससंघ का हुआ मंगल आगमन

गाजे बाजे से हुई अगवानी जिनालय में दर्शन महामस्तकाभिषेक और शांतिधारा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में रविवार का दिन जैन धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत भक्तिमय और ऐतिहासिक रहा। संत शिरोमणि आचार्य भगवन १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज के सुयोग्य दीक्षित शिष्य तथा आचार्य भगवन १०८ श्री समयसागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य परम पूज्य १०८ मुनि श्री विराट सागर जी महाराज एवं मुनि श्री १०८ निस्संग सागर जी महाराज का वारासिवनी नगर में भव्य मंगल आगमन हुआ। यह नागपुर के समीपवर्ती बाजारगाँव क्षेत्र से बालाघाट जिले की ओर चातुर्मास हेतु विहार कर रहे मुनि द्वय की अगवानी के लिए पूरा जैन समाज उमड़ पड़ा। मुनि संघ का रामपायली रोड होते हुए वारासिवनी आगमन हुआ जहाँ सकल दिगंबर जैन समाज के द्वारा चंदन नदी के पुल पर पूरे उत्साह और बहुमान के साथ मुनि श्री के ससंघ की आगवानी की गई। इसके पश्चात नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मुनि संघ की यह मंगल अगवानी परम वंदनीय आर्यिका १०५ श्री सिद्धांतमती माताजी, आर्यिका १०५ श्री पुनीतमति माताजी, आर्यिका १०५ श्री विनयमति माताजी एवं संघस्थ बाल ब्रह्मचारिणी दीदी जी के पावन सानिध्य में संपन्न हुई। अगवानी के दौरान सर्वप्रथम आर्यिका संघ ने मुनि द्वय को नमोस्तु निवेदित कर उनकी परिक्रमा की गयी। तत्पश्चात धर्म ध्वजाओं, गाजे बाजे और भक्ति भजनों के साथ वारासिवनी, बालाघाट एवं आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं ने गुरुदेव का जयघोष करते शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री दिगंबर जैन मंदिर पहुँची। मुनि संघ ने प्राचीन एवं नवीन पाषाण जिनालय में भगवान के दर्शन किए। तत्पश्चात पंचायती वेदी में सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में जिनेंद्र भगवान का भव्य महामस्तकाभिषेक किया गया। विश्व शांति और समृद्धि की मंगल कामना के साथ मुनि श्री द्वारा पावन शांतिधारा संपन्न कराई गई। इस दौरान सखी मंडल के द्वारा सजाई गई आकर्षक अष्टद्रव्य थालियों के साथ संगीतमय पूजन संपन्न हुआ। पूजन उपरांत आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य मुनि श्री ने चातक पक्षी के मार्मिक कथानक के माध्यम से धर्मसभा को प्रेरित किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को जिनधर्म के कुलाचारों का निष्ठापूर्वक पालन करने का अमूल्य उपदेश दिया। अपराह्न काल में चतुर्विध संघ के सानिध्य में मंदिर जी में सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से २५६ अर्घ्य समर्पित किए। धर्मसभा के उपरांत मुनि संघ ने बालाघाट की ओर प्रस्थान किया। समाज के सदस्यों ने बताया कि मुनि श्री का आगमन चातुर्मास को लेकर हुआ था जो बालाघाट में चातुर्मास करेंगे। यह नागपुर से चलकर आ रहे थे जिनका वारासिवनी में समाज ने स्वागत किया और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। वारासिवनी जिनालय में आर्यिका संघ के पावन चातुर्मास हेतु मंगल कलश स्थापना का भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जैन समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर से वानर का नन्हा बच्चा गंभीर रूप से घायल

स्थानीय लोगों की सजगता ने श्वान के हमले से बचाया वानर को, विभाग ने किया रेस्क्यू

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कटंगी रोड़ स्थित विश्रामगृह के सामने हुई एक दुखद घटना में सड़क पार कर रहे एक नन्हे वानर का बच्चा तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि समय रहते स्थानीय नागरिकों की सजगता और वन विभाग की त्वरित कार्यवाही से वानर के बच्चे को सुरक्षित बचाकर उसका इलाज शुरू कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्रामगृह के सामने स्थित एक विद्युत पोल पर वानर माता अपने बच्चे के साथ बैठी हुई थी। इसी दौरान मासूम वानर बालक खेल खेल में पोल से नीचे उतर आया और सड़क पार करने लगा। जब वह सड़क पार कर वापस अपनी मां के पास लौट रहा था तभी कटंगी चौक की दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उसे जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वानर का बच्चा सड़क पर ही गिरकर लहूलुहान और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के तुरंत बाद घायल अवस्था में नन्हे वानर को असहाय पाकर आसपास मौजूद आवारा श्वान उस पर हमला करने के लिए आगे बढ़ने लगे। अपने बच्चे को संकट में देख उसकी मां और घायल बच्चा दर्द व भय से जोर जोर से चिल्लाने लगे। चीख पुकार सुनकर आसपास के स्थानीय नागरिक तुरंत मौके पर पहुंचे। लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए तत्परता दिखाई और आवारा श्वानो को मौके से खदेड़कर घायल वानर बालक को सुरक्षित घेरे में लिया पानी पिलाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए नागरिकों ने बिना देर किए तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंची। घायल वानर का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे तत्काल वन विभाग के कार्यालय ले जाया गया। वन विभाग के कार्यालय में पशु चिकित्सकों और कर्मचारियों के द्वारा घायल वानर का उपचार शुरू कर दिया गया है।

समय पर उपचार से बची सर्पदंश पीड़ित पवन सोनवाने की जान

प्रशासन ने सर्पदंश के मामलों में अंधविश्वास छोड़ तत्काल अस्पताल पहुंचने की अपील की

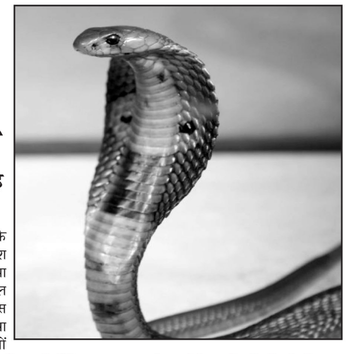

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर विकासखंड के ग्राम मंडवा में समय पर मिले चिकित्सकीय उपचार ने एक सर्पदंश पीडित की जान बचा ली। यह मामला इस बात का उदाहरण बन गया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 जुलाई की शाम करीब 6 बजे ग्राम मंडवा निवासी पवन सोनवाने को विषैले कोबरा सांप ने तीन से चार स्थानों पर काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए किसी भी अंधविश्वास का सहारा नहीं लिया और उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली पहुंचाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सक डॉ. सौरभ उइके एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने बिना विलंब किए मरीज को एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) देकर उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद मरीज की स्थिति स्थिर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया गया, जहां विशेषज्ञ उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य हो गई और अब वे खतरे से बाहर हैं। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर अर्पित गुप्ता के सतत मार्गदर्शन और जनजागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। अब सर्पदंश की घटनाओं में लोग झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र में समय गंवाने के बजाय सीधे शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में पहुंचकर उपचार करा रहे हैं, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा रही है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश की किसी भी घटना में अंधविश्वासों से दूर रहें और मरीज को तुरंत निकटतम शासकीय अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। सभी जिला चिकित्सालयों के साथ-साथ दूरस्थ प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही समय पर जीवनरक्षक उपचार मिल रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि सर्पदंश की स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है और समय पर वैज्ञानिक उपचार ही जीवन बचाने का सबसे सुरक्षित एवं प्रभावी उपाय है।

छात्रों पर बर्बरता की जिम्मेदारी कौन लेगा?

लोकतंत्र में अपनी असहमति और असंतोष की आवाज उठाना नागरिकों का सबसे बड़ा संवैधानिक अधिकार है। जब देश के युवा और पढ़े-लिखे छात्र सड़कों पर उतरते हैं, तो वे किसी दंगे, उपद्रव या, अशांति के इरादे से नहीं, बल्कि अपने भविष्य, अधिकारों और न्याय की वाजिब मांग के लिए आते हैं। लेकिन हाल ही में दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर संसद चलो मार्च के दौरान जो कुछ देखने को मिला, उसने देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने, पुलिसिया कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पुलिस ने जो कार्रवाई की, वह क्या केवल भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास था या फिर यह बर्बरता की आखिरी हद थी? छात्रों का यह मार्च अपनी मांगों को संसद तक पहुंचाने के लिए शुरू हुआ था। लेकिन जैसे ही यह मार्च आगे बढ़ा, दिल्ली पुलिस ने इसे रोकने के लिए बेहद आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस प्रशासन का दावा है कि प्रदर्शनकारियों ने कानून हाथ में लिया, बैरिकेड्स तोड़े और सुरक्षाबलों पर हमला किया, जिसमें कई जवान घायल हुए। लेकिन सोशल मीडिया और मुख्यधारा की मीडिया रिपोर्ट्स में दिख रहे वीडियो फुटेज कुछ और ही इशारा करते हैं। वीडियो में जब छात्र शांति से खड़े दिखाई दे रहे हैं, तो फिर उन पर अचानक लाठीचार्ज, पानी की तेज बौछारें और आंसू गैस के गोले दागने की नौबत क्यों आई? इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू प्रदर्शन को दबाने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किए जाने के आरोप हैं। दिल्ली पुलिस इन दावों को पूरी तरह खारिज कर रही है, लेकिन सफदरजंग अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट ने इन आरोपों को बेहद गंभीर बना दिया है। इसके बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा मीडिया के सामने लाए गए 19 साल के घायल छात्र साहिल लोहचब के शरीर पर मौजूद छर्रों के गहरे निशान और उसकी एक आंख की रोशनी चले जाने की विचलित करने वाली तस्वीरें क्या बयां करती हैं? क्या हाथ में तिरंगा लेकर मार्च कर रहे छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य हो सकता है? कई अन्य छात्रों के सिर, चेहरे और पीठ पर आई गंभीर चोटें क्या पुलिस मैनुअल और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन नहीं हैं? इस घटना के बाद पुलिसिया कार्यप्रणाली पर एक और गंभीर सवाल खड़ा हुआ है। भीड़ के बीच सादे कपड़ों में मौजूद जो लोग छात्रों को पीट रहे थे, वे कौन थे? इस बर्बरता का वीडियो वायरल होने के बाद खुद दिल्ली पुलिस प्रशासन को एक आधिकारिक आदेश जारी करना पड़ा कि कानून-व्यवस्था की ड्यूटी पर तैनात सभी जवान अनिवार्य रूप से केवल अपनी आधिकारिक यूनिफॉर्म में ही रहेंगे। लेकिन सवाल यह उठता है कि बिना वर्दी के इन छात्रों को पीटने की छूट किसने दी थी? आमतौर पर जमीन पर ऐसी कार्रवाई का आदेश स्थानीय प्रशासन या डीसीपी देते हैं। लेकिन चूंकि दिल्ली पुलिस सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है, इसलिए यह बहस तेज हो गई है कि क्या इतने बड़े मार्च को रोकने के लिए यह पुलिस का अपना तात्कालिक फैसला था या इसके पीछे उच्च स्तर से मिला कोई निर्देश था? इस पूरे मामले की एक उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच होनी क्यों जरूरी नहीं है, ताकि सच सबके सामने आ सके कि आखिर इतनी क्रूरता की नौबत क्यों आई और इसकी असल जवाबदेही किस स्तर पर तय होती है? लोकतंत्र में किसी भी समस्या का समाधान बल प्रयोग कैसे हो सकता है, जबकि असली रास्ता हमेशा संवाद होना चाहिए? कलम पकड़ने वाले युवाओं और व्यवस्था के बीच इस तरह के टकराव की तह तक जाना अनिवार्य है।

शिक्षामंत्री का इस्तीफा व पहले निर्णायक कार्रवाई-14 गिरफ्तारियां, 27 अधिकारियों का निलंबन और नया कठोर कानून

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ की नजरें लगी हुई थी, सबके मन में एक ही बात थी कि क्या भारतीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा देंगे? इसका जवाब 25 जुलाई 2026 को दोपहर के बाद में मिल गया देर कर दी मेहरबाँ आते-आते,मगर आए तो सही। यह पंक्ति भारतीय राजनीति और शिक्षा व्यवस्था पर सबसे अधिक लागू होती दिखाई दी।देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, लाखों छात्रों के भविष्य पर उठे सवाल, जंतर -मंतर पर लंबे समय तक चले आंदोलन,संसद के मानसून सत्र में लगातार गतिरोध और देश-विदेश तक गूंजे विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षामंत्री ने पीएम को अपना इस्तीफा सौंप दिया।यह वर्तमान भारतीय प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कार्यकाल में जनदबाव के बाद किसी वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की सबसे बड़ी राजनीतिक घटनाओं में से एक माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह तथ्य सबको याद दिलाना चाहूंगा कि भारतीय लोकतंत्र में नैतिक जवाबदेही का सबसे चर्चित उदाहरण आज भी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का माना जाता है। वे रेल मंत्री रहते हुए 23 नवंबर 1956 को तमिलनाडु के अरियालुर रेल हादसे के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे बैठे थे। उस दुर्घटना में 140 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी।यद्यपि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पहले इस्तीफा स्वीकार करने के पक्ष में नहीं थे,लेकिन अंततः शास्त्री का त्यागपत्र स्वीकार किया गया और यह भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक जवाबदेही का ऐतिहासिक उदाहरण बन गया।आज धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा संसद से सड़क तक बड़े आंदोलनों के बाद हुआ?, हालांकि परिस्थितियां और राजनीतिक संदर्भ अलग हैं।इस्तीफे के तुरंत बाद सरकार और सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच संविधान क्लब में वार्ता हुई।उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सीजेपी द्वारा प्रमुख रूप से तीन मांगें उठाई गई थीं आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को आर्थिक सहायता, आंदोलन में शामिल छात्रों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई न हो तथा पुलिस कार्रवाई पर जवाबदेही तय की जाए। इन मांगों को लेकर सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई 25 जुलाई 2026 को शाम 6 बजे ऑल इंडिया रेडियो पर बताया गया कि इन मांगों पर सहमति की स्थिति बताई गई है,मांगे स्वीकार किए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त करने की घोषणा की गई तथा छात्रों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की गई। हालांकि कुछ मांगों की स्वीकृति और उनके क्रियान्वयन को लेकर अलग-अलग रिपोर्टों में भिन्न जानकारी भी सामने आई है।सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जिन्होंने आंदोलन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लोकतंत्र की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह सड़कों से निकली लोकतांत्रिक शक्ति, शांति, धैर्य और निरंतर प्रयास की जीत है तथा अब अगला चरण सटीकता से शिक्षा सुधार का होना चाहिए। साथियों, भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता को लेकर पिछले कुछ वर्षों में लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। देश के विभिन्न राज्यों में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया, जिसके कारण केवल परीक्षाएं ही नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था की साख भी कठघरे में आ गई। पिछले 27 दिनों तक चले व्यापक जनआंदोलन, विपक्ष के लगातार दबाव, संसद में तीखी बहस और देशभर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने अंततः केंद्र सरकार को बहुआयामी कार्रवाई के लिए बाध्य किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से पहले जिस प्रकार एक के बाद एक प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक कदम उठाए गए, उन्होंने यह स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार अब केवल दोषियों को पकड़ने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र को नई कानूनी संरचना के माध्यम से बदलने की दिशा में आगे बढ़ रही है। साथियों, इस पूरी प्रक्रिया की पहली महत्वपूर्ण कड़ी बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियां रहीं।जांच एजेंसियों ने विभिन्न राज्यों में समन्वित अभियान चलाकर अब तक 14 प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें कथित मास्टरमाइंड बिचौलिए, तकनीकी विशेषज्ञ तथा परीक्षा संचालन से जुड़े कुछ कर्मचारी भी शामिल बताए गए। जांच में यह सामने आया कि पेपर लीक केवल स्थानीय स्तर का अपराध नहीं था,बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क कार्य कर रहे थे, जो आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया और आर्थिक लेनदेन के माध्यम से प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग कर रहे थे। इन गिरफ्तारियों ने यह संदेश दिया कि सरकार अब केवल छोटे अपराधियों पर नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को समाप्त करने की रणनीति अपना रही है। दूसरा बड़ा कदम प्रशासनिक जवाबदेही तय करने के रूप में सामने आया। सरकार ने विभिन्न विभागों और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े 27 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई केवल अनुशासनात्मक नहीं थी, बल्कि यह संकेत भी था कि भविष्य में किसी भी अधिकारी की लापरवाही या मिलीभगत को केवल विभागीय त्रुटि मानकर नहीं छोड़ा जाएगा। भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों का एक साथ निलंबन यह दर्शाता है कि अब जवाबदेही केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी प्रशासनिक श्रृंखला उत्तरदायी होगी। साथियों, इसी बीच मंत्रिमंडल ने परीक्षा सुरक्षा को लेकर अत्यंत कठोर नया विधायी प्रस्ताव भी स्वीकृत किया। प्रस्तावित कानून का सबसे चर्चित प्रावधान यह है कि पेपर लीक जैसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालय स्थापित किए जाएंगे और ऐसे मामलों का अंतिम निर्णय लगभग 13 महीनों के भीतर सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। भारत में सामान्यतः न्यायिक प्रक्रिया कई वर्षों तक चलती है, जिससे अपराधियों में दंड का भय कम हो जाता है। यदि यह समयबद्ध न्याय व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू होती है, तो यह देश की परीक्षा प्रणाली में सबसे बड़ा संरचनात्मक सुधार माना जाएगा।इस प्रस्तावित कानून का दूसरा अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष आर्थिक दंड है। पेपर लीक जैसे संगठित अपराधों में शामिल संस्थाओं या व्यक्तियों पर 10 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। अब तक अधिकांश मामलों में कुछ लाख रुपये या सीमित आर्थिक दंड ही लगाया जाता था, जिससे अपराधियों के लिए जोखिम अपेक्षाकृत कम था। नई व्यवस्था का उद्देश्य अपराध की आर्थिक लाभप्रदता को समाप्त करना है, ताकि संगठित गिरोहों के लिए यह कारोबार पूरी तरह घाटे का सौदा बन जाए। अब विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुधार केवल दंडात्मक नीति नहीं, बल्कि शासन प्रणाली में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत भी है। परीक्षा सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, प्रश्नपत्रों की एन्क्रिप्टेड ट्रांसमिशन, उत्तरदायित्व निर्धारण और समयबद्ध न्याय ये सभी तत्व मिलकर भारत को वैश्विक स्तर की परीक्षा सुरक्षा प्रणाली विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर जैसे देशों में परीक्षा सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय तकनीकी और कानूनी व्यवस्था पहले से लागू है। भारत यदि अपने नए कानून को प्रभावी ढंग से लागू कर पाता है, तो वह विश्व के सबसे बड़े परीक्षा तंत्र को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है। साथियों, राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो इनघटनाक्रमों का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा रहा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मंत्री का इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता, बल्कि वह राजनीतिक जवाबदेही का प्रतीक माना जाता है। इस्तीफे से पहले सरकार द्वारा गिरफ्तारियां, निलंबन और नया कानून लाना यह दर्शाता है कि प्रशासनिक तथा राजनीतिक दोनों स्तरों पर जवाबदेही स्थापित करने का प्रयास किया गया। इससे यह संदेश देने की कोशिश हुई कि सरकार केवल नेतृत्व परिवर्तन तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का भी दावा कर रही है।आर्थिक दृष्टि से भी यह सुधार अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पेपर लीक के कारण परीक्षाओं के पुनः आयोजन, सुरक्षा प्रबंधन, न्यायिक प्रक्रिया तथा प्रशासनिक खर्च पर करोड़ों रुपये व्यय होते हैं। इसके अतिरिक्त लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक क्षति होती है। यदि नई व्यवस्था वास्तव में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने में सफल होती है, तो इससे सरकारी संसाधनों की बचत होगी, युवाओं का समय सुरक्षित रहेगा तथा रोजगार प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास की पुनर्स्थापना का प्रयास है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले करोड़ों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। जब प्रश्नपत्र लीक होते हैं, तब केवल परीक्षा ही नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, परिवार की उम्मीदें और व्यवस्था पर विश्वास भी प्रभावित होता है। इसलिए सरकार की हालिया कार्रवाइयों को केवल कानूनी कदम नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास बहाली की प्रक्रिया के रूप में भी सटीकता से देखा जा रहा है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। विश्व के अनेक देशों में उच्च शिक्षा, सरकारी भर्ती और पेशेवर परीक्षाओं की विश्वसनीयता राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता से जुड़ी होती है। यदि भारत समयबद्ध न्याय, कठोर आर्थिक दंड, डिजिटल सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही के इस मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू कर देता है, तो यह विकासशील देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। इससे भारत की संस्थागत विश्वसनीयता, निवेशकों का विश्वास और वैश्विक शिक्षा प्रणाली में उसकी साख भी मजबूत हो सकती है। साथियों, वर्ष 2026 का पूरा घटनाक्रम केवल एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं रहा। पिछले कई वर्षों से विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया था। नीट विवाद ने इस असंतोष को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दे दिया। छात्रों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही की मांग तेज कर दी।जंतर-मंतर देशव्यापी असंतोष का केंद्र बना, जबकि संसद का मानसून सत्र भी इस मुद्दे की भेंट चढ़ गया। 20 जुलाई से शुरू हुआ सत्र 25 जुलाई तक बार-बार बाधित रहा।इस पूरे आंदोलन में उभरकर सामने आई कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने आंदोलन को केवल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं रखा बल्कि परीक्षा सुधार,छात्रों की सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही को भी प्रमुख मुद्दा बनाया। आंदोलन धीरे-धीरे देश के अनेक राज्यों तक फैल गया और सोशल मीडिया से लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक इसकी सटीकता से चर्चा होने लगी। साथियों, धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपना इस्तीफा सार्वजनिक करते हुए लिखा कि उन्होंने चार दशकों से अधिक समय छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित किया है तथा उनका विश्वास रहा है कि सशक्त शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। उन्होंने यह भी कहा कि वे छात्रों के भविष्य को सर्वोपरि रखते हैं और नहीं चाहते कि वर्तमान परिस्थितियों का दुरुपयोग राष्ट्रविरोधी तत्व करें।

-किशन सनमुखदास भावनानी

सपने वो हैं जो आपको सोने न दें- डॉ. कलाम के प्रेरक जीवन का संदेश

-सुनील कुमार महला

सपने वे नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वे हैं जो हमें सोने नहीं देते। यह प्रेरक विचार भारत के महान वैज्ञानिक, मिसाइल मैन ऑफ इंडिया (अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइल परियोजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले), विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स और इंडिया-2020 जैसी प्रसिद्ध पुस्तकों के

लेखक, युवाओं के प्रेरणास्रोत, शिक्षा के प्रबल समर्थक तथा भारत के 11वें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का है। प्रतिवर्ष 27 जुलाई को उनकी पुण्यतिथि मनाई जाती है। पाठकों को बताता चलूं कि 27 जुलाई 2015 को शिलांग में विद्यार्थियों को व्याख्यान देते समय उनका निधन हो गया था। जीवन के अंतिम क्षण तक वे युवाओं को ज्ञान और राष्ट्रनिर्माण का संदेश देते रहे। इस दिन पूरा देश उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित प्रसिद्ध द्वीप-नगर रामेश्वरम में हुआ था। उनका पूरा नाम अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था तथा उनके पिता जैनुलाब्दीन मरकयार एक नाविक थे, जबकि माता आशियम्मा धार्मिक एवं दयालु स्वभाव की गृहिणी थीं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रामेश्वरम के विद्यालय में हुई। इसके बाद उन्होंने श्वार्ट्ज हायर सेकेंडरी स्कूल, रामनाथपुरम में अध्ययन किया। वर्ष 1954 में सेंट जोसेफ्स कॉलेज, तिरुचिरापल्ली से भौतिकी में स्नातक तथा वर्ष 1955 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया।डॉ. कलाम का बचपन आर्थिक कठिनाइयों में बीता। परिवार की सहायता के लिए वे विद्यालय के बाद अखबार वितरित करते थे। उनका सपना भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट बनने का था, लेकिन चयन प्रक्रिया में वे नौवें स्थान पर रहे, जबकि केवल आठ अभ्यर्थियों का चयन हुआ। उन्होंने इस असफलता को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और आगे चलकर देश के महानतम वैज्ञानिकों में स्थान बनाया।इसरो और डीआरडीओ में कार्य करते हुए उन्होंने भारत के रक्षा एवं अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई दिशा दी। अग्नि और पृथ्वी जैसी स्वदेशी मिसाइलों के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण उन्हें मिसाइल मैन ऑफ इंडिया कहा गया। वर्ष 1998 में हुए पोखरण-2 परमाणु परीक्षण के दौरान मिशन की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उन्होंने सैन्य वर्दी धारण की और मेजर जनरल पृथ्वीराज नाम का उपयोग किया, ताकि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी जानकारी न मिल सके। वे केवल रक्षा विज्ञान तक ही सीमित नहीं रहे। वर्ष 1998 में उन्होंने प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सोमा राजू के साथ मिलकर कलाम-राजू स्टेंट विकसित किया, जिससे गरीब मरीजों के लिए हृदय का उपचार काफी सस्ता हो गया। बाद में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कलाम-राजू टैबलेट भी विकसित किया गया।डॉ. कलाम केवल महान वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि अत्यंत सरल, संवेदनशील और आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी भी थे। वे सभी धर्मों का समान सम्मान करते थे और आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन का आधार मानते थे। बहुत कम लोग जानते हैं कि वे पक्षियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील थे। एक बार डीआरडीओ परिसर की दीवारों पर टूटे हुए काँच लगाने का प्रस्ताव आया, लेकिन उन्होंने यह कहकर उसे अस्वीकार कर दिया कि इससे पक्षियों को चोट लग सकती है। वे सादगी और समानता की भी मिसाल थे। राष्ट्रपति भवन के एक कार्यक्रम में उनके लिए विशेष और बड़ी कुर्सी रखी गई, लेकिन उन्होंने उस पर बैठने से इनकार कर दिया, क्योंकि वह अन्य अतिथियों की कुर्सियों से अलग थी। इतना ही नहीं, उन्हें वीणा बजाना पसंद था और भारतीय शास्त्रीय संगीत में विशेष रुचि थी। वे पुस्तकों और ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी पूँजी मानते थे तथा उन्होंने कभी धन-संपत्ति एकत्र नहीं की। राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी वे अपने निजी खर्च स्वयं वहन करते थे। राष्ट्रपति पद छोड़ने के समय उनके पास संपत्ति के नाम पर केवल कुछ हजार पुस्तकें, 4-5 सूट, एक टेप रिकॉर्डर, एक लैपटॉप तथा कुछ निजी सामान ही था। वास्तव में, वे अत्यंत कर्मनिष्ठ थे। इसरो और डीआरडीओ में कार्य करते समय वे प्रतिदिन लगभग 18 घंटे काम करते थे और बहुत कम, लगभग दो घंटे, ही विश्राम करते थे। उनका मानना था कि-यदि सूर्य की तरह चमकना है, तो पहले सूर्य की तरह जलना होगा।डॉ. कलाम की असाधारण सेवाओं के लिए वर्ष 1997 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

अंत में यही कहा जा सकता है कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि साधारण परिस्थितियों में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी अपने ज्ञान, परिश्रम, विनम्रता और अटूट संकल्प से असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। उन्होंने विज्ञान को राष्ट्रनिर्माण का माध्यम बनाया, शिक्षा को विकास का आधार माना और युवाओं को भारत का भविष्य बताया। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि सफलता केवल उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए किए गए योगदान में निहित है। इसलिए डॉ. कलाम केवल एक महान वैज्ञानिक या राष्ट्रपति नहीं, बल्कि एक ऐसी अमर प्रेरणा हैं, जिनके विचार आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

निरर्थक प्रवृत्तियों का त्याग ही सार्थक जीवन का आधार

मनुष्य का जीवन उसके विचारों और प्रवृत्तियों से निर्मित होता है। प्रत्येक व्यक्ति दिनभर अनेक प्रकार के कार्य करता है, अनेक विषयों पर सोचता है और अनेक निर्णय लेता है। इन्हीं प्रवृत्तियों के आधार पर उसके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य का निर्माण होता है। सामान्यतः मनुष्य की प्रवृत्तियों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—सार्थक और निरर्थक। सार्थक प्रवृत्तियां वे हैं जो जीवन को दिशा देती हैं, विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं और स्वयं तथा समाज के कल्याण में सहायक बनती हैं। इसके विपरीत निरर्थक प्रवृत्तियां व्यक्ति का समय, ऊर्जा, धन और मानसिक शक्ति नष्ट करती हैं तथा धीरे-धीरे उसके जीवन को तनाव, भ्रम और अशांति से भर देती हैं। आज बाहरी प्रदूषण की चर्चा बहुत होती है, लेकिन वास्तविक प्रदूषण मनुष्य के भीतर व्याप्त उन निरर्थक प्रवृत्तियों का है जो उसके जीवन की शांति और संतुलन को नष्ट कर देती हैं।

यदि प्रत्येक व्यक्ति ईमानदारी से आत्मनिरीक्षण करे तो उसे अनुभव होगा कि उसके दिन का बड़ा भाग अनावश्यक कार्यों में व्यतीत हो जाता है। बिना आवश्यकता के बोलना, व्यर्थ विवादों में उलझना, समय का दुरुपयोग करना, निरर्थक कल्पनाओं में खोए रहना, केवल मनोरंजन के नाम पर अश्लील हास्य-विनोद में समय गंवाना, हानिकारक परंपराओं का अंधानुकरण करना, दुर्व्यसनों का शिकार बनना, ताश और जुए जैसे खेलों में धन तथा समय नष्ट करना, दूसरों की निंदा और आलोचना में लगे रहना जैसी अनेक आदतें देखने में साधारण प्रतीत होती हैं, लेकिन यही आदतें धीरे-धीरे व्यक्ति के जीवन को खोखला बना देती हैं। इनसे न केवल समय और धन का नुकसान होता है, बल्कि मानसिक शांति भी समाप्त होने लगती है। ऐसे व्यक्ति का मन हमेशा अस्थिर रहता है और वह जीवन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों से दूर होता चला जाता है। आज अधिकांश लोग तनाव, चिंता और मानसिक अशांति से मुक्ति पाने के लिए अनेक उपाय खोजते हैं। कोई मनोरंजन में समाधान ढूंढता है, कोई यात्राओं में और कोई दवाइयों में। किंतु यदि मनुष्य अपने जीवन से केवल निरर्थक प्रवृत्तियों को हटाने का संकल्प कर ले, तो उसके अधिकांश तनाव स्वतः समाप्त हो सकते हैं। जब मन व्यर्थ चिंतन से मुक्त होता है और समय केवल आवश्यक तथा उपयोगी कार्यों में लगता है, तब जीवन में संतुलन, संतोष और आत्मविश्वास का विकास होता है। इसलिए बाहरी सुख-सुविधाओं से अधिक आवश्यक है कि व्यक्ति अपने भीतर की अनावश्यक प्रवृत्तियों को पहचानकर उनका त्याग करे।

भगवान महावीर ने मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए अनेक व्रतों का विधान किया है। उनमें अनर्थ दण्ड विरमण व्रत का विशेष महत्व है। इस व्रत का मूल उद्देश्य जीवन से निरर्थक प्रवृत्तियों का त्याग करना है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक गहन जीवन-दर्शन है। इसका संदेश है कि मनुष्य ऐसा कोई कार्य न करे जिससे स्वयं का या दूसरों का अहित हो तथा जो जीवन में किसी प्रकार का वास्तविक लाभ न पहुंचाता हो। यदि इस व्रत की भावना को व्यवहार में उतार लिया जाए तो व्यक्ति का जीवन अधिक अनुशासित, संयमित और उपयोगी बन सकता है। अक्सर यह प्रश्न उठता है कि यदि व्यक्ति किसी कार्य को उचित समझकर करता है, तो वह निरर्थक कैसे हो सकता है? इसका उत्तर आत्मविश्लेषण में छिपा है। अनेक बार हमारा दृष्टिकोण ही सही नहीं होता। हम जिन कार्यों को आवश्यक मानते हैं, वे वास्तव में केवल आदत, मोह, आकर्षण या सामाजिक दबाव के कारण किए जा रहे होते हैं। बाद में वही कार्य समय, धन और मानसिक ऊर्जा की हानि का कारण बनते हैं। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने विचारों की दिशा को यथार्थवादी बनाए। जब सोच शुद्ध, विवेकपूर्ण और तात्त्विक होगी, तभी जीवन में सार्थकता आएगी और निरर्थक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त होने लगेंगी। जीवन को व्यवस्थित बनाने में नियमों का भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ लोग नियमों को बंधन मानते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि नियम जीवन को सरल, संतुलित और सुरक्षित बनाने के साधन हैं। मानव सभ्यता के विकास के साथ सबसे पहले नियमों का निर्माण इसलिए हुआ ताकि समाज में अनुशासन और शांति बनी रहे। परिवार, समाज और राष्ट्र की पूरी व्यवस्था नियमों के आधार पर ही संचालित होती है। जहां नियमों का पालन होता है, वहां विकास, विश्वास और सद्भाव बना रहता है। इसके विपरीत जहां नियमों की अवहेलना होती है, वहां अशांति, अव्यवस्था और संघर्ष जन्म लेते हैं। वर्तमान समय में स्वच्छंदता की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। स्वतंत्रता और स्वेच्छाचारिता के बीच का अंतर धीरे-धीरे समाप्त होता दिखाई देता है। अनेक लोग अनुशासन को अपनी स्वतंत्रता पर अंकुश मानने लगे हैं। इसका प्रभाव बच्चों और युवाओं पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। बचपन से ही यदि नियमों की उपेक्षा की आदत पड़ जाए, तो आगे चलकर वही व्यक्ति सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों की भी अनदेखी करने लगता है। यातायात के नियमों की अवहेलना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, कानूनों का उल्लंघन करना और सामाजिक मर्यादाओं की उपेक्षा करना इसी मानसिकता के परिणाम हैं। इसलिए नियमों के प्रति सम्मान का संस्कार बचपन से ही विकसित किया जाना चाहिए।

धर्म भी जीवन में नियमों और मर्यादाओं का महत्व स्थापित करता है। धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह मनुष्य को संयम, अनुशासन और आत्मनियंत्रण का मार्ग दिखाता है। व्रत, उपवास और विभिन्न धार्मिक नियम मनुष्य को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना सिखाते हैं। इनके माध्यम से सहनशीलता, धैर्य और आत्मबल का विकास होता है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करना सीख जाता है, तब उसका चरित्र अधिक सुदृढ़ बनता है और जीवन में नैतिकता तथा आत्मिक शुद्धि का विकास होता है।

व्रत और नियम जीवन की उपयोगिता को कई गुना बढ़ा देते हैं। जैसे नदी का जल अपने दोनों किनारों के बीच बहता है तो खेतों को सींचता है, प्यास बुझाता है और जीवन का आधार बनता है। लेकिन जब वही जल किनारों को तोड़ देता है तो बाढ़ का रूप लेकर विनाश फैलाता है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी तब तक उपयोगी और कल्याणकारी रहता है, जब तक वह नियमों और मर्यादाओं के भीतर संचालित होता है। मर्यादा टूटते ही जीवन में अव्यवस्था, तनाव और दुख का प्रवेश होने लगता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में सबसे अधिक आवश्यकता आत्मचिंतन की है। मनुष्य यदि प्रतिदिन कुछ समय अपने व्यवहार, विचार और कार्यों का मूल्यांकन करे, तो वह आसानी से समझ सकता है कि उसके जीवन में कौन-सी प्रवृत्तियां उपयोगी हैं और कौन-सी केवल समय और ऊर्जा का अपव्यय कर रही हैं। निरर्थक प्रवृत्तियों का त्याग किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि जागरूकता और आत्मसंयम से संभव है। यही जागरूकता व्यक्ति को श्रेष्ठ जीवन की ओर ले जाती है।

वास्तव में जीवन की सफलता केवल धन, पद या प्रतिष्ठा प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने समय, विचार और कर्मों को सार्थक दिशा देने में है। जो व्यक्ति अपने जीवन को नियमों, संयम, विवेक और उपयोगी प्रवृत्तियों से जोड़ता है, वही सच्चे अर्थों में सुखी और सफल बनता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन से निरर्थक प्रवृत्तियों का त्याग करें, सार्थक चिंतन को अपनाएं और व्रत तथा नियमों को बोझ नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने वाले पथप्रदर्शक के रूप में स्वीकार करें। यही मार्ग व्यक्तिगत उन्नति, सामाजिक समरसता और आत्मिक शांति का वास्तविक आधार है।

-कांतिलाल मांडोत

तेल-तिलहन बाजार में उठापटक, आयातकों की मजबूरी और त्योहारी मांग का असर

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में विपरीत रुझान देखने को मिला। जहां वित्तीय दबाव झेल रहे आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण आयातित खाद्य तेलों (सोयाबीन और पाम-पामोलीन) के दाम में गिरावट आई, वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग ने घरेलू तेलों जैसे सरसों और मूंगफली को मामूली मजबूती दी। बाजार सूत्रों के अनुसार पिछले सप्ताह आयातित तेलों की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण आयातक की वित्तीय दिक्कतें रहीं। ये आयातक अपना माल जल्द खपाकर बैंक ऋण चक्र बनाए रखने के लिए सोयाबीन और पाम-पामोलीन तेल को लागत से भी कम दाम पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में सोयाबीन प्लांट मालिक भी किसानों से सस्ते दाम पर सोयाबीन खरीदने की कोशिश में खरीद मूल्य घटा रहे हैं। इससे किसान अपनी आवक कम कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पहले बेहतर दाम मिल चुके हैं और अब वे सस्ते में बेचने से बचते हैं। इस दबाव ने भी सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम प्रभावित किए। कमोबेश पाम-पामोलीन का भी यही हाल रहा जिसे आयातक लागत से नीचे बेचते नजर आए। इसके विपरीत आने वाले जन्माष्टमी और रक्षा बंधन जैसे त्योहारों के लिए मिठाई और नमकीन निर्माताओं की निरंतर बढ़ती मांग ने घरेलू तेलों को सहारा दिया। इस वजह से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार देखा गया। नगण्य उपलब्धता के बावजूद औद्योगिक मांग बढ़ने से बिनौला तेल में भी मामूली तेजी दर्ज की गई।सरसों तेल दादरी 75 रुपये के मामूली सुधार के साथ 16,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,450-7,500 रुपये और 7,325-7,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,375-7,950 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये के सुधार के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 125 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 125 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 16,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आईटीआर फाइलिंग की अंतिम तिथि 31 जुलाई, चूकने पर आईटीआर-यू से सुधारें गलतियां

नई दिल्ली। एजेंसी। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई बेहद करीब है। अब तक एक करोड़ से अधिक लोग अपना रिटर्न दाखिल कर चुके हैं। यदि आपने अभी तक यह जरूरी काम नहीं निपटाया है, तो जल्द पूरा करें। साथ ही, आयकर विभाग ने उन करदाताओं को भी मौका दिया है जो पिछले सालों का रिटर्न दाखिल करना भूल गए थे या अपनी आय का सही खुलासा नहीं कर पाए थे; वे अब अपडेटेड रिटर्न के जरिए अपनी पुरानी गलतियों को सुधार सकते हैं। आईटीआर-यू, आयकर अधिनियम की धारा 139(8ए) के तहत एक विशेष सुविधा है। यह करदाताओं को सामान्य रिटर्न की समय-सीमा चूकने पर भी पुरानी आय घोषित करने और कानूनी कार्रवाई से बचने की अनुमति देती है। करदाता संबंधित असेसमेंट ईयर खत्म होने के 48 महीने (4 साल) के भीतर अपना आईटीआर-यू दाखिल कर सकते हैं। इसका उपयोग तब होता है जब आपने मूल आईटीआर दाखिल नहीं किया, पिछली रिटर्न में कुछ अतिरिक्त आय दिखाना भूल गए, अपनी आय कम दिखाई या अपनी टैक्स देनदारी सही करनी हो। हालांकि, आईटीआर-यू का उपयोग टैक्स कम करने, रिफंड क्लेम करने या नुकसान दिखाने के लिए नहीं किया जा सकता, न ही यदि आपके खिलाफ इनकम टैक्स की रेड या सर्वे हो चुका हो। आईटीआर-यू भरने पर आपको देरी के हिसाब से अतिरिक्त टैक्स देना पड़ता है- 12 महीने के भीतर कुल टैक्स और ब्याज का 25 फीसदी अतिरिक्त, और 12 से 48 महीने के भीतर 50 से 70 फीसदी तक अतिरिक्त टैक्स। आईटीआर-यू से रिफंड नहीं मिलता; यह सिर्फ बकाया टैक्स चुकाने और छूटी हुई आय बताने के लिए है। इसे भरने के लिए आपको संबंधित साल के आईटीआर फॉर्म के साथ फार्म आईटीआर-यू भी अटैच कर बकाया टैक्स और पेनल्टी जमा करने के बाद इनकम टैक्स की आधिकारिक ई-फाइलिंग वेबसाइट से ऑनलाइन सबमिट करना होगा।

आरबीआई लाएगा प्लास्टिक के नोट, 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स के लिए टेंडर जारी

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की मुद्रा प्रणाली में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है, जिसके तहत जल्द ही प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट प्रचलन में आ सकते हैं। आरबीआई की सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) द्वारा लगभग 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स खरीदने के लिए जारी किया गया हालिया टेंडर इस ओर स्पष्ट संकेत देता है कि पारंपरिक कागजी नोटों का स्थान भविष्य में प्लास्टिक नोट ले सकते हैं। यह कदम चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जो 2012-13 में कुछ शहरों में परीक्षण की पूर्व योजना के अधूरे रहने के बाद अब साकार होता दिख रहा है। विश्लेषण दुनिया के कई देश पहले से ही प्लास्टिक नोटों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं और अब भारत भी इस वैश्विक चलन का हिस्सा बनने की तैयारी में है। प्लास्टिक नोटों को अपनाने के पीछे कई ठोस कारण हैं। सबसे प्रमुख लाभ इनका अत्यधिक टिकाऊपन है; ये कागजी नोटों की तुलना में 2 से 6 गुना अधिक चलते हैं, पानी, गंदगी और फटने के प्रति अधिक प्रतिरोधी होते हैं। इससे आरबीआई को नोटों की छपाई, वितरण और नष्ट करने पर होने वाले सालाना हजारों करोड़ रुपये के खर्च में भारी कमी आएगी, क्योंकि बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी। पिछले दस वर्षों में नोटों की छपाई पर 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि इनकी लंबी उम्र संसाधनों (कागज, स्याही, पानी, ऊर्जा) की खपत कम करती है और पुराने नोटों को आसानी से रीसाइकिल करके अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए जा सकते हैं।

कच्चा तेल, कंपनियों के परिणाम और भू-राजनीतिक तनाव तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के चलते घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स पांच कारोबारी दिनों में 2,091 अंक लुढ़क गया। अब आने वाले सप्ताह में भी निवेशकों की नजर मुख्य रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, कंपनियों के तिमाही परिणामों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी, जो बाजार की दिशा तय करेगी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के कारण लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, जिसके चलते बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में पांचों दिन गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-

ईरान के बीच संभावित तनाव आगे भी बाजार पर दबाव बनाए रख सकता है और निवेशक इस क्षेत्र की हर खबर पर पैनी नजर रखेंगे। आने वाले सप्ताह में कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने हैं, जिनमें बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलएंडटी और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। इन नतीजों से कंपनियों के वित्तीय स्वास्थ्य और भविष्य की आय का स्पष्ट संकेत मिलेगा, जो बाजार के रुख को प्रभावित करेगा। इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख भी महत्वपूर्ण रहेगा; उनकी बिकवाली या लिवाली बाजार की अस्थिरता को बढ़ा या घटा सकती है। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक के फैसलों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी, खासकर ब्याज दरों को लेकर किसी भी संकेत का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 23,600 का स्तर एक महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में काम कर रहा है। यदि यह स्तर टूटता है, तो बाजार में 23,300 से 23,450 तक की और गिरावट आ सकती है।

टाटा कंज्यूमर की बढ़ती लागत, मुनाफे के बावजूद उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने संकेत दिया कि यदि इनपुट लागत में अस्थिरता बनी रहती है, तो वह अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा सकती है। यह चेतावनी तब आई है जब कंपनी ने खाने-पीने की चीजों की दमदार बिक्री और ग्रामीण भारत की मजबूत मांग के कारण एक मजबूत तिमाही लाभ दर्ज किया है। कंपनी के एक कार्यकारी ने स्पष्ट किया कि कमोडिटी और पैकेजिंग की बढ़ती लागत मार्जिन पर दबाव डाल रही है, जिससे कीमतें बढ़ाना एक मजबूरी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति ने व्यापार मार्गों को बाधित किया है और वैश्विक स्तर पर इनपुट लागत में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से यह दबाव और बढ़ गया है, जिससे भारतीय कंपनियों को अपने मार्जिन बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने, पैक का आकार घटाने या लागत में कटौती जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। 30 जून को समाप्त तिमाही में, टाटा कंज्यूमर का शुद्ध लाभ 28 फीसदी बढ़कर 4,027 करोड़ रुपये रहा, हालांकि यह विश्लेषकों के अनुमान (4,200 करोड़ रुपये) से थोड़ा कम था। कंपनी ने टाटा टी, टेटली, ऑर्गेनिक इंडिया और चिंग्स सीक्रेट जैसे ब्रांडों की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी का जिक्र किया। इस अवधि में कंपनी का कुल राजस्व 12 फीसदी बढ़कर 5,349 करोड़ रुपये रहा, जिसमें भारत में नमक और कॉफी कारोबार में क्रमशः 7 और 24 फीसदी की वृद्धि देखी गई। कंपनी का अंतर्राष्ट्रीय कारोबार भी 17 फीसदी बढ़ा।

गैस मांग बढ़ाने एलएनजी आयात क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं, और कदम उठाने होंगे-रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में प्राकृतिक गैस की दीर्घकालिक मांग बढ़ाने के लिए सिर्फ तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। अंतर्राष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार, गैस आधारित उद्योगों में निवेश तथा बाजार, नियमन एवं मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी अनिवार्य हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने एलएनजी री-गैसीफिकेशन टर्मिनल की क्षमता तो बढ़ाई है, लेकिन गैस के परिवहन और वितरण का बुनियादी ढांचा उसी गति से विकसित नहीं हो पाया है, जिससे खपत बढ़ाने की क्षमता बाधित हुई है। हालिया होर्मुज जलडमरूमध्य संकट ने भारत की गैस आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर किया है। देश अपनी प्राकृतिक गैस मांग का 50-52 प्रतिशत और एलपीजी का 60-65 प्रतिशत आयात करता है, जिसका अधिकांश मार्ग होर्मुज है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। आईजीयू ने हालांकि दीर्घकाल में स्थिति बेहतर होने की संभावना जताई है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर नई एलएनजी निर्यात परियोजनाओं से आपूर्ति बढ़ने से कीमतें घटेंगी, जिससे भारत के लिए गैस अधिक किफायती होगी। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत को एलएनजी टर्मिनल तक अधिक खुली पहुंच, प्रणाली प्रवेश शुल्क में सुधार और बाजार उदारीकरण जैसे कदम उठाने चाहिए। साथ ही, प्राकृतिक गैस को कोयले का प्रभावी विकल्प बनाने के लिए उत्तर, पूर्व और मध्य भारत में गैस पाइपलाइन नेटवर्क का तेजी से विस्तार आवश्यक है। आईजीयू का मानना है कि केवल सस्ती थोक गैस से खपत नहीं बढ़ेगी; इसके लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, गैस मूल्य निर्धारण में सुधार और व्यापक बाजार सुधारों की भी जरूरत है। विभिन्न देशों से आयात के स्रोत बढ़ाकर खाड़ी क्षेत्र के संकट जैसे जोखिमों को कम किया जा सकता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए हल्के-फुल्के मज़े और खुशियों से भरा रहेगा, जैसे दिल बस घूमने और हंसने का बहाना ढूंढ रहा हो। किसी दोस्त की एक बात मन को थोड़ी चुभ सकती है, लेकिन उसे दिल पर लेने से बेहतर है मुस्कुरा कर छोड़ देना। अगर कहीं बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं तो माता-पिता की सलाह आपके लिए शुभ साबित होगी।

वृषभ- आज आपका दिन चमकने वाला है, खासकर सामाजिक क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और कोई नई पहचान या पद आपको मिल सकता है। ऑफिस में बॉस के साथ थोड़ी तकरार हो सकती है, लेकिन अगर आप अपने अहंकार को काबू में रखेंगे तो बात आसानी से संभल जाएगी। संतान की छोटी-सी इच्छा पूरी करके आपको सुकून मिलेगा।

मिथुन- आज कार्यक्षेत्र में कोई आपको भटकाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए आंखें खुली रखें। पिताजी की कोई बात दिल को लग सकती है, लेकिन समय के साथ सब सामान्य हो जाएगा। कहीं घूमने के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आगे आपके काम आएगी। आज धैर्य आपका सबसे बड़ा साथी है। मन में कुछ नया करने की चाह जागेगी और किसी नाराज़ अपने को मनाने की कोशिश आपको रिश्तों में फिर से मिठास देगी।

कर्क- आज का दिन खुशियों और हल्की जिम्मेदारियों का मेल लेकर आया है। परिवार में किसी की शादी तय होने की खबर माहौल को उत्सव में बदल देगी। अगर कोई कर्ज था तो उसे चुकाने का रास्ता भी मिल सकता है। खुद के लिए कुछ खरीदारी करने का मन करेगा, लेकिन खर्च करते समय संतुलन बनाए रखना जरूरी है। भाग्य आपका साथ देगा और आमदनी में बढ़ोतरी के संकेत भी मिलेंगे।

सिंह- आज दिन भागदौड़ से भरा रहेगा, जैसे हर काम आपको एक साथ पुकार रहा हो। थोड़ी बेचैनी और जल्दबाजी आपको परेशान कर सकती है, इसलिए खुद को शांत रखना जरूरी है। माताजी की सलाह आज आपके लिए सही दिशा दिखा सकती है। पुराने अधूरे कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। घर में किसी नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा और एक पुरानी गलती आपको एक नया सबक सिखा जाएगी।

कन्या- आज आपका दिन हल्का-फुल्का और आनंद से भरा रहेगा, लेकिन अंदर ही अंदर आप खुद को बेहतर बनाने की कोशिश भी करेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। किसी से वादा करते समय सोच-समझकर बोलें, क्योंकि आज दिए गए शब्द भविष्य में जिम्मेदारी बन सकते हैं। संतान की ओर से खुशखबरी और करियर में आगे बढ़ने के संकेत आपके चेहरे पर चमक ले आएंगे।

तुला- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन छोटी-छोटी बातें मन को उलझा सकती हैं। पिताजी की कोई बात आपको अच्छी न लगे, साथ ही सेहत को लेकर भी थोड़ी चिंता रह सकती है। पैसों का लेन-देन सोच-समझकर करें, क्योंकि धोखे की संभावना है। जीवनसाथी काम के सिलसिले में बाहर जा सकते हैं। पुराने मित्र से मुलाकात आपके दिल को खुशी देगी और घर में चल रही कलह धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएगी।

वृश्चिक- आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी के संकेत हैं, जो आपके चेहरे पर संतोष की मुस्कान लाएंगे। हालांकि किसी सहकर्मी की बात आपको परेशान कर सकती है। आपका साहस और धैर्य आज आपको मजबूत बनाएगा। संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी दिल को खुश कर देगी। घर में सुख-सुविधाओं को बढ़ाने का मन करेगा और प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई अच्छा मौका भी हाथ लग सकता है।

धनु- आज आपके जीवन में सुविधाओं और आराम का स्तर बढ़ेगा। पिताजी किसी बात को लेकर आपसे नाराज़ हो सकते हैं, लेकिन स्थिति संभल जाएगी। बिजनेस में उतार-चढ़ाव रहेंगे, फिर भी आप लाभ कमाने में सफल रहेंगे। नए-नए आइडिया आपके दिमाग में आएंगे और अगर आप उन्हें तुरंत अपनाते हैं तो फायदा जरूर मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को अपने फैसले खुद लेने चाहिए।

मकर- आज का दिन शांत और सामान्य रहेगा, लेकिन आपको अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना होगा। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें। पिताजी की कोई बात दिल को लग सकती है, लेकिन भाई-बहनों का साथ आपको संतुलन देगा। सिंगल लोगों को अपने साथी की याद सताएगी, लेकिन भावनाओं में बहकर लिया गया फैसला आगे पछतावा दे सकता है। पुरानी गलतियों से सीख लेना ही आज की सबसे बड़ी सीख है।

कुंभ- आज बिजनेस में थोड़ा सतर्क रहने का दिन है, क्योंकि छोटी सी लापरवाही बड़ा नुकसान कर सकती है। पार्टनरशिप में भी धोखे की संभावना है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। सेहत को लेकर कुछ जरूरी जांच करानी पड़ सकती है। अगर घूमने का प्लान है तो माताजी की सलाह लेना आपके लिए शुभ रहेगा।

मीन- आज आपके अंदर कुछ नया करने का जोश उमड़ेगा, लेकिन इसी उत्साह में जल्दबाजी भी हो सकती है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और घर में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। प्रॉपर्टी खरीदने का सपना भी आज साकार हो सकता है। आसपास के लोगों से मिली सलाह आपके काम आएगी।

शब्दजाल - 8332

शब्दजाल में 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

राजस्थान, मध्यप्रदेश,उत्तर प्रदेश,बिहार, गुजरात,महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश,पंजाब

रा	क	ल	ड्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	झ	इं	म	ट	वा
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब
म	ध्य	दो	ग	ल्ता	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड़ी	सा	म	त

शब्दजाल - 8331 का हल

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	ब	त	शा	र
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढा	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	वी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कौ	या	रू
चं	बा	शु	क्र	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7276

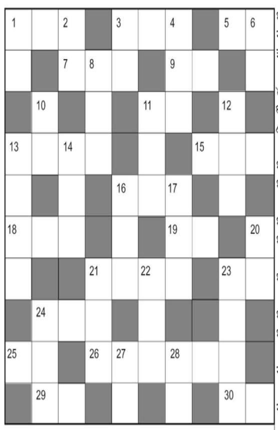

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्का की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7275

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.04 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	09.16 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.26 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.41 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.57 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	18.02 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.21 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.52 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	00.32 बजे से
		मिथुन	02.30 बजे से
		कर्क	04.44 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 208 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 16.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 10.29 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 22.55 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 16.15 बजे तदनन्तर गर 05.19 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 12.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 15'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872783
जूलियन दिन 2461248.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 12
विशेष जयापावर्ती व्रत, मंगला तेरस, डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मनुष्य की पहचान

यह उस समय की बात है, जब कबीर दास की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैलने लगी थी। लोग बड़ी संख्या में उनसे मिलने आते थे। एक दिन जब वह कपड़ा बुन रहे थे, उनके पास कई सेठ आए और बोले, 'अब आप साधारण व्यक्ति नहीं रहे। जब साधारण व्यक्ति थे तब तो आपका कपड़ा बुनना ठीक था। पर अब आप की चर्चा संत के रूप में होती है। आप को फटे-पुराने कपड़े पहने हुए देख हमें शर्म महसूस होती है। फिर आप को अपने हाथ से कपड़ा बुनने की आवश्यकता ही क्या है। अब हम लोग आप की हर जरूरत को पूरा करेंगे। आप के लिए एक भव्य आश्रम बना देंगे।' कबीर ने कहा, 'आप लोगों को देख कर मुझे शर्म आती है। पहले मैं अपने लिए कपड़ा बुनता था, मगर अब गरीब लोगों के लिए बुनता हूं। मेरी देखादेखी और लोग भी यह काम करेंगे। मनुष्य को अपनी पहचान नहीं खोनी चाहिए। आज आप उस समय हमारी मदद करने आए हैं जब मुझे आपकी सहायता की जरूरत नहीं है। आप उनकी सहायता करें जिन्हें आपकी जरूरत है। आप देखते होंगे कि काशी के घाट पर कितने लोग भूखे सोते है। उन्हें देख कर आप को शर्म महसूस नहीं होती होगी। क्योंकि आप हमारी मदद करने नहीं अपना प्रचार पाने के लिए यहां आए हैं।' यह सुन कर सभी सेठ शर्मिंदा हो गए और उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने वचन दिया कि वे हर रोज काशी के घाट पर गरीबों को खाना खिलाएंगे। तब से शुरू हुई वह परंपरा काशी में आज भी जारी है।

सूडोकु नवताल- 7585

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7584 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 8800

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8799 का हल

	क	हा	नी		प	ती	ला	
मा	ला		र		र		बा	दा
म			ब	र	दा	न		ला
ला	य	क		न		म	न	न
		र	मी		गों	की		
सू	र	त		आ		न	श्ना	र
री		ब	ह	का	ना			की
ला	ख		टा		ह		र	ब
	र	बा	ना		क	ल	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

मोबाइल टॉवर सर्वे के बहाने बुजुर्ग दंपत्ति से दिनदहाड़े डकैती, गला दबाकर लूटे 6.80 लाख

पद्मेश न्यूज। लांजी। अपराधियों ने अब भरोसे को ही अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक माह पहले मोबाइल टॉवर का सर्वे करने का बहाना और उसके एक माह बाद घर के भीतर घुसकर 79 वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति के साथ ऐसी दरिंदगी, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम कुल्पा में शनिवार दोपहर हुई इस दुस्साहसिक डकैती ने न केवल ग्रामीणों की सुरक्षा भावना को तोड़ा है, बल्कि यह भी दिखा दिया कि अपराधी कितनी सुनियोजित तैयारी के साथ वारदात को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच तेज कर दी है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिए हैं, जिनके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में लगभग 10 विशेष टीमें गठित कर विभिन्न संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक सुश्री हिना कावरे कुल्पा पहुंचीं। उन्होंने घायल बुजुर्ग दंपत्ति से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और पुलिस अधीक्षक से दूरभाष पर चर्चा कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं मामले का जल्द खुलासा करने की मांग की।

ऐसे रची गई पूरी साजिश

पुलिस और पीड़ित परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 12 से 1.30 बजे के बीच यह वारदात हुई। सेवानिवृत्त शिक्षक एवं कृषक शत्रुघ्न लिल्हारे 79 वर्ष के घर आमगांव से दो मैकेनिक पुष्पराज शिवनकर और मदन बागड़कर फ्रिज सुधारने पहुंचे। उन्होंने करीब एक घंटे तक फ्रिज की मरम्मत की। इस दौरान परिवार ने सामान्य मेहमानों की तरह उनका स्वागत किया और चाय भी पिलाई। मैकेनिकों के जाने के कुछ ही क्षण बाद चार अज्ञात व्यक्ति घर पहुंचे। उन्होंने खुद को मोबाइल टॉवर लगाने वाली कंपनी का कर्मचारी बताते हुए जमीन की नाप.जोख करने की बात कही। बुजुर्ग दंपत्ति ने उन पर भरोसा किया, उन्हें पोर्च में बैठाया, चाय पिलाई और नापने के लिए फीता भी दे दिया। लेकिन कुछ ही मिनटों में भरोसा खौफ में बदल गया।

आधार कार्ड और पासबुक मांगी.... फिर शुरू हुआ आतंक

आरोपी बातचीत करते-करते घर के भीतर पहुंचे और आधार कार्ड व बैंक पासबुक देखने की बात कही। जैसे ही दस्तावेज उनके हाथ लगे, उन्होंने हथियार निकाल लिए और बुजुर्ग दंपत्ति को बंधक बना लिया। एक आरोपी ने कमला बाई लिल्हारे का गला दबाकर उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, जबकि दूसरे ने शत्रुघ्न लिल्हारे के मुंह में लोहे की रॉड और कपड़ा ठूंसकर उन्हें बेबस कर दिया। इसके बाद दोनों के हाथ-पैर रस्सी और साड़ी से बांध दिए गए तथा विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट की गई।

कट्टा निकला....छीना-झपटी में छूट गया हथियार

घटना के दौरान जब बुजुर्ग ने प्रतिरोध करने का प्रयास किया तो एक बदमाश ने कट्टा निकाल लिया। इसी दौरान हुई छीना-झपटी में कट्टा और एक जिंदा कारतूस जमीन पर गिर गया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। यह बरामदगी इस डकैती को सामान्य लूट से कहीं अधिक गंभीर बना देती है। यदि उस दौरान गोली चल जाती, तो यह मामला डकैती से सीधे हत्या या हत्या के प्रयास में बदल सकता था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि बरामद हथियार किसका है और उसका किसी अन्य आपराधिक घटना से कोई संबंध तो नहीं है। एफआईआर के अनुसार आरोपियों ने आलमारी में रखे जेवरों के साथ.साथ महिला के शरीर पर पहने हुए आभूषण भी उतरवा लिए। बदमाश लगभग 6 लाख 80 हजार रुपये की संपत्ति लूटकर फरार हुए।

नगदी जेवरात सहित 8 से 9 लाख की डकैती

पुलिस में की गई शिकायत के अनुसार आरोपियों ने पीड़ित परिवार के यहां से करीब 5 लाख रुपये के सोने के आभूषण हार, मंगलसूत्र, कुंडल, नथ आदि, लगभग 1.80 लाख रुपये के चांदी के आभूषण, 1 लाख 80 हजार रुपये नकद, मूल आधार कार्ड, महाराष्ट्र बैंक का संयुक्त पासबुक, जियो की.पैड मोबाइल फोन लेकर फरार हो गये है। बदमाशों के जाने के बाद घायल बुजुर्ग दंपत्ति ने किसी तरह खुद को बंधन से मुक्त किया और पड़ोसियों अविनाश माहरवाड़े, प्रकाश ब्राह्मणकर तथा डॉ. बसंत हरिनखेड़े को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, 10 टीमें तलाश में जुटीं

घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें कुछ संदिग्ध बाइक पर जाते हुए दिखाई दिए हैं। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मामले के जल्द खुलासे के लिए लगभग 10 विशेष टीमें गठित की हैं। ये टीमें तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य इनपुट के आधार पर लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

एक माह में दूसरी बड़ी वारदात, लोगों में बढ़ी बेचैनी

यह उल्लेखनीय है कि 28 जून को भी लांजी में सराफा व्यापारी से लाखों रुपये के जेवरों की लूट हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। ऐसे में एक माह के भीतर दूसरी बड़ी वारदात ने क्षेत्र में कानून.व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। ग्रामीणों और व्यापारियों का कहना है कि अपराधियों के बढ़ते हौसले यह संकेत दे रहे हैं कि वे अब दिनदहाड़े भी वारदात करने से नहीं डर रहे। लोगों ने पुलिस से नियमित गश्त बढ़ाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास फिर से कायम हो सके।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े पर सांदीपनि बोलेगांव ने किया शैक्षिक आदान-प्रदान

शासकीय हाई स्कूल सुनारककोड़ी व रानककोड़ी के छात्र-छात्राओं का सांदीपनि बोलेगांव भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लांजी। नवाचार एवं प्रयोगात्मक गतिविधि के लिए प्रसिद्ध सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में 25 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत छात्र -छात्राओं एवं पालकों के साथ शैक्षिक गतिविधियों में प्रगति पर चर्चा की गई। इसी कड़ी में अन्य विद्यालयों के शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय हाई स्कूल सुनारककोड़ी से 70 छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय से प्रमोद कुमार भिमटे(प्रभारी प्राचार्य) संजय कुमार सोनवाने, संगीता घोरमारे, सविता कालबेले एवं सुनिता बडगैया भृत्य एवं शासकीय हाईस्कूल रानककोड़ी से 25 छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय से शिक्षक सुनील कुमार दमाहे, मिथलेश भगत एवं चेतन सिंह बिरनवार अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय का भ्रमण किया। सर्वप्रथम दोनों विद्यालयों से पधारे शिक्षकों एवं बच्चों का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ देकर एवं बच्चों को बिस्किट पैकेट एवं पेन देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यालय में संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया एवं बहुत ही बारीकी से प्रत्येक गतिविधि को आत्मसात किया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव के भ्रमण से हमने एक अलग परिवेश के दर्शन किए जिन्हें हम केवल फिल्मों में देखा करते थे लेकिन आज हमने प्रत्यक्ष देख कि यह वास्तव में संभव है बस जरूरत है सच्ची लगन एवं कार्य के प्रति समर्पित भाव की। हम भी निश्चित ही अपने विद्यालय में इन सभी गतिविधियों को संचालित करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर ने कहा कि हमारी भावना एकला चलो वाली नहीं हैं बल्कि हमारा उद्देश्य हमारे कौशल को सभी के साथ साझा करना है। हम चाहते हैं कि ऐसी गतिविधियों का संचालन समीप के सभी विद्यालय में संचालित हो।समीपस्थ विद्यालय से आए शिक्षक एवं विद्यार्थी निश्चित तौर पर कुछ हासिल कर जाएंगे एवं अपने विद्यालय में इसे संचालित करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे ने छात्र छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। विद्यालय के शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं छात्र छात्राओं की उपस्थित ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

विभागीय अधिकारी एवं ठेकेदार की सांठगांठ

गुणवत्ता के अभाव में समय से पहले दम तोड़ रही सड़कें

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरकार विकास के नाम पर करोड़ों रुपये मंजूर कर रही है। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे लगातार नई सड़कों की स्वीकृति दिलाने के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों की कथित लापरवाही इन प्रयासों पर पानी फेरती नजर आ रही है। एक ओर पूरक बजट वर्ष 2026-27 में नांगझिरी-बालाघाट रोड से राजमार्ग (बाजार चौक) तक डामरीकृत सड़क निर्माण के लिए रूपये 1 करोड़ 29 लाख की स्वीकृति मिली है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई पुरानी सड़कें समय से पहले ही बदहाल हो चुकी हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर लोक निर्माण से लोक कल्याण हो रहा है या ठेकेदार कल्याण क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के प्रयासों से स्वीकृत नई सड़क बनने से दखनीटोला आवास, साप्ताहिक बाजार, श्मशान घाट तथा बिसोनी क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और बरसात में कीचड़ व खराब रास्तों से राहत मिलेगी। लेकिन लोगों का कहना है कि जब पहले से बनी सड़कों की गुणवत्ता ही नहीं बचाई जा सकी, तो नई सड़क की गुणवत्ता की गारंटी कौन देगा?

राहगीर खुद लगा रहे चेतावनी के निशान

मार्ग की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर ग्रामीणों ने गड्ढों में झाड़ियां और लकड़ियां लगाकर स्वयं चेतावनी के संकेत लगाए हैं, ताकि कोई वाहन चालक दुर्घटना का शिकार न हो। इस सड़क से प्रतिदिन स्कूली छात्र-छात्राएं, किसान, ग्रामीण, एम्बुलेंस सहित सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। बरसात में सड़क की स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। लोक निर्माण विभाग अपने निर्माण स्थलों पर बड़े अक्षरों में लोक निर्माण से लोक कल्याण का नारा लिखता है, लेकिन जब करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़कें कुछ ही वर्षों में गड्ढों में तब्दील हो जाएं और शिकायतों के बावजूद सुधार कार्य न हो, तो विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्षेत्र के नागरिकों ने मांग की है कि रूपये 1.29 करोड़ की नई स्वीकृत सड़क के निर्माण की प्रत्येक चरण में गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए, ताकि भविष्य में वही स्थिति दोबारा न बने। साथ ही पीएमजीएसवाय के जर्जर हिस्से का तत्काल सुधार कराया जाए तथा पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित सड़क के गड्ढों की भी शीघ्र मरम्मत कराकर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय की जाए, जिससे सरकारी धन का सही उपयोग सुनिश्चित हो सके।

13 किलोमीटर पीडब्ल्यूडी सड़क भी जर्जर, बीच का पीएमजीएसवाय हिस्सा सबसे ज्यादा बदहाल

लांजी-बिसोनी-सोगलपुर-कलपाथरी-पाथरगांव-सिहारी मार्ग करीब 13.20 किलोमीटर लंबा है। इस मार्ग का अधिकांश हिस्सा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाया गया है, जिस पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे। सड़क पर अब जगह-जगह गड्ढे उभर आए हैं और डामर उखड़ चुका है। इससे रोजाना गुजरने वाले वाहन चालकों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग के बीच का एक हिस्सा लगभग 5 किमी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाय) के अंतर्गत निर्मित है, जिसकी हालत सबसे अधिक खराब है। इसी जर्जर हिस्से को लेकर ग्रामीणों ने पिछले वर्ष विधायक राजकुमार कर्राहे से शिकायत की थी। शिकायत के बाद विधायक ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन करीब डेढ़ वर्ष बीत जाने के बाद भी पीएमजीएसवाय की यह सड़क आज तक नहीं सुधर सकी। वहीं दूसरी ओर पीडब्ल्यूडी की सड़क भी लगातार जर्जर होती जा रही है और उसमें भी जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं।

शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकैडमी में खिलाड़ियों को दिया जागरूकता का संदेश

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत कराई गई खेल गतिविधियां

पद्मेश न्यूज। लांजी। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 मध्य प्रदेश पुलिस बालाघाट और जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है यह विशेष अभियान 15 से 30 जुलाई 2026 तक पूरे बालाघाट जिले में चलाया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाना और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रहार करना है जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी राहुल बारेसा के निर्देशानुसार जिले के लांजी विकासखंड के शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकैडमी के तत्वाधान में वालीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया साथ ही सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता संपन्न होने के पश्चात नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई गई खिलाड़ियों द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान और नशे से दूरी है जरूरी जैसे कार्यक्रमों के तहत समाज को जागरूक करने के लिए लगातार रैलियां निकाली जा रही है।

प्रतियोगिता में आए हुए पुलिस विभाग से अधिकारी ने खिलाड़ियों से अपने संवाद में कहा कि खिलाड़ियों के जीवन में नशे से दूरी अत्यंत आवश्यक है खिलाड़ियों को अनुशासन और नियमित अभ्यास करते रहना चाहिए और कहां की खिलाड़ियों को अगर किसी चीज का नशा हो तो वह सिर्फ अपने खेल को कैसे बेहतर करें एवं खेल के साथ-साथ पढ़ाई में कैसे आगे बढ़े इसकी समझाइस दी गयी। कार्यक्रम को आयोजित विकासखंड समन्वयक प्रज्ञात वासनिक द्वारा किया गया तथा बताया गया की खेलो के साथ साथ विकासखंड के अन्य विद्यालय में भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।प्रतियोगिता में सभी सीनियर खिलाड़ी भी उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

उपचुनाव के बाद लगेगी कलेक्टर्स-एसपी की क्लास

- सीएम डॉ. मोहन यादव जानेंगे पुराने टास्क और उनके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों की एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस लेने जा रहे हैं। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से इसके आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह पूरी बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की जाएगी जिसमें सरकार के एजेंडे और कानून व्यवस्था को लेकर कड़े फैसले हो सकते हैं। जानकारी के अनुसार, यह कॉन्फ्रेंस दतिया उपचुनाव के परिणाम आने के बाद होगी। मंत्रालय से मिल रही जानकारी के अनुसार इस एक्शन कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अधिकारियों को पूर्व में दिए गए टास्क और उनके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानेंगे। बैठक में कई बिंदुओं पर फोकस रहेगा। प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के उन्नयन और भूमि पूजन के बाद उनकी वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी। केंद्रीय और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन जिलों में कितना प्रभावी ढंग से हो रहा है, इसका पूरा ब्यौरा देखा जाएगा। लॉ एंड ऑर्डर- प्रदेश में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सीएम खुद कड़ा रुख अपना सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश सरकार अब विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने और आगामी वर्षों की प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। विभागवार समीक्षा और मंत्रियों के साथ वन-टू-वन बैठकों का दौर पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल्द ही मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ विशेष मंथन बैठक करेंगे। इस बैठक में सरकार के विकास एजेंडे, विभागीय लक्ष्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा होगी। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार यह बैठक केवल औपचारिक समीक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें अगले चरण के विकास रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा। विभिन्न विभागों को सौंपे गए लक्ष्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा और यह तय किया जाएगा कि किन क्षेत्रों में अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव कार्यालय ने मांगा पूरा हिसाब-किताब

कान्फ्रेंस को लेकर मुख्य सचिव कार्यालय पूरी तरह से एक्टिव मोड में है। बैठक की तैयारियों को लेकर बड़े कदम उठाए गए हैं। जिसमें जिला स्तर पर सभी विभागों का खाका और कलेक्टर्स से उनके कामकाज का पूरा हिसाब मांगा गया है। मंत्रालय स्तर पर सभी जिला कलेक्टर्स की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार की जा रही है। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार बैठक के दौरान हर संभाग का एक विशेष डिवीजन प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री की मुख्य बैठक से पहले मुख्य सचिव कार्यालय में खुद अधिकारियों के कामकाज की प्रारंभिक समीक्षा की जाएगी जिससे कमियों को पहले ही चिह्नित किया जा सके। गौरतलब है कि

पिछले एक महीने के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगभग सभी प्रमुख विभागों की अलग-अलग समीक्षा बैठकें की हैं। इसके अलावा संबंधित मंत्रियों के साथ विभागवार वन-टू-वन बैठकें भी आयोजित की गईं, जिनमें विभागों की उपलब्धियों, चुनौतियों और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अब सरकार इन सभी समीक्षाओं से प्राप्त निष्कर्षों को एक मंच पर लाकर सामूहिक रणनीति तैयार करना चाहती है। मंथन बैठक में यह भी तय होगा कि आगामी महीनों में किन योजनाओं और परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

विकास कार्यों की होगी गहन समीक्षा

बैठक में अधोसंरचना विकास, उद्योग, निवेश, कृषि, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, नगरीय विकास, ग्रामीण विकास और रोजगार जैसे प्रमुख क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन, निवेश प्रस्तावों की स्थिति, सड़क एवं रेल परियोजनाओं, जल जीवन मिशन, पीएम आवास योजना और अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की उपलब्धियों पर भी चर्चा होने की संभावना है। सरकार का प्रयास है कि विकास परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक बाधा को समय रहते दूर किया जाए और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।

कानून-व्यवस्था और योजनाओं पर रहेगा फोकस

सरकारी सूत्रों के मुताबिक यह बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इसमें विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और जनसेवा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री जिला स्तर पर चल रही प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाएं आम लोगों तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। पुलिस अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति पर भी चर्चा होगी। सरकार चाहती है कि विकास कार्यों के साथ-साथ प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत बनी रहे।

निवेश, रोजगार और आधारभूत ढांचे पर विशेष ध्यान

राज्य सरकार आगामी वर्षों में निवेश आकर्षित करने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष फोकस कर रही है। इसी दृष्टि से विभागों को स्पष्ट लक्ष्य दिए गए हैं। मंथन बैठक में यह भी तय किया जाएगा कि प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के राष्ट्रीय लक्ष्य में प्रभावी योगदान देने के लिए किन क्षेत्रों में तेजी से काम करने की जरूरत है। औद्योगिक कॉरिडोर, लॉजिस्टिक हब, आईटी निवेश, पर्यटन और कृषि आधारित उद्योगों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

सरकार का संदेश- परिणाम चाहिए, केवल योजनाएं नहीं

सरकारी हलकों में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री की यह पहल प्रशासनिक मशीनरी को स्पष्ट संदेश देने के लिए भी महत्वपूर्ण है। सरकार अब केवल योजनाओं की घोषणा से आगे बढ़कर उनके जमीनी परिणामों पर फोकस करना चाहती है। इसी वजह से मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और जिला प्रशासन को एक साझा मंच पर लाकर विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा और आगामी कार्ययोजना तय की जाएगी।

रेत माफिया हादसे की आड़ में खेल रहा खूनी खेल

-जनपद सदस्य समेत 8 को किया गया गिरफ्तार, मुख्य साजिश में अस्पताल संचालक का भी नाम

भोपाल। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले में 19 जुलाई को जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर हुई सड़क दुर्घटना, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई थी, पुलिस जांच में सुनियोजित हत्या का मामला निकला है। पुलिस के अनुसार, यह हादसा नहीं बल्कि अवैध रेत कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई का नतीजा था। छह दिन तक चली जांच के बाद पुलिस ने जनपद पंचायत सदस्य आनंद पटेल सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अब भी फरार हैं।

पुलिस के मुताबिक, मृतक राजेंद्र लोधी और उनके साथी अवैध रेत खनन एवं परिवहन के कारोबार से जुड़े थे। जांच में सामने आया कि राजेंद्र लोधी को रास्ते से हटाने के लिए पहले से साजिश रची गई थी। घटना वाले दिन उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई और उनकी लोकेशन मुख्य आरोपी तक पहुंचाई जाती रही। जैसे ही राजेंद्र अपने साथियों के साथ निर्धारित स्थान पर पहुंचे, सड़क के दोनों ओर पहले से तैनात हाईवा वाहनों का इस्तेमाल कर उनकी गाड़ी को कुचल दिया गया, जिससे राजेंद्र लोधी सहित पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों में जबलपुर निवासी राजेंद्र लोधी (28), वीरेंद्र लोधी (20), राजपाल लोधी (21), जयपाल लोधी (30) और नीरज लोधी (30) शामिल हैं। घायल युवक का उपचार जबलपुर में जारी है।

जांच के दौरान घटनास्थल से टाटा वाहन का टूटा हुआ अंग्रेजी अक्षर ए बरामद हुआ। इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। इसके बाद हत्या में इस्तेमाल हाईवा को हीरापुर-बंदरोहा के जंगल से बरामद किया गया। पूछताछ में एक आरोपी ने कथित रूप से पूरी साजिश का खुलासा किया, जिसके बाद पुलिस ने क्रमशः अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हाईवा के अलावा थार और फॉर्च्यूनर वाहन भी जब्त किए हैं। जांच में जबलपुर स्थित एक निजी अस्पताल के संचालक डॉ. अमित खरे का नाम भी सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि उन्होंने घटना को सड़क हादसा दिखाने और साक्ष्य छिपाने के संबंध में कथित सलाह दी थी। पुलिस इस पहलू की भी विस्तृत जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, राजेंद्र लोधी और मुख्य आरोपी आनंद पटेल के बीच अवैध रेत कारोबार में वर्चस्व और आर्थिक हितों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि इसी रंजिश के चलते हत्या की योजना बनाई गई। फिलहाल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

लोकायुक्त पुलिस के 38 खात्मा आवेदन खारिज, जांच पर उठे सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस की जांच प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में है। पिछले छह महीनों के दौरान लोकायुक्त पुलिस ने विभिन्न भ्रष्टाचार संबंधी मामलों में विशेष अदालतों के समक्ष 38 खात्मा (क्लोजर) आवेदन प्रस्तुत किए। अदालत ने इनमें से एक भी आवेदन स्वीकार नहीं किया। सभी मामलों में न्यायालय ने अतिरिक्त जांच के निर्देश दिए या उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण को आगे बढ़ाने की बात कही।

इस घटनाक्रम के बाद लोकायुक्त पुलिस की कार्यप्रणाली और जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। कानूनी जानकारों का कहना है, बड़ी संख्या में खात्मा आवेदन लगातार विशेष अदालत से अस्वीकार हो रहे हैं। यह लोकायुक्त पुलिस के जांच की गुणवत्ता और विवेचना पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। वहीं भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को बचाने के लिए भ्रष्टाचार के आरोप भी लोकायुक्त पुलिस पर लगने लगे हैं। प्रभावशाली भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को राहत देने के उद्देश्य से कमजोर जांच और क्लोजर रिपोर्ट के माध्यम से भ्रष्टाचार का नया खेल शुरू हो गया है।

न्यायालय में खात्मा रिपोर्ट स्वीकार नहीं किए जाने के बाद यह मामला राज्य में भ्रष्टाचार निरोधक तंत्र की विश्वसनीयता को लेकर नई बहस को जन्म दे रहा है।

दतिया उपचुनाव : निष्पक्ष मतदान के लिए सात पुलिस अधिकारियों का तबादला

भोपाल। दतिया विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-22 के उपचुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के पालन में सात निरीक्षक एवं उप निरीक्षक स्तर के पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशों के अनुसार दतिया विधानसभा क्षेत्र में पदस्थ अधिकारियों को अन्यत्र स्थानांतरित कर उनके स्थान पर नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के तहत अजाक थाना दतिया में निरीक्षक केहरी परिहार के स्थान पर निरीक्षक मेलीराम उइके की पदस्थापना की गई है।

इसी प्रकार थाना सिविल लाइन दतिया में उप निरीक्षक अमित ओसारे के स्थान पर भोजराम भगत, थाना बड़ौनी में नीरज कुमार के स्थान पर कौशलेन्द्र सिंह गुर्जर, थाना जिगना में रचना माहौर के स्थान पर राजीव बिरथरे, थाना गोराघाट में अर्चना पाल के स्थान पर बलराम मांझी, थाना धीरपुरा में भूपेन्द्र सिंह जाट के स्थान पर भुवनेश शर्मा तथा थाना बड़ौनी में हरिओम शर्मा के स्थान पर हरिकेश बघेल की नियुक्ति की गई है।

निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप की गई इस प्रशासनिक कार्रवाई का उद्देश्य दतिया उपचुनाव के दौरान निष्पक्ष कानून-व्यवस्था बनाए रखना और मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। सभी नवपदस्थ अधिकारियों को तत्काल अपने नए कार्यस्थल पर कार्यभार संभालने के निर्देश जारी किए गए हैं।

फिर से बनेगी अवैध कॉलोनियों की सूची... एफआईआर कराएंगे दर्ज

प्रशासन और निगम के पास पहले से ही एक हजार अवैध कॉलोनियों की सूची मौजूद, अब शासन द्वारा लाए जा रहे नए कानून के चलते कॉलोनी सेल तैयार करेगा सूची, साथ में बनेगी एसओपी भी

भोपाल। सालों से शासन-प्रशासन, नगर निगम अवैध कॉलोनियों को वैध करने की कवायद में जुटा है और गिनती की कॉलोनियां ही वैध की जा सकी, क्योंकि कायदे-कानून इतने जटिल है कीं, साथ ही विकास शुल्क की राशि जमा नहीं कराई जाती। अभी तक निगम ने जो कॉलोनियां वैध की है उसमें से 90 फीसदी से ज्यादा कॉलोनियों में विकास शुल्क की राशियां ही जमा नहीं हो सकी। वहीं दूसरी तरफ शासन अवैध कॉलोनियों पर पूर्ण नियंत्रण के लिए कड़े कानूनी प्रावधान लागू करने जा रही है। दूसरी तरफ प्रशासन भी नए सिरे से अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार करवाने और इनसे जुड़े कॉलोनाइजरों पर एफआईआर दर्ज करवाने के दावे कर रहा है। कॉलोनी सेल इसके लिए एक एसओपी भी तैयार करेगा। अभी जनसुनवाई में संस्थाओं की जमीनों के साथ अवैध कॉलोनियों की शिकायतें भी सबसे अधिक आती है।

बीते 20 सालों में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की सरकार अवैध कॉलोनियों को वैध करने का ढिंढोरा पीटती है और नतीजे में अभी तक ये कॉलोनियां वैध ही नहीं हो सकी है। मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम 2021 के तहत वर्तमान में नियमितिकरण की जो प्रक्रिया चल रही है उसमें भी किसी भी कॉलोनी को नियम मुताबिक वैध करने की प्रक्रिया तो है ही नहीं, उसकी बजाय अधोसंरचना की अनुमति दी जाती है, जिसमें बगीचे, खुली जगह, सड़क, पेयजल, ड्रैनेज विकसित किया जाना है। निगम और कलेक्ट्रेट का कालोनी सेल लगातार अवैध कॉलोनाइजेशन के खिलाफ कार्रवाई करता रहा है। मध्यप्रदेश शासन भी अवैध कॉलोनियों पर सख्ती से रोक के लिए कानून बना रहा है और इसके लिए मध्यप्रदेश कानून अधिनियम-2026 को लाया जा रहा है। नगरीय प्रशासन और विकास विभाग ने इससे जुड़े प्रावधान तैयार कर लिए हैं। शासन-प्रशासन का यह भी दावा है कि इस नए कानून में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की कॉलोनियों के तो अभी वर्तमान में अलग-अलग नियम और प्रक्रिया है, उसे भी समाप्त कर दिया जाएगा और एक समान अनुमति मिलेगी और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई भी एक जैसी हो सकेगी। इसके लिए एक डिजिटल पोर्टल तैयार किया जाएगा, जिसमें संबंधित विभाग जुड़े रहेंगे। अवैध कॉलोनियों में जमीनों की खरीद-फरोख्त या भूखंडों की खरीदी-बिक्री के लिए भी पंजीयन विभाग को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

2016 से काल्पनिक पदोन्नति का लाभ देने की मांग

- कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारी को दी गई काल्पनिक पदोन्नति की तर्ज पर प्रदेश के सभी विभागों और अर्द्धशासकीय संस्थानों के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को वर्ष 2016 से काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दिया जाए। साथ ही पुनरीक्षित वेतन निर्धारण के आधार पर पेंशन का पुनर्निर्धारण कर आर्थिक लाभ भी प्रदान किया जाए। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने हाल ही में आदेश जारी कर विभाग के सहायक संचालक के.एस. पेंड्रो को सेवानिवृत्ति के बाद उप संचालक पद पर काल्पनिक पदोन्नति प्रदान की है। इसके साथ ही पुनरीक्षित वेतन निर्धारण कर उन्हें पेंशन संबंधी आर्थिक लाभ भी दिया गया है। अशोक पांडे ने कहा कि इसी व्यवस्था का अनुसरण करते हुए प्रदेश के उन लाखों कार्यरत और सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को भी काल्पनिक पदोन्नति का लाभ दिया जाना चाहिए, जो वर्षों तक पदोन्नति नहीं मिलने से प्रभावित हुए। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन बढ़ेगी, जबकि कार्यरत कर्मचारियों को पद और वेतनमान का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जब न्यायालय की ओर से पदोन्नति पर कोई रोक नहीं थी, तब भी राज्य सरकार ने लगभग नौ वर्षों तक पदोन्नति प्रक्रिया लंबित रखी, जिसका खामियाजा बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों को भुगतना पड़ा।

भोपाल में 3 साल बाद कटेगा निशातपुरा स्टेशन का फीता

भोपाल। करोड़ों रुपये की लागत से बनकर तैयार होने के बावजूद लंबे समय से बंद पड़े निशातपुरा रेलवे स्टेशन का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अब 28 जुलाई को स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। पहले यह कार्यक्रम 26 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया।

सांसद आलोक शर्मा ने संसद भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर स्टेशन का संचालन जल्द शुरू कराने का आग्रह किया। इसके बाद रेल मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां तत्काल पूरी करने के निर्देश दिए। अब 28 जुलाई को आयोजित होने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में रेल मंत्री नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री, सांसद और स्थानीय जनप्रतिनिधि स्टेशन परिसर में मौजूद रहेंगे।

दो ट्रेनों का होगा संचालन

स्टेशन के शुरू होते ही इंदौर-जम्मूतवी मालवा एक्सप्रेस और जबलपु-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का संचालन निशातपुरा रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। भविष्य में अन्य ट्रेनों के ठहराव और संचालन के लिए भी रेलवे से मांग की जाएगी।

तीन लाख से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, निशातपुरा स्टेशन शुरू होने से करीब तीन लाख से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। भोपाल जंक्शन और रानी कमलापति स्टेशन पर यात्रियों का दबाव कम होगा तथा भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को नजदीक से रेल सुविधा मिल सकेगी।

अभी बनी रहेंगी कुछ चुनौतियां

हालांकि स्टेशन शुरू होने के बावजूद यात्रियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्टेशन तक पहुंचने के लिए अप्रोच रोड और शहर से सीधी कनेक्टिविटी अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य जारी है, जिससे आवागमन प्रभावित है। साथ ही स्टेशन पर जलापूर्ति और कुछ अन्य परिचालन सुविधाएं भी अभी पूरी तरह विकसित नहीं हो सकी हैं।

हर विधानसभा में खुलेगी कृषि यंत्र किराए की दुकान

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश की हर विधानसभा में कम से कम एक कृषि यंत्र किराये की दुकान (कस्टम हायरिंग सेंटर) खोलने की तैयारी है। इस पहल का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को कम लागत पर आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना महंगे यंत्र खरीदे खेती के सभी कार्य आसानी से कर सकें। सरकार के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल 5260 कृषि यंत्र किराया केंद्र संचालित हैं। अब हर साल 1060 नए केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कृषक कल्याण वर्ष के दौरान इस योजना के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। मध्य प्रदेश अब केवल खेती में ही नहीं, बल्कि कृषि यंत्रों के निर्माण में भी तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। इस दिशा में विदिशा जिला एक मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। जिले में करीब 150 कृषि उपकरण निर्माण इकाइयां संचालित हैं, जहां ग्रेडर, लेवलर, हाइड्रोलिक ट्रॉली, कल्टीवेटर, प्लाऊ, लोडर और डिलोडर जैसे आधुनिक कृषि उपकरण तैयार किए जा रहे हैं। यहां निर्मित उपकरणों की मांग न केवल देश के कई राज्यों में है, बल्कि विदेशों तक भी पहुंच चुकी है। सरकार का मानना है कि हर विधानसभा में कृषि यंत्र किराया केंद्र खुलने से छोटे और सीमांत किसानों को न्यूनतम शुल्क पर आधुनिक कृषि मशीनें उपलब्ध होंगी। इससे खेती की लागत कम होगी, उत्पादकता बढ़ेगी और ग्रामीण युवाओं के लिए कृषि यंत्र उद्योग में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

मंत्री-सांसद और विधायक बनेंगे विशेष आमंत्रित सदस्य

भाजपा की कार्यसमिति का होगा विस्तार, 100 से ज्यादा विशेष आमंत्रित सदस्य जुड़ेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा अपने संगठनात्मक ढांचे को और व्यापक बनाने की तैयारी में है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में होने वाली पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक अब अगस्त में आयोजित होगी। इससे पहले पार्टी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, निगम-मंडल पदाधिकारियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल करेगी। पार्टी का मानना है कि इससे सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को गति मिलेगी।

जुलाई में ओरछा में प्रस्तावित कार्यसमिति बैठक दतिया विधानसभा उपचुनाव और विधानसभा के मानसून सत्र के कारण स्थगित कर दी गई थी। अब चुनावी व्यस्तताएं समाप्त होने के बाद संगठन इसे अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित करने की तैयारी कर रहा है।

100 से अधिक विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे शामिल

भाजपा सूत्रों के अनुसार विधानसभा के मानसून सत्र के बाद विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची जारी की जाएगी। इनमें मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, निगम-मंडल पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया जाएगा। अनुमान है कि विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या 100 से अधिक होगी। दरअसल, हाल ही में गठित प्रदेश स्तरीय समितियों में कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी शामिल नहीं हो पाए थे। अब संगठन उन्हें निर्णय प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विशेष आमंत्रित सदस्य का दर्जा देगा, ताकि संगठनात्मक बैठकों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

चुनावी रणनीति होगी बैठक का मुख्य एजेंडा

अगस्त में प्रस्तावित दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक को भाजपा आगामी चुनावों की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मान रही है। बैठक में विशेष रूप से जिन विषयों पर मंथन होगा, उनमें नगरीय निकाय चुनाव की रणनीति, पंचायत चुनाव की तैयारी, बूथ सशक्तिकरण अभियान, सदस्यता अभियान की समीक्षा, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति और सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय शामिल हैं। बैठक में प्रदेशभर से आने वाले कार्यसमिति सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य आगामी राजनीतिक चुनौतियों और संगठनात्मक कार्यक्रमों पर अपने सुझाव भी देंगे।

बूथ प्रबंधन रहेगा सबसे बड़ा फोकस

भाजपा नेतृत्व का मानना है कि चुनावी सफलता की सबसे मजबूत नींव बूथ स्तर का संगठन है। इसी कारण बैठक में बूथ प्रबंधन, पन्ना प्रमुख व्यवस्था, सक्रिय कार्यकर्ता नेटवर्क और जनसंपर्क अभियान को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

प्रदेश भाजपा पहले ही 106 सदस्यीय प्रदेश कार्यसमिति का गठन कर चुकी है। इसके अतिरिक्त 41 नेताओं को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। कार्यसमिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

पदोन्नति के विवाद बढ़ा रहे सरकार की परेशानी

- अब ऊर्जा विभाग में गड़बड़ी, बिजली कम्पनियों में अभियंताओं को नहीं दिया जा रहा प्रमोशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में पदोन्नति नियम-2025 लागू होने के बाद विभागों में प्रमोशन को लेकर विवाद सामने आ रहे हैं। सामान्य प्रशासन और वाणिज्यिक कर विभाग के बाद अब ऊर्जा विभाग की बिजली कंपनियों में भी इंजीनियरों ने पदोन्नति नहीं मिलने का आरोप लगाया है। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ऊर्जा मंत्री को भेजी है। संघ का कहना है कि पात्र इंजीनियर होने के बावजूद अधिकारियों की मनमानी से प्रमोशन नहीं दिए जा रहे हैं। अभियंता संघ का कहना है कि सरकार चाहती है कि खाली पद जल्द भरे जाएं, ताकि कामकाज बेहतर हो और नए लोगों को रोजगार मिले। लेकिन बिजली कंपनियों में इसके उलट हो रहा है। जुलाई 2026 में मंडल कैडर के अधिकारियों को पदोन्नति दे दी गई, जबकि कंपनी कैडर के पात्र और वरिष्ठ इंजीनियर अब भी इंतजार कर रहे हैं।

69 और 72 पद खाली, फिर भी प्रमोशन नहीं

संघ के अनुसार, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में सहायक अभियंता से कार्यपालन अभियंता के करीब 69 पद खाली हैं। वहीं मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में ऐसे 72 पद रिक्त हैं।

27 जुलाई से 15 अगस्त तक भोपाल की ई-बसों में मुफ्त सफर

भोपाल। भोपाल में 27 जुलाई से 15 अगस्त तक यात्रियों को शहर की ई-बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शुरू की गई, इस विशेष पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है, यातायात का दबाव कम करना है। इस अवधि में सभी प्रमुख रूटों पर ई-बसें बिना किराये के संचालित होंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए बोर्ड ऑफिस चौराहे को केंद्रीय ट्रांजिट हब बनाया गया है। जहां से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए ई-बसों का संचालन और रूट का समन्वय किया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने तथा सार्वजनिक परिवहन को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया

3-0 से टी-20 सीरीज जीती, वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए; मयंक यादव को 3 विकेट

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन (29) ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी संभाली। ईशान के आउट होने के बाद वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की। 193 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे ने पहली बॉल पर विकेट गंवा दिया। टीम के लिए रयान बर्ल ने सबसे ज्यादा नाबाद 54 रन बनाए।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे सुंदर

नितीश और राणा का भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की सीरीज में भारतीय टीम को ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के बिना ही उतरना पड़ेगा। सुंदर चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। सुंदर का बाहर होना भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि वह स्पिनर होने के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से गाले में पहल टेस्ट खेलना है। सुंदर को इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में लगी थी। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। वहीं कहा जा रहा है अगर वह फिट हुए तो दूसरे मैच के लिए उनके नाम पर विचार हो सकता है। सुंदर के अलावा सुंदर के अलावा, चोटिल ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा के

भी इस दो टेस्ट मैचों के दौरे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनने की संभावना कम है। इन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से टीम इंडिया को गेंदबाजी में नये विकल्प तलाशने होंगे। भारतीय टीम भारत अगले महीने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। पहला टेस्ट 15-19 अगस्त तक गाले में खेला जाएगा, जो कि एक ऐतिहासिक मैदान है। वहीं, दूसरा और अंतिम टेस्ट 23-27 अगस्त तक कोलंबो (एसएससी) में होगा। यह सीरीज विश्वक टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्यूटीसी) का हिस्सा होने के कारण काफी अहम मानी जा रही है।

वहीं मुख्य स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। बुमराह 30 जुलाई तक आराम करेंगे और उसके बाद बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। बुमराह की वापसी का इंतजार है, लेकिन इस सीरीज में उनकी अनुपस्थिति से तेज गेंदबाजी आक्रमण पर भी अतिरिक्त दबाव रहेगा। इन चोटों के मद्देनजर, चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन के सामने पहले टेस्ट के लिए एक मजबूत और संतुलित अंतिम ग्यारह का चयन करने की चुनौती बढ़ गई है।

अभिषेक ने तीन विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

हरारे। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच क्रिकेट मैच में एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अभिषेक इस मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर गेंदबाजी में उन्होंने कमाल कर दिया। अभिषेक ने 2.5 ओवर में केवल 17 रन देकर 3 विकेट ले लिये। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान वह 8 गेंद में 2 चौके लगाकर केवल 8 रन ही बना पाये थे।

अभिषेक अब एकमात्र ऐसे सलामी बल्लेबाज बन गये हैं जिन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लिए हैं। अभिषेक के अलावा कई अन्य सलामी बल्लेबाज टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऐसा नहीं कर पाया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक की घातक गेंदबाजी से भारतीय टीम ने ये मैच 90 रनों से जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली हैं। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। हारने के बाद टीम इंडिया को पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था. बल्लेबाजी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक के अलावा वैभव सूर्यवंशी भी 9 गेंद में केवल 20 रन ही बना पाये पर मध्यक्रम ने अच्छी बल्लेबाज कर पारी संभाली। ईशान किशन ने 44 गेंद में 81 रनों की पारी खेली जबकि तिलक वर्मा ने 29 गेंद में नाबाद 60 रन बनाए। वहीं कप्तान श्रेयस ने 25 रन बनाये। इससे भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 219 रन बनाये। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.5 ओवर में 129 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से अभिषेक के 3 विकेट के अलावा यश ठाकुर और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए। स्पिर रवि बिश्नोई, तिलक वर्मा और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट लिया।

अनाहत ने रचा इतिहास, जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियन जीतने वाली पहली भारतीय बनी

ओटावा। भारत की 18 साल की अनाहत सिंह ने कनाडा के नियाग्रा-ऑन-द-लेक में आयोजित विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 में खिताबी जीत के साथ ही इतिहास रच दिया है। अनाहन ने लड़कियों के एकल मुकाबले के फाइनल में मिस्र की रुकैया सलेम को सीधे गेमों में 3-0 (11-3, 11-7, 11-7) से हराकर खिताब जीता। इसी के साथ ही मिस्र की खिलाड़ियों का एक दशक से अध्रिक समय से जारी जीत का सिलसिला टूटा गया है। अनाहत यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं, जिससे भारतीय खेल जगत में उत्साह की लहर है।

इस टूर्नामेंट में भारत की नंबर 1 खिलाड़ी अनाहत ने दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की सलेम को फाइनल में कोई अवसर नहीं दिया। इसी के साथ ही अनाहत ने साल 2005 में जोशना चिनप्पा द्वारा बनाए गए उपविजेता के रिकॉर्ड को

भी तोड़ दिया। पिछले दो दशकों से अधिक समय से जोशन कही फाइनल में पहुंची थी पर वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

विश्व मे 20 वीं वरीयता प्राप्त अनाहत ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए विरोध खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिय। उन्होंने पूरे सप्ताह अपनी असाधारण फॉर्म जारी रखी और कुल छह मैचों में केवल दो सेट ही खोये। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में तो वह बिना कोई सेट हारे सीधे जीत दर्ज करने में सफल रहीं।

अनाहत ने अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर लिली विल्सन को 3-0 से हराकर की थी। इसके बाद उन्होंने हांगकांग चीन की पुई यिन क्लोई लो और मलेशिया की डॉयस ये सैन ली को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीन मिस्र की खिलाड़ियों को हराकर उनका दबदबा समाप्त कर दिया। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में हबीबा रिज़क को 3-1 से जबकि सेमीफाइनल में बारब सामेह को 3-1 (11-3, 8-11, 11-4, 11-6) से हराया और अंत में सलेम को हराकर फाइनल जीता। लड़कियों के एकल में अनाहत ही फाइनल तक पहुंचीं, जबकि रुद्र सिंह, अनिका दुबे और सान्वी कलंकी तीनों राउंड ऑफ 32 में ही बाहर हो गईं। दूसरी ओर लड़कों के एकल में आर्यवीर दीवान राउंड ऑफ 16 में पहुंच गये हैं।

शिखर धवन ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनने पर अनाहत को बधाई दी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने पर युवा खिलाड़ी अनाहत सिंह को बधाई दी है। 18 साल की अनाहत यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। जिसके बाद से ही उन्हें खेल जगत से बधाइयां मिली रही हैं। भारत की अनाहत ने नियाग्रा-ऑन-द-लेक, ओंटारियो में खेले गए फाइनल मुकाबले में मिस्र की रुकैया सलेम को सीधे सेटों में हराकर अपने करियर में सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही, अनाहत ने महिला इवेंट में मिस्र के 15 साल से जीत के सिलसिले को भी रोक दिया है।

धवन ने सोशल मीडिया पर अनाहत को जीत की बधाई देते हुए अपनी पोस्ट में लिखा, इतिहास रचा गया! वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर अनाहत को बधाई।

पूर्व तेज गेंदबाज मखाया एंटिनी का फटे जूतों से शुरू हुआ था सफर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मखाया एंटिनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण की प्रेरणादायक मिसाल है। मखाया एंटिनी ने कठिन परिस्थितियों को पीछे छोड़कर अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर दुनिया में पहचान बनाई। बेहद साधारण परिवार में जन्मे एंटिनी ने बचपन में गरीबी के बावजूद अपने संघर्ष और लगन के बल पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 662 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में अपनी जगह बनाई। मखाया एंटिनी ने वर्ष 1998 में दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। अपने करियर के दौरान उन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मिलाकर 284 मैच खेले और कुल 662 विकेट हासिल किए। तेज रफ्तार, अनुशासित गेंदबाजी और निरंतर प्रदर्शन के कारण वे लंबे समय तक दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ बने रहे। एंटिनी का बचपन पूर्वी केप प्रांत के छोटे से गांव मडिंगी में बीता।

आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण उनके पास क्रिकेट खेलने के लिए न तो किट थी और न ही अच्छे जूते। बचपन में वह मवेशी चराने का काम करते थे और अक्सर नंगे पैर ही दौड़ते थे। जब उन्होंने स्थानीय स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया तो उन्हें केवल गेंदबाजी करने का मौका मिलता था। अभ्यास के दौरान कई बार उन्हें फटे हुए जूतों को तार से बांधकर खेलना पड़ता था, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। मखाया एंटिनी ने एक साक्षात्कार में बताया था कि शुरुआती दिनों में उनके लिए क्रिकेट केवल मनोरंजन का माध्यम था। उस समय उन्हें यह विश्वास भी नहीं था कि वे कभी राज्य या राष्ट्रीय टीम तक पहुंच पाएंगे। उस दौर में दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट पर श्वेत खिलाड़ियों का वर्चस्व माना जाता था, इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सपना उनके लिए बहुत दूर की बात थी। एंटिनी के जीवन में बड़ा बदलाव तब आया जब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर और विकास कार्यक्रम से जुड़े ग्रेग हेस की नजर उनकी प्रतिभा पर पड़ी।

भारतीय वेटलिफ्टर ऋषिकांत ने राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीता

ग्लास्गो। स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों में रविवार को भारतीय वेटलिफ्टर चनांबम ऋषिकांत सिंह ने रजत पदक जीता। ऋषिकांत ने पुरुषों के 60 किलोग्राम भार वर्ग में शानदर प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जिससे भारत को इन खेलों का दूसरा पदक मिला है। वहीं मलेशिया के बिन कासदान मोहम्मद अनिक ने इसी स्वर्ण पदक जीता जबकि केन्या के जोशुआ अमूंगा म्बोया ने कांस्य पदक हासिल किया।

इसी के साथ ही भरत को इन खेलों में दूसरा पदक मिला है। इससे पहले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुषों की हैवीवेट कैटेगरी में कांस्य पदक जीता थ। ऋषिकांत ने कुल 11 खिलाड़ियों में दूसरा स्थान हासिल कर रजत जीता। ऋषिकांत ने स्नैच वर्ग में पहले ही प्रयास में 116 किलोग्राम वजन उठाकर अच्छी शुरुआत की। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 119 किलोग्राम और तीसरे में 121 किलोग्राम वजन उठाया। उनकी तीनों कोशिशें सफल रहीं और 121 किलोग्राम वजन लिफ्ट स्नैच कैटेगरी में उठाने के साथ ही उन्होंने एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। स्नैच कैटेगरी के अंत में, ऋषिकांत 121 किलोग्राम के साथ शीर्ष पर थे पर मलेशिया के बिन कासदान मोहम्मद अनिक भी इसी वजन के साथ उनके बराबर थे, जिससे क्लीन एंड जर्क राउंड में कांटे का मुकाबला हुआ।

क्लीन एंड जर्क सेक्शन में ऋषिकांत ने पहले प्रयास में 143 किलोग्राम वजन आसानी से उठाया पर दूसरे में जब उन्होंने 148 किलोग्राम वजन उठाने का प्रयास किया, तो वे इसमें सफल नहीं हो पाए। वहीं मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी अनिक को बढ़त बनाने का अवसर प्रदान किया। अनिक ने अपनी दूसरी कोशिश में 149 किलोग्राम वजन उठा लिया। ऋषिकांत को अपनी आखिरी कोशिश में 151 किलोग्राम वजन उठाना अनिवार्य था। पर वह सफल नहीं हुए। इससे उन्हें रजत ही मिल पाया। ऋषिकांत का कुल वजन 271 किलोग्राम रहा, जबकि मलेशियाई स्वर्ण पदक विजेता अनिक ने 273 किलोग्राम के कुल वजन के साथ प्रतियोगिता समाप्त की।

तिलक टी20 में सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

हरारे। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम दर्ज की है। तिलक की इस पारी से भारतीय टीम सीरीज में 90 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। तिलक ने अपनी इस पारी से पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना के रिकार्ड भी तोड़ दिये। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही तिलक अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में तिलक ने 29 गेंदों में 5 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से नाबाद 60 रन बनाये। इससे अब उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 58 मैचों की 55 पारियों में कुल 1634 रन हो गये हैं। इस दौरान उनका औसत 44.16 रन रहा जबकि स्ट्राइक रेट 145.37 का रहा है। इससे तिलक की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। तिलक के नाम दो शतक और नौ अर्धशतक हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 120 रन है। इस तरह उन्होंने धोनी और रैना के साथ ही ईशान किशन को भी पीछे छोड़ दिया है।

पूर्व कप्तान धोनी ने अपने करियर में 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1617 रन बनाए थे, जिसमें उनके दो अर्धशतक शामिल थे। वहीं रैना ने भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.18 की औसत और 134.87 के स्ट्राइक रेट से 1605 रन बनाए थे। रैना के नाम शतक और पांच अर्धशतक भी हैं।

गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में, कप्तान रोहित शर्मा 4231 रनों के साथ नंबर एक हैं। वहीं विराट कोहली 4188 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इन दोनों ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी जिला-बालाघाट(म.प्र.)

E-mail- Cmowaraseoni@mapurban.gov.ina

क्रमांक / 2166/ स्व.शा./न.पा.प. / 2026 वारासिवनी तारीख 24/07/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबधित को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 एवं संचानालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. भोपाल द्वारा जारी पत्र क्र. 16932 दिनांक 16.05.2026 अनुसार अधिसूचित किया गए है। जो दिनांक 1 अप्रेल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गये है और निकाय सीमा क्षेत्र अन्तर्गत नवीन ठोस अपशिष्ठ प्रबधंन नियम 2026 लागू कर दिये गये है। उक्त नियम के नियम क्र. 3 (झ/द्व), 6 एवं 10 मे थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator (BWG) को श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा इस प्रकार है- भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो ईकाईया जो निम्नलिखित मानदंडो मे से कम से कम एक को पूरा करते हो

(1) 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Flore Area) वाले भवन या

(2) प्रतिदिन 40,000 लीटर पानी की खपत या

(3) प्रतिदिन 100 किलोग्राम ठोस अपशिष्ठ उत्पादन सम्मिलित है।

उपरोक्तानुसार नगरपालिका परिषद वारासिवनी सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल रेस्टारेन्ट धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदण्ड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबधंन अधिनियम 2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की क्षेणी में माने जायेगे ऐसे थोक कचरा उत्पादको को ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन अधिनियम 2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश-

01.सभी थोक कचरा उत्पादको को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीयकृत पोर्टल(Centralised portal) पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।

02.संस्थान में उत्पन्न गिले सूखे एवं घरेलू खतरनाक अपशिष्ट को पृथकीकृत कर एकत्र करना।

03. एकत्र गिले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना।

04. पीट कम्पोस्टिंग, बायोगैस या ओडब्लू सी मशीन या अन्य माध्यमो से कचरे का निष्पादन करना।

05.. प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयर टेकर को नियुक्त करना।

06. निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना।

07. संस्थान से निकलने वाले गीले सुखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्रहण को सौंपना।

08. प्रतिदिन प्रसंस्करण किये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लाक बुक का संधारण करना।

09.यदि संस्थान अपने परिसर से ही गीले कचरे के प्रंसस्करण करने में असमर्थ है तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रंसस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक कचरा अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र (E&tended Bulk Waste Generator Responsibilty)(EBWGR Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करे।

10. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क, 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानो का पालन किया जाना अनिवार्य है।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करे अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जावेगी यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लघंन करते पाये जाते है तो संबधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी एवं प्रतिदिन के मान से अर्थदण्ड आरोपित किया जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
नगर पालिका पालिका परिषद जिला बालाघाट (म.प्र.)

भारतीय टीम आईसीसी टी20 रैंकिंग में फिर नंबर एक पर पहुंची

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंग गयी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज जीतने के साथ ही भारतीय टीम को एक बार फिर पहला स्थान मिला है। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने इंग्लैंड को दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। इससे सबसे छोटे प्रारुप में एक बार फिर भारतीय टीम का दबददबा साबित हुआ है। आईसीसी की ताजा पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में भारतीय टीम अब नंबर एक पर है। वहीं हाल में इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ जीत के बाद नंबर एक स्थान हसिल कर लिया था।

महिला टीम को चीन से हार के कारण रजत मिला

एफआईएच यूथ हॉकी एशियन चैंपियनशिप : भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण जीता

मस्कट। भारतीय सब जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने यहां आयोजित एफआईएच यूथ हॉकी एशियन चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। रोमित पाल, कप्तान केतन कुशवाहा और शाहरुख अली के गोल से भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं भारतीय सब जूनियर महिला टीम को चीन के खिलाफ हुए खिताबी मुकाबले में हार के कारण रजत पद से ही संतोष करना पड़ा है।

पुरुष हॉकी फाइनल की बात करें तो इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारतीय टीम ने एशियाई चैंपियन ही नहीं एफआईएच यूथ हॉकी विश्व कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है। भारतीय पुरुष टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में टीम ने अपने आक्रमण से पाकिस्तानी डिफेंस पर दबाव बनाए रखा। मैच के 5वें मिनट में रोमित पाल ने एक शानदार मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई, जो हाफ-टाइम तक बरकरार रही। दूसरे हाफ की शुरुआत में भारत ने अपनी पकड़ और मजबूत की। कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में एक और गोल करके स्कोर 2-0 किया, और उनके ठीक एक मिनट बाद, 13वें मिनट में शाहरुख अली ने एक बेहतरीन गोल दागकर भारत की बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया। वहीं पाक की ओर से एकमात्र गोल मुहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में किया। इसके बाद पाक टीम कोई दूसरा गोल नहीं कर पायी। भारतीय टीम ने अंत में 3-1 से ट्रॉफी अपने नाम की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंधु और महिला क्रिकेट टीम की प्रशंसा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की जापान ओपन में जीत के लिए प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में सिंधु सहित हाल के दिनों में जीत दर्ज करने वाले भारतीय खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर शानदार प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इस उपलब्धि पर सिंधु को बधाई भी दी। पीएम मोदी ने कहा, बैडमिंटन में सिंधु जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।

बारिश बनी आफत! गुजरात, महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट, असम में बाढ़ से 7 लाख लोग प्रभावित, 66 मौतें; हिमाचल में लैंडस्लाइड से 134 सडकें बंद... कई राज्यों में बढ़ा खतरा

मॉनसून ने अब तक ली 437 जानें!

नई दिल्ली। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1 प्रतिशत कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सडकें बंद हैं। 4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बिहार के 17 जिलों में यलो अलर्ट है। इन जिलों में 40-50 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। असम में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियां उफान पर हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में कई जगह लैंडस्लाइड हुआ है। इन घटनाओं में कई लोगों की जान गई है और हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस मॉनसून में अब तक करीब 437 लोगों की जान जा चुकी है।

गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 40,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बारिश से जुड़े हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई है। अहमदाबाद में सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटे में 14 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। राज्य के 12 जिलों में बाढ़ से 7.05 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का स्ट्रॉग सिस्टम एक्टिव है, जिसके चलते आज प्रदेश के 35 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में पिछले 15 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसे देखते हुए शनिवार को राज्य के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इधर, राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी है। अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के कारण 6 दिनों तक स्थगित रहने के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गई। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में भी कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। लगातार बारिश की वजह से कई जगह सडकें टूट गई हैं, पुलों को नुकसान पहुंचा है और बिजली व मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित हुए हैं। कई गांवों का संपर्क दूसरे इलाकों से कट गया है। राहत और बचाव टीमें लगातार काम कर रही हैं, लेकिन कई जगह पानी और मलबे की वजह से पहुंचना आसान नहीं है। सबसे ज्यादा असर इस समय असम में देखने को मिल रहा है, जबकि जम्मू-कश्मीर और नागालैंड में भी हालात सामान्य होने में समय लग सकता है।

7 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

असम इस समय सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में है। यहां बाढ़ से अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 7 लाख लोग इससे प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों का पानी कई इलाकों में फैल गया है। हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में जाना पड़ा है। सबसे ज्यादा असर शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट और जोरहाट जिलों में है। इन जिलों के 939 गांव अब भी पानी में डूबे हुए हैं। बाढ़ की वजह से 24 हजार हेक्टेयर से ज्यादा खेती भी प्रभावित हुई है। इससे किसानों की फसल को बड़ा नुकसान होने की आशंका है।

पुंछ में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश के कारण कई जगह लैंडस्लाइड और अचानक बाढ़ आई है। सबसे बड़ा हादसा 20 जुलाई को पुंछ जिले में हुआ। यहां भूस्खलन के बाद एक कच्चा मकान मलबे में दब गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 7 लोगों, जिनमें दो छोटे बच्चे भी शामिल थे, की मौत हो गई।

दूसरे दिन भी बंद रहा जम्मू-श्रीनगर हाईवे

भारी बारिश और की लैंडस्लाइड वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे लगातार दूसरे दिन भी बंद रहा। यह सडक कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोडने वाला सबसे अहम रास्ता है। हाईवे बंद होने से लोगों की आवाजाही और जरूरी सामान की सप्लाई पर भी असर पड़ा है।

नागालैंड में राहत-बचाव का काम जारी

लगातार बारिश का असर नागालैंड में भी देखने को मिला है। राज्य में कई जगह भूस्खलन हुआ, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। कुछ इलाकों में अब भी राहत और बचाव का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि लगातार बारिश की वजह से नए लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार-बारूद और ब्राउन शुगर बरामद

- प्रतिबंधित संगठनों के सक्रिय सदस्य दबोचे
- विस्फोटक और मादक पदार्थों की बड़ी खेप जब्त

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान हथियार, विस्फोटक, गोला-बारूद और ब्राउन शुगर की बड़ी खेप भी बरामद की गई। पुलिस ने सभी मामलों में जांच तेज कर दी है।

पुलिस के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन केसीपी (सिटी मैतेई) के सक्रिय सदस्य उरिकहिनबाम मालेमंगबा सिंह उर्फ वातेम्बा (30) को जिरीबाम जिले के निवासी होने के बावजूद इंफाल के सिंगजामेई थाना क्षेत्र के थोंगजू पार्ट-2 से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य कार्रवाई में केसीपी के ही सक्रिय सदस्य याइखोम अभिनाश मीतेई उर्फ नोबा उर्फ एबी (26) को इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट थाना क्षेत्र स्थित कोंगपाल खोंगखाम लीकाई से दबोचा गया।

उधर, उखरूल जिले के लितान थाना क्षेत्र के शांगकाई और मोंगकोट चेपू गांवों के आसपास तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक स्थानीय निर्मित पोंपी गन, 12 बोर की राइफल, विभिन्न कैलिबर के नौ जिंदा कारतूस, देसी मोर्टार शेल और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया।

एक अन्य अभियान में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 स्थित पटसोई लामखाई के हाईवे ऑटो केयर वर्कशॉप पर छापेमारी कर एक पजेरो वाहन से 30 साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखी गई 346 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। मामले में वर्कशॉप के सह-मालिक शेख सलाहुद्दीन (46) और चोंगथम अनिलकुमार सिंह (38) को गिरफ्तार किया गया। इसी दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) के दो सक्रिय सदस्यों मुतुम सेताराज सिंह उर्फ समलांग (31) और थौनाओजाम राकेश मीतेई उर्फ अमुबा (35 को थौबल बाजार से गिरफ्तार किया। दोनों पर संगठन के लिए नए सदस्यों की भर्ती करने का आरोप है। उनके कब्जे से एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है।

पुलिस का कहना है कि सभी मामलों में आगे की जांच जारी है और उग्रवादी नेटवर्क तथा मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

एक टैंक...दो लोग...और कुछ मिनटों में खत्म हो गई दो जिंदगियां

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की एक पॉश हाउसिंग सोसायटी में शनिवार देर रात एक कर्मचारी एसटीपी टैंक की सफाई करने के लिए अंदर उतरा। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो उसे बचाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड भी टैंक में उतर गया, लेकिन वह भी वापस नहीं लौटा। जब तक पुलिस और फायर सर्विस की टीम वहां पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 स्थित एल्डिको सोसायटी की है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार-रविवार की दरमियानी रात सोसायटी में एसटीपी टैंक की सफाई का काम चल रहा था। करीब 40 साल के शशिकांत शर्मा टैंक के अंदर सफाई के लिए उतरे। वे राजस्थान के करौली जिले के रहने वाले थे। कुछ समय बीत गया, लेकिन वह बाहर नहीं आए। बाहर मौजूद लोगों को लगा कि शायद अंदर कोई दिक्कत है। उन्हें बचाने के लिए 22 साल का सिक्योरिटी गार्ड आकाश बिना किसी देरी के टैंक में उतर गया। आकाश यूपी के फिरोजाबाद का रहने वाला था, लेकिन कुछ ही देर बाद आकाश भी बाहर नहीं आया। दोनों के टैंक के अंदर फंसे होने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

20 ग्राम कम निकला डिटर्जेंट, 84 साल के बुजुर्ग ने लड़ी कानूनी लड़ाई

देहरादून। देहरादून के रामनगर के 84 साल के ज्ञान चंद्र गर्ग ने दस रुपए के पाउच में 20 ग्राम डिटर्जेंट पाउडर कम मिलने पर तीन साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उनकी ओर से पेश दलीलों और साक्ष्यों के आधार पर राज्य उपभोक्ता आयोग ने कंपनी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। ज्ञानचंद्र गर्ग ने 22 सितंबर 2020 को रामनगर में एक दुकान से 10-10 रुपए के सर्फ एक्सेल डिटर्जेंट के पांच पैकेट खरीदे। इन पर बड़े-बड़े अक्षरों में वजन 90 ग्राम लिखा था। ज्ञान चंद्र खुद एक व्यापारी हैं तो उन्हें पाउच का वजन कम लगा। तौल करने पर वजन 70 ग्राम निकला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गर्ग ने कंपनी को कानूनी नोटिस भेजे। ठोस जवाब नहीं मिलने पर नैनीताल उपभोक्ता फोरम में गए और उनके हक में फैसला आया। इसे हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने राज्य आयोग में चुनौती दी। आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति कुमकुम रानी और सदस्य बीएस मनराल की पीठ ने कंपनी की याचिका को खारिज करने के साथ ही मानसिक और आर्थिक नुकसान के एवज में 40 हजार, मुकदमे का खर्च 10 हजार समेत कुल 50 हजार रुपए देने के आदेश दिए।

ज्ञान चंद्र गर्ग ने इस मामले की पैरवी खुद की। आयोग को उन्होंने सभी साक्ष्य कोरियर से भेजे। इससे पहले बिल जमा करने के बावजूद मोबाइल सेवाएं बाधित करने पर भी उनकी याचिका पर कंपनी पर एक लाख का जुर्माना लगाया गया था। कोर्ट में तराजू पर तौला गया पैकेट और फिर

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक तराजू मंगवाया गया।

मन की बात में पीएम मोदी ने कारगिल के वीरों को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर उन्होंने देश की रक्षा क्षमताओं में हो रही प्रगति, आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक की बढ़ती भूमिका का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कारगिल की दुर्गम चोटियों, प्रतिकूल मौसम और दुश्मन की चुनौती के बावजूद भारतीय जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की रक्षा की। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय को गर्व से भर देता है और यह दिन देश के उन वीर सैनिकों के बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कारगिल के वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष 'शौर्य यात्रा' का भी आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जल संरक्षण अभियान 'कैच द रेन' की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में गांवों और शहरों दोनों जगह लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई है, जिससे जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ी है। इसी के साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किए गए युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक युद्धपोत पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है तथा इसमें 75 प्रतिशत से

अधिक स्वदेशी उपकरणों का उपयोग हुआ है। उनके अनुसार, यह आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता का सशक्त उदाहरण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस महीने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी के पिनाका गाइडेड रॉकेट तथा कुशा मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और रक्षा विशेषज्ञों को देते हुए कहा कि उनकी मेहनत के कारण भारत रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत केवल अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि रक्षा उपकरणों के निर्यात और रणनीतिक साझेदारी के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों से जुड़े रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय रक्षा तकनीक और स्वदेशी हथियारों पर दुनिया का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उनके अनुसार, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रही है।

फिजिक्स ऑलंपियाड का किया जिक्र

पीएम मोदी ने फिजिक्स ऑलंपियाड का जिक्र करते हुए कहा कि फिजिक्स ऑलंपियाड में हमारे सभी पांच छात्रों ने गोल्ड मेडल जीता और भारत ने पहली रैंक हासिल की। पिछले एक दशक में आयोजित हर फिजिक्स ऑलंपियाड में हमारे देश के छात्रों ने गोल्ड या सिल्वर मेडल जरूर जीते हैं। उन्होंने कहा कि केमिस्ट्री ऑलंपियाड में भी हमारे सभी छात्रों ने गोल्ड मेडल जीते। यह अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस रही है। पीएम मोदी ने कहा बायोलॉजी ऑलंपियाड में भी हमारे सभी छात्रों ने मेडल जीते, इनमें एक गोल्ड मेडल भी शामिल है।

जेन-जी पर तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी का बड़ा दांव

25 नहीं अब 21 की उम्र में बनेंगे एमपी-एमएलए!

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही विधानसभा का एक स्पेशल सेशन बुलाएगी ताकि केंद्र से लोकसभा और विधानसभा चुनाव लडने के लिए मिनिमम उम्र 21 साल करने और लेजिस्लेटिव काउंसिल और राज्यसभा के लिए 25 साल करने का रिक्वेस्ट करने वाला एक रेजोल्यूशन पास किया जा सके। सीएम रेड्डी ने कहा कि अगस्त के पहले हफ्ते में, हम विधानसभा और लेजिस्लेटिव काउंसिल के स्पेशल सेशन बुलाएंगे और विधायक या सांसद के तौर पर चुनाव लडने के लिए मिनिमम उम्र 21 साल करने का रेजोल्यूशन पास करेंगे। हम यह रेजोल्यूशन केंद्र को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि संसद में जेन-जी का 1 प्रतिशत से भी कम रिप्रेजेंटेशन है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी पीढ़ी जो आबादी का लगभग 30 प्रतिशत है, उसे हमारी विधानसभाओं में ज़्यादा रिप्रेजेंटेशन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर जेन-जी के युवा एजुकेशन मिनिस्टर और आईटी मिनिस्टर बनते हैं तो देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने 21 साल के लोगों को विधायक और सांसद के तौर पर चुनाव लडने का मौका देने के लिए संविधान में संशोधन करने का सुझाव दिया। उन्होंने जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन और सिंगापुर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 18-21 साल के युवा देश के प्रमुख बन सकते हैं, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बन सकते हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत इस रास्ते पर क्यों नहीं चल सकता। नीट पेपर लीक मामले को लेकर आयोजित एक कैंडल लाइट' रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि जेन-जेड' के आंदोलन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से हटने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी आवाज दुनिया तक पहुंचाने के लिए सडकों से संसद तक पहुंचना होगा।

पश्चिम बंगाल में बनेगी नई विधानसभा

सीटें बढने की संभावना के चलते फैसला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जल्द नई विधानसभा भवन का निर्माण किया जाएगा। राज्य के बजट सत्र के दौरान इसकी घोषणा की गई। कहा गया कि सीमांकन (डिलिमिटेशन) और महिला आरक्षण कानून लागू होने के बाद विधानसभा में विधायकों की संख्या बढ़कर करीब 400 हो सकती है। ऐसे में मौजूदा विधानसभा भवन में सभी सदस्यों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होगी। विधानसभा अध्यक्ष से सभी राजनीतिक दलों से चर्चा कर नई इमारत के लिए उपयुक्त जगह तय करने और लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर योजना तैयार करने को कहा गया। यह भी कहा गया कि परियोजना के लिए पैसों की कोई कमी नहीं होगी।

मौजूदा विधानसभा भवन को विरासत (हेरिटेज) भवन के रूप में संरक्षित रखा जाएगा और जरूरत के अनुसार उसका उपयोग जारी रहेगा। साथ ही, विधायकों की उपस्थिति और सदन में उनके प्रदर्शन की जानकारी देने के लिए नई वेबसाइट बनाने का भी प्रस्ताव रखा गया। विधायकों के हॉस्टल को भी अपग्रेड करने की योजना है। विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने बताया कि न्यू टाउन इलाके में करीब 40 एकड़ जमीन की पहचान की गई है, जहां नई विधानसभा भवन का निर्माण किया जा सकता है।

प्रधान का इस्तीफा महज पहली सीढ़ी', जवाबदेही तय होने तक जारी रहेगा आंदोलन

सीजेपी प्रवक्ताओं ने कहा- शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही भी एजेंडे में, संगठन की विश्वसनीयता बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इसे आंदोलन की बड़ी सफलता बताया है। इसी के साथ संगठन ने स्पष्ट कर दिया है कि उसका अभियान यहीं समाप्त नहीं होगा। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और प्रवक्ताद्वय आशुतोष राकां व सौरव दास ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा केवल पहली सीढ़ी है और अब शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, छात्रों के अधिकारों की सुरक्षा तथा आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय कराना संगठन की अगली प्राथमिकता होगी।

करीब 35 दिनों तक चले आंदोलन, सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल, संसद मार्च और जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शनों के बाद धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को सीजेपी ने जनआंदोलन की जीत बताया। संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा, हम कॉकरोच हैं, एक बार घुसते हैं तो निकलते नहीं हैं। उनका संकेत था कि संगठन आगे भी विभिन्न जनसरोकारों के मुद्दों पर सक्रिय रहेगा।

एक बातचीत में पार्टी के प्रवक्ताद्वय ने कहा कि पिछले डेढ़ महीने में आंदोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि लोगों का बढ़ता भरोसा है। उनके अनुसार, शुरुआत में नए संगठन होने के कारण लोगों में उत्सुकता के साथ शंका भी थी, लेकिन लगातार संघर्ष और अनुशासित आंदोलन के कारण संगठन की विश्वसनीयता बढ़ी है। उन्होंने दावा किया कि अब युवाओं को यह विश्वास होने लगा है कि उनके मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने वाला एक मंच तैयार हो चुका है। सीजेपी प्रवक्ताओं ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसा मंच तैयार करना है, जहां युवा बिना किसी डर के अपनी समस्याएं रख सकें और सरकारों से जवाबदेही मांग सकें। उन्होंने बताया कि संगठन शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम करेगा और आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों को आवश्यक चिकित्सा और कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराएगा।

एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं थी पूरी व्यवस्था

आंदोलन के दौरान नेतृत्व को लेकर उठे सवालों पर भी प्रवक्ताओं ने प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि इतने कम समय में बने संगठन के युवा नेतृत्व ने बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को संगठित किया, सरकार के साथ कई दौर की बातचीत की और पूरे आंदोलन का संचालन सामूहिक निर्णय प्रक्रिया के आधार पर किया। उन्होंने कहा कि संगठन के सभी प्रमुख सदस्य जिम्मेदारियां बांटकर काम करते रहे और किसी एक व्यक्ति पर पूरी व्यवस्था निर्भर नहीं थी।

छात्रों के अधिकारों की लड़ाई

आगे भी रहेगी जारी

सरकार के साथ हुई वार्ताओं का उल्लेख करते हुए सीजेपी प्रवक्ताओं ने बताया कि बातचीत के दौरान सुरक्षा कारणों से उनके मोबाइल फोन कुछ समय के लिए रखवा लिए गए थे, लेकिन बाद में बातचीत सामान्य ढंग से आगे बढ़ी। उन्होंने कहा कि आंदोलन औपचारिक रूप से समाप्त हो सकता है, लेकिन शिक्षा सुधार, जवाबदेही और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और कथित ज्यादतियों के मामलों में भी जवाबदेही तय कराने के लिए संगठन कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मुहिम जारी रखेगा।

शाह बोले- देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से त्यागपत्र देने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के लिए देश, देशवासी और विशेषकर युवा पीढ़ी सर्वोपरि हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण देश और उसकी युवा पीढ़ी का भविष्य है। धर्मेंद्र प्रधान का यह कदम इसी भावना को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार युवाओं की भावनाओं का पूरा सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ आवश्यक और कड़े सुधारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दोषियों को कठोर दंड देने और नीट परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए कदम बेहद सराहनीय हैं।

गृह मंत्री ने धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, मातृभाषाओं में परीक्षाओं के आयोजन, पीएम श्री विद्यालयों के विस्तार, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है। उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा मंत्री ने अपना पद छोड़ा है।

इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रसेवा उनके जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे पिछले चार दशकों से छात्र हित और शिक्षा सुधारों के लिए समर्पित रहे हैं। एक सशक्त और समावेशी शिक्षा प्रणाली ही मजबूत राष्ट्र की नींव होती है और वे युवाओं की न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काम करने के अवसर के लिए आभार भी व्यक्त किया। 3 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आने के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी, परीक्षा रद्द की और पुनः परीक्षा की तारीखें घोषित कीं। साथ ही, आगामी वर्ष से इस परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित रखते हुए सुचारू परीक्षा कराना सरकार की पहली प्राथमिकता रही है, जिसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया।

टीएमसी कार्यकर्ता समेत 14 गिरफ्तार

कोलकाता। नीट पेपर लीक के मामले में पश्चिम बंगाल के धर्मतला में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और पत्रकारों के खिलाफ काफी हिंसा हुई थी। इस मामले में अब पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। अहम बात यह है कि इनमें टीएमसी का एक कार्यकर्ता भी है। विरोध प्रदर्शन में हिंसा करने के मामले में गिरफ्तार हुए लोगों को लेकर पुलिस ने कहा कि इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोडफ़ोड़ में शामिल थे। दूसरी ओर पुलिस ने ये भी है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने ईमेल के माध्यम से ये भी बताया है कि ये 14 लोग आंदोलन से नहीं जुड़े थे।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ये लापरवाही पड़ेगी भारी : इधर सरकारी आदेश पर पर्यटको के लिए गांगुलपारा बंद, उधर गुपचुप तरीके से लोग कर रहे प्रवेश

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बरसात के मौसम में संभावित हादसों को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा गांगुलपारा जलप्रपात को पर्यटकों के लिए बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके बावजूद मौके पर स्थिति बिल्कुल अलग नजर आ रही है। प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में लोग चोरी-छिपे जलप्रपात क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं और सुरक्षा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि कई युवा अपनी जान जोखिम में डालकर फिसलन भरी चट्टानों पर चढ़ रहे हैं। कोई झरने के बिल्कुल किनारे खड़े होकर सेल्फी ले रहा है तो कोई ऊंची चट्टानों पर पहुंचकर वीडियो बनाने में व्यस्त है। जहा पर जरा सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बावजूद इसके भी जिम्मेदार बेखबर है।

30 सितंबर तक लगाई गई है प्रवेश पर रोक

यदि आप भी गांगुलपारा जलाशय घूमने का मन बना रहे है तो खबर आपके लिए है।क्यो की जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर पर बसे गांगुलपारा जलाशय के वॉटरफॉल (झरना) देखने के लिए आ रहे पर्यटकों के प्रवेश पर 30 सितंबर तक के लिए रोक लगा दी गई है। विभाग ने स्पष्ठ किया है कि पर्यटक छुट्टियों के लिए इस क्षेत्र में न आएं।जहा नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाने की भी चेतावनी जारी की गई है।बावजूद इसके भी यहां लोग अवैध रूप से प्रवेश कर रहे है।जो नियमो का उल्लंघन कर अपनी जान जोखिम में डालकर झरने में नहा रहे है, तो वही फिसलन भरी चट्टानों में चढ़कर झरने के साथ सेल्फी लेते नजर आ रहे है।

अवैध रूप से युवा कर रहे प्रवेश

आपको बताए कि वन विभाग द्वारा जारी किया गया यह आदेश पर्यटकों के लिए मायूसी भरा आदेश है।जिसके चलते गांगुलपारा पहुचने वाले पर्यटकों को अब प्राकृतिक सौंदर्य के साथ साथ झरने के भी दर्शन नही हो पा रहे है।बताया जा रहा है कि मॉनसून के दौरान पर्यटक भी बड़ी संख्या में इस प्राकृतिक क्षेत्र में घूमने और झरने का आनंद लेने आते हैं।ऐसे में कई बार यह हादसे हो जाते है।इसलिए 30 सितंबर तक इस क्षेत्र में प्रवेश पर वन विभाग द्वारा रोक लगाई गई है।उधर इस रोक के बावजूद भी युवा इस प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर पार्टी करते नजर आ रहे है जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह रविवार को गांगुलपारा झरने के समीप देखने को मिला।जहा कुछ युवा झरने की चट्टानों में चढ़कर मौज मस्ती करते हुए नजर आए।

हादसे की रहा देख रहे कर्मचारी

बताया गया कि गांगुलपारा क्षेत्र में बरसात के दौरान पानी का बहाव अचानक तेज हो जाता है। ऐसे में चट्टानों पर फिसलन बढ़ जाती है और कई बार बिना किसी चेतावनी के जलस्तर बढ़ जाता है। इसके बावजूद पर्यटक अपनी जान की परवाह किए बिना खतरनाक स्थानों तक पहुंच रहे हैं।हैरानी की बात यह है कि जहां एक ओर प्रशासन ने पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा रखी है, वहीं दूसरी ओर मौके पर सुरक्षा व्यवस्था भी लगाई गई है।लेकिन यहां न तो पर्याप्त निगरानी हो रही है और न ही विभागीय कर्मचारियों द्वारा कोई कार्यवाही की जा रही है। इसी का फायदा उठाकर लोग आसानी से प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पूर्व में भी इस पर्यटन स्थल पर सेल्फी लेने और लापरवाही के कारण लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद लोग सबक लेने को तैयार नहीं हैं।विभाग को चाहिए कि गांगुलपारा जलप्रपात पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए, पुलिस एवं वन अमले की नियमित तैनाती हो, प्रवेश मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जाए वही प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से पहले स्थिति पर नियंत्रण किया जा सके।

असामाजिक तत्वों का रहता है जमावड़ा,बिखरी नजर आती है गंदगी

प्राकृति की गोद में बसे इस इको पर्यटन क्षेत्र गांगुलपारा में असामाजिक तत्व इधर से उधर घूमते नजर आते हैं। जिन पर अब तक लगाम लगाने में प्रशासन नाकाम रहा है ।वहीं जगह-जगह बैचलर पार्टी होना, युवाओं द्वारा शोर मचाना और एक दूसरे को अपशब्दों का प्रयोग कर आवाज लगाना यहां आम बात हो गई है। किसी की रोक ना होने के चलते अक्सर झरने के पास युवाओं को बैचलर पार्टी मनाते देखा जा सकता है। वहीं किसी भी प्रकार की कोई मनाही न होने के चलते लोग धूम्रपान करते नजर आते हैं जबकि इस क्षेत्र में धूम्रपान करना वर्जित किया गया है।जिस पर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का अब तक कोई ध्यान नहीं है वहीं जगह-जगह पॉलिथीन व कचरा बिखरा होना यह आम बात हो गई है।

जान जोखिम में डालकर युवा ले रहे सेल्फी

घने जंगल ऊंचे पहाड़ों और प्रकृति की गोद में बसे इको पर्यटन स्थल गांगुलपारा का झरना लोगों को स्वत: ही अपनी ओर खींच लाता है ।यहां आने वाले लोग अक्सर झरने के समीप बैठकर पार्टी मनाते नजर आते हैं। वही अक्सर कई युवा चट्टानों में चढ़कर झरने के पानी में नहाते और वह सेल्फी लेते दिखाई देते हैं जिन्हें रोकने टोकने वाला तक भी कोई नहीं है। किसी भी प्रकार की बंदिश ना होने के चलते युवा बे रोक-टोक चट्टानों में चढ़कर झरने का लुत्फ उठाते है। और अपनी जान को जोखिम में डालकर सेल्फी लेते नजर आते हैं। हालांकि विभाग द्वारा झरने के समीप सुरक्षा के लहजे से वन्य कर्मियों की ड्यूटी लगाए जाने की बात कही जा रही है लेकिन जब भी निरीक्षण करने पदमेश की टीम पहुंची है तो झरने के समीप एक भी सुरक्षाकर्मी नजर नहीं आता और यहां का नजारा किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता देता दिखाई देता है। झरने के समीप क्या गतिविधियां चल रही है ?, जंगल में कौन धूम्रपान कर रहा है ?,कौन शराब पी रहा है ?, जगह-जगह पॉलिथीन कौन फेक रहा है या झरने के ऊपर चढ़कर सेल्फी कौन ले रहा है इस पर कर्मचारियों का कोई ध्यान नहीं है।

वन्यप्राणियो का भी बना रहता है खतरा

विभागीय जानकारी के अनुसार टाइगर रिजर्व से सटे घने जंगल होने के कारण यहाँ भी हिंसक प्राणियों की मौजूदगी बनी रहती है।वर्षा के मौसम में वन्य जंतुओं का प्रणयकाल होता है। इस दौरान वन्य जीव जंतु बहुत अधिक हिंसक हो जाते हैं। इस दौरान वे किसी भी तरह की दखलअंदाजी बर्दाश्त नहीं करते। वाहनों का आना-जाना और सैलानियों की उपस्थिति भी उनके प्रणय काल में बाधा बन सकती है।इससे वन्य जीवन का इकोसिस्टम प्रभावित हो सकता है। इसका सीधा असर वन्य प्राणियों की संख्या पर पड़ता है। यही कारण है कि पूरे वर्षा ऋतु में यहाँ आने जाने पर रोक लगा दी जाती है।

अधिकारी से नही हो सका संपर्क

इस पूरे मामले को लेकर जब हमने बालाघाट डीएफओ नित्यानंद एल से संपर्क करने का प्रयास किया तो रविवार होने के चलते कार्यालय में उनसे संपर्क नहीं हो सका, वहीं हमने उनके दूरभाष क्रमांक 9424790200 पर भी संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन मोबाइल नंबर पर भी उनसे संपर्क नहीं हो सका।

कारगिल विजय दिवस पर एनसीसी कैडेटों ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। **बालाघाट।** कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 26 जुलाई को पीएम श्री महाविद्यालय बालाघाट की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई द्वारा वीर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं 6 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ. गजानन कटरे के नेतृत्व में किया गया, जबकि मंच संचालन यूओ तनु काटेकर ने किया। कार्यक्रम में सीक्यूएमएस आदर्श कुर्वे ने कारगिल विजय दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के वीर जवानों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान का उल्लेख किया। उन्होंने कैडेटों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे ने कारगिल विजय दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए वीर शहीदों के अद्वितीय बलिदान को याद किया। वहीं राहुल जोशी ने अपने संबोधन में कारगिल के अमर वीरों के साहस और त्याग को नमन करते हुए युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देशसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी एनसीसी कैडेटों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, एनसीसी कैडेट एवं बड़ी

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है
शैक्षणिक योग्यता-हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान - 6000 रूपये से योग्यतानुसार
-मिलने का पता-
अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल
वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी
सम्पर्क सूत्र-9584968038

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट